किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक

समाज जागरण

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 4 अंक: 258 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शनिवार 27 जून 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

भारत का 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू,

भूकंप प्रभावित वेनेजुएला भेजी सेना की विशेष मेडिकल टीम

समाज जागरण

नई दिल्ली। उत्तरी वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप के बाद भारत ने मानवीय सहायता एवं आपदा राहत अभियान 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू कर दिया है। इस अभियान के तहत भारतीय सेना की विशेष मेडिकल टुकड़ी और बड़ी मात्रा में राहत सामग्री भारतीय वायुसेना के दो सी-17 परिवहन विमानों से वेनेजुएला रवाना की गई है। भारत का यह कदम संकट की घड़ी में मित्र देशों के साथ मजबूती से खड़े रहने की अपनी नीति और वैश्विक मानवीय प्रतिबद्धता का एक और उदाहरण माना जा रहा है। भारतीय सेना के 60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल से 41 सदस्यीय चिकित्सा दल को राहत मिशन पर भेजा गया है। इस दल में नौ अनुभवी सैन्य चिकित्सक भी शामिल हैं, जो भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, ट्रॉमा प्रबंधन, गंभीर घायलों का उपचार, सर्जरी तथा गहन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे।

भारतीय सेना के अनुसार राहत दल अपने साथ लगभग छह टन चिकित्सा उपकरण एवं आवश्यक मानवीय सहायता सामग्री लेकर गया है। इसमें भारत की 'आरोग्य मैत्री' परियोजना के तहत विकसित अत्याधुनिक

दो सी-17 विमानों से रवाना हुई 41 सदस्यीय टुकड़ी, 35 टन से अधिक राहत सामग्री और दो 'भीष्म क्यूब' भी भेजे गए

'भीष्म क्यूब' भी शामिल हैं। यह मॉड्यूलर फील्ड हॉस्पिटल कम समय में स्थापित होकर आपदा प्रभावित क्षेत्रों में उन्नत ट्रॉमा केयर, आपातकालीन सर्जरी और आईसीयू जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने में सक्षम है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय वायुसेना के दो सी-17 विमान 35 टन से अधिक राहत सामग्री, दवाइयां, चिकित्सा उपकरण और भारतीय सेना की फील्ड हॉस्पिटल यूनिट के साथ वेनेजुएला के लिए रवाना हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत इस कठिन समय में वेनेजुएला की सरकार और वहां के नागरिकों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है तथा हरसंभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पश्चिम एशिया संकट से पहले जैसी आपूर्ति व्यवस्था बहाल, औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को मिलेगा पूरा लाभ

सरकार ने दी उद्योगों को बड़ी राहत,

नॉन-डॉमेस्टिक पैक्ड LPG पर सभी क्षेत्रीय प्रतिबंध हटे

समाज जागरण

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने औद्योगिक एवं वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए नॉन-डॉमेस्टिक पैक्ड एलपीजी की आपूर्ति पर लगाए गए सभी क्षेत्रीय प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिए हैं। सरकार ने पश्चिम एशिया संकट से पहले की आपूर्ति व्यवस्था बहाल करते हुए निलंबित की गई बल्क एलपीजी आपूर्ति को भी संकट-पूर्व खपत के 50 प्रतिशत स्तर तक पुनः शुरू कर दिया है।

यह निर्णय देश में एलपीजी उत्पादन और आयातित गैस की उपलब्धता में सुधार के बाद लिया गया है। सरकार का कहना है कि इससे होटल, रेस्तरां, उद्योग और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को राहत मिलेगी, जो पिछले कुछ समय से आपूर्ति प्रतिबंधों का सामना कर रहे थे।

घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने के लिए लगाए गए थे प्रतिबंध

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार पश्चिम एशिया में उत्पन्न संकट के दौरान घरेलू रसोई गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत विशेष आदेश जारी किए गए थे। इसके तहत सी3-सी4 स्ट्रीम को पेट्रोकेमिकल एवं अन्य औद्योगिक उपयोगों से हटाकर एलपीजी उत्पादन के लिए उपयोग किया गया था। इसी कारण वाणिज्यिक पैक्ड एलपीजी की आपूर्ति पर अस्थायी प्रतिबंध लगाए गए थे।

अब उद्योगों को फिर मिलेगा पर्याप्त कच्चा माल

सरकार ने अब सी3-सी4 स्ट्रीम का आवंटन पेट्रोकेमिकल एवं अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भी बढ़ाने का निर्णय लिया है। हालांकि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि घरेलू एलपीजी की उपलब्धता प्रभावित न हो और देश में प्रतिदिन कम से कम 40 हजार मीट्रिक टन एलपीजी उत्पादन बना रहे।

मंत्रालय के अधीन उच्च प्रौद्योगिकी केंद्र को विभिन्न संगठनों के लिए सी3-सी4 स्ट्रीम का आवंटन जारी करने और नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

तेल कंपनियों को डेटा प्रबंधन के निर्देश

सरकार ने सभी तेल विपणन कंपनियों को औद्योगिक एवं वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ताओं का विस्तृत डेटा तैयार करने और साझा क्षेत्रीय डेटाबेस विकसित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि भविष्य में आपूर्ति प्रबंधन और निगरानी अधिक प्रभावी ढंग से की जा सके।

पीएनजी को मिलेगा बढ़ावा

सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिन वाणिज्यिक एवं थोक उपभोक्ताओं के पास पाइप्ड नेचुरल गैस की सुविधा उपलब्ध है या जो पीएनजी पर स्थानांतरित होने की प्रक्रिया में हैं, उन्हें चरणबद्ध तरीके से पीएनजी नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इससे एलपीजी पर दबाव कम होगा और ऊर्जा आपूर्ति अधिक संतुलित बनेगी।

राज्यों को दिए गए निर्देश

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र भेजकर संशोधित आपूर्ति व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य बिंदु

नॉन-डॉमेस्टिक पैक्ड LPG पर सभी क्षेत्रीय प्रतिबंध समाप्त।
पश्चिम एशिया संकट से पहले जैसी आपूर्ति व्यवस्था बहाल।
बल्क LPG आपूर्ति संकट-पूर्व स्तर के 50% तक पुनः शुरू।
उद्योगों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को बड़ी राहत।
घरेलू LPG उपलब्धता प्रभावित न हो, इसके लिए प्रतिदिन 40 हजार मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य।
PNG नेटवर्क के विस्तार पर भी सरकार का विशेष जोर।

मुंबई के गोरेगांव में बड़ी कार्रवाई, 3.75 करोड़ की हेरोइन बरामद; एक युवक गिरफ्तार

नारकोटिक्स सेल की कार्रवाई में 750 ग्राम हेरोइन जब्त, 20 वर्षीय युवक हिरासत में

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में नारकोटिक्स सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गोरेगांव इलाके से 3.75 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में एक 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर सड़क पर की गई। मुंबई पुलिस की नारकोटिक्स सेल के डीसीपी पूर्निमा चौगुले श्रींगी ने बताया कि आरोपी के पास से लगभग 750 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 3 करोड़ 75 लाख रुपये है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी को मौके से ही हिरासत में लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अब तक इस मामले में केवल एक ही व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई है और किसी बड़े ड्रग सिंडिकेट से सीधे संबंध की पुष्टि नहीं हुई है, हालांकि इसकी जांच की जा रही है। डीसीपी ने बताया कि आरोपी 20 वर्ष का है और उसका कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं पाया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है

दुबई में 'मिसाइल हमले' के इमरजेंसी अलर्ट से मची अफरातफरी, सरकार ने कहा- घबराने की जरूरत नहीं

लाखों मोबाइल फोन पर अचानक फ्लैश हुआ अलर्ट, यूएई सरकार बोली- देश में स्थिति पूरी तरह सामान्य

समाज जागरण

अबू धाबी/दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रमुख शहर दुबई में शुक्रवार शाम उस समय अफरातफरी मच गई, जब बड़ी संख्या में लोगों के मोबाइल फोन पर अचानक 'मिसाइल हमले' का इमरजेंसी अलर्ट दिखाई देने लगा। तेज चेतावनी सायरन और मोबाइल स्क्रीन पर आए संदेश से लोगों में कुछ समय के लिए दहशत फैल गई। कई स्थानों पर लोग घरों और इमारतों से बाहर निकल आए तथा सोशल मीडिया पर भी इस अलर्ट को लेकर चचाओं का दौर शुरू हो गया।

घटना के बाद यूएई के गृह मंत्रालय ने तत्काल स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि देश में किसी प्रकार का वास्तविक मिसाइल हमला नहीं हुआ है और हालात पूरी तरह सामान्य हैं। मंत्रालय ने नागरिकों और निवासियों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की।

हालांकि, सरकार की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया कि मोबाइल फोन पर 'मिसाइल हमले' का इमरजेंसी अलर्ट किस कारण सक्रिय हुआ। फिलहाल संबंधित एजेंसियां इसकी जांच में जुटी हैं। यह घटना ऐसे समय सामने आई है, जब हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव और ईरान-अमेरिका के बीच संघर्ष की आशंकाओं के कारण पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ाई गई थी। हालांकि, हालिया कूटनीतिक प्रयासों के बाद दोनों देशों के बीच तनाव में कुछ कमी आई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि कई देशों में आपातकालीन चेतावनी प्रणाली का उपयोग संभावित खतरों के दौरान नागरिकों को तुरंत सूचना देने के लिए किया जाता है। ऐसे अलर्ट कभी-कभी तकनीकी कारणों, परीक्षण या अन्य प्रशासनिक वजहों से भी जारी हो सकते हैं। फिलहाल यूएई सरकार ने अलर्ट के वास्तविक कारण की पुष्टि नहीं की है।

सरकार ने लोगों से शांति बनाए रखने और किसी भी अपुष्ट सूचना को साझा करने से बचने की अपील की है। घटना के बाद पूरे मामले पर सुरक्षा एजेंसियां नजर बनाए हुए हैं।

शिमला में दर्दनाक सड़क हादसा, गहरी खाई में गिरी पिकअप; छह लोगों की मौके पर मौत

रामपुर के तकलेच क्षेत्र में हुआ हादसा, दूध लेकर जा रही थी पिकअप; पुलिस ने शुरू की जांच

समाज जागरण

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। रामपुर उपमंडल के तहत तकलेच चौकी क्षेत्र के उरमण गांव के पास एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसा इतना भयावह था कि वाहन में सवार सभी छह लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त पिकअप (एचपी-06बी-2420) दूध की सप्लाई के लिए तकलेच से काशापाट जा रही थी। वाहन में पांच पुरुष और एक महिला सवार थे। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस, राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद खाई से सभी शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मृतकों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के समय का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसकी पुलिस जांच कर रही है। इस हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। प्रशासन ने लोगों से पहाड़ी मार्गों पर वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

सीएम फंड से जरूरतमंदों को इलाज के लिए हर साल दिए जाते हैं 1200 से 1500 करोड़ रुपये

मुख्यमंत्री ने किया गोरखपुर में एस्ट्रोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन, कहा- गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा आज की आवश्यकता

समाज जागरण

गोरखपुर, 26 जून। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जरूरतमंद लोगों के इलाज के लिए प्रति वर्ष 1200 से 1500 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से दिए जाते हैं। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा आज की आवश्यकता है। वर्ष 2017 के बाद स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा के विस्तार से सरकार ने प्रदेश के प्रति लोगों की धारणा को बदला है। पूर्व व वर्तमान सरकार के बीच सबसे बड़ा अंतर यही है कि पहले हर जिले में माफिया पैदा किया गया और अब हर जिले में मेडिकल कॉलेज की सुविधा दी जा रही है।

सीएम योगी शुक्रवार को बेतियाहाता में एस्ट्रोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित

जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया' दिया था, जबकि हमारी सरकार ने प्रदेश को 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज', 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' और 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन कुजीन' जैसी योजनाओं का उपहार दिया है। इन योजनाओं से प्रदेश के प्रति धारणा बदलने, नई और मजबूत पहचान बनाने में मदद मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र का उन्नयन सरकार की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में संपूर्ण विश्व की सबसे बड़ी स्कीम 'आयुष्मान भारत' संचालित हो रही है। इस स्कीम में जो तबके छूट गए, उन्हें यूपी सरकार ने राज्य स्तर पर कवर किया। इस योजना में लाभार्थियों को पांच लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा मुफ्त मिलती है। इसके अलावा वह जरूरतमंद लोगों के इलाज के लिए प्रति वर्ष 1200 से 1500 करोड़ रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से देते हैं।

बीमार थी पूर्व की सरकारों की मानसिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के बाद से प्रदेश में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। बिना भेदभाव सबको सुरक्षा, सम्मान और शासन की सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश में एकमात्र गोरखपुर का बीआरडी मेडिकल कॉलेज था, जो खुद ही बीमार था। वास्तव में मेडिकल कॉलेज बीमार नहीं था, बल्कि तत्कालीन सरकारों की मानसिकता बीमार थी, जिन्होंने यहां की जनता को मरने के लिए छोड़ दिया था। आज वही बीआरडी मेडिकल कॉलेज बेहतरीन तरीके से संचालित हो रहा है। गोरखपुर में एम्स की भी सुविधा मिल रही है। गोरखपुर के अलावा महाराजगंज, देवरिया, सिद्धार्थनगर, बस्ती, बलरामपुर, गोंडा, बहराइच, आजमगढ़, गाजीपुर, रायबरेली, अमेठी, मिजार्पुर, चंदौली में मेडिकल कॉलेज बन गए हैं। इन मेडिकल कॉलेज में क्लासेज के साथ हॉस्पिटल भी बेहतरीन तरीके से चल रहे हैं। बलिया में भी मेडिकल कॉलेज को स्वीकृति मिल चुकी है।

जीवन में श्रेष्ठ पलों में कठोर श्रम कीजिए उत्तम परिणाम पाईये।

जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष श्रम संकल्प और प्रगति है। सकारात्मक उद्देश्य को लेकर किया गया श्रम सदैव श्रेष्ठ परिणाम देता है। श्रम और संघर्ष का कोई विकल्प ही नहीं है। निरंतर श्रम करना उच्च मनोबल बनाए रखना और सफलता की कामना और पवित्र महत्वाकांक्षा सफल मनुष्य के सच्चे मित्र होते हैं' जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज में 3% नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, स-ॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है। पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार-विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी। इस तरह हमें महात्मा बुद्ध के कथन अनुसार अपने या दूसरों के विचारों नवप्रवर्तनों को तर्क बुद्धि पर देखे जाने की जरूरत है, और फिर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

संजीव ठाकुर, लेखक , चिंतक, स्तंभकार

वक्त और रिश्ते...!

सुबह की नरम धूप जब आँगन में उतरती है,
चिड़ियों की चहचहाहट मन को छूकर गुजरती है।
एक प्याली चाय के साथ ख्याल यह आता है,
ज़िंदगी को हर पल क्यों? गंभीर बनाया जाता है।

यहाँ हर एक चेहरे पर मुस्कान सजी होती है,
वहाँ पर हर मुस्कान में सच्चाई मन में ही रोती है।
कुछ लोग मिल लेते हैं बस पथरीली राहों में,
पर उनके इरादों की गहराई नहीं होती निगाहों में।

हर किसी को दिल से लगाना जरूरी तो नहीं,
यहाँ हर बात को दिल पे लेना भी जरूरी तो नहीं।
कुछ रिश्ते वक्त के साथ चलने के लिए होते हैं,
हर एक रिश्ते उम्रभर निभाने के लिए नहीं होते हैं।

संजय एम तराणेकर (कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश) मो. 98260 25986

कैसे खुली केतन हत्याकांड की परतें

महेन्द्र तिवारी

केतन अग्रवाल हत्याकांड उन मामलों में शामिल हो गया है जिन्होंने यह दिखाया कि आधुनिक अपराध जांच में डिजिटल साक्ष्य कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शुरूआत में जो घटना एक दुखद दुर्घटना प्रतीत हो रही थी, वह कुछ ही दिनों में ऐसे मामले में बदल गई जिसमें कथित साजिश, रिश्तों के उलझे हुए समीकरण, मोबाइल डेटा, कॉल रिकॉर्ड और लोकेशन विश्लेषण जैसे कई पहलू सामने आए। पुलिस का दावा है कि यदि परिवार ने शुरूआती स्तर पर संदेह व्यक्त नहीं किया होता और तकनीकी साक्ष्यों की गहराई से जांच न की जाती, तो संभव है कि यह मामला एक सामान्य दुर्घटना मानकर बंद कर दिया जाता।

महाराष्ट्र के पुणे क्षेत्र में रहने वाले 26 वर्षीय केतन अग्रवाल की मौत 18 जून को लोहागढ़ किले के पास हुई थी। शुरूआती जानकारी के अनुसार माना गया कि वह ऊंचाई से गिर गए थे और इसी कारण उनकी मृत्यु हुई। उस समय उपलब्ध परिस्थितियां भी दुर्घटना की संभावना की ओर इशारा कर रही थीं। परिवार शोक में डूबा हुआ था और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई। लेकिन कहानी यहीं समाप्त नहीं हुई। कुछ दिनों बाद घटनाक्रम ने ऐसा मोड़ लिया जिसने पूरे मामले की दिशा बदल दी।

पुलिस के अनुसार इस मामले की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी केतन की बहन साबित हुईं। अंतिम संस्कार के लगभग 4 दिन बाद सिया गोयल परिवार से मिलने पहुंचीं। परिवार के सदस्यों से बातचीत के दौरान केतन की बहन ने घटना से जुड़े कई सवाल पूछे। बताया जाता है कि कुछ सवालों के जवाबों में विरोधाभास दिखाई दिया। बहन को लगा कि घटना के बारे में पूरी सच्चाई सामने नहीं आ रही है। यह संदेह धीरे धीरे गहराता गया और परिवार ने अपनी शंकाएं पुलिस के सामने रखीं। यही वह क्षण था जिसने जांच को नई दिशा दे दी। बाद में पुलिस ने भी माना कि परिवार की ओर से व्यक्त किया गया यह शक जांच की पहली महत्वपूर्ण कड़ी बना।

जब पुलिस ने मामले को केवल दुर्घटना मानकर देखने के बजाय अन्य संभावनाओं पर भी विचार करना शुरू किया, तब तकनीकी और डिजिटल जांच का दायरा बढ़ाया गया। मोबाइल फोन रिकॉर्ड, कॉल डिटेल्स, इंटरनेट उपयोग, लोकेशन डेटा और विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक गतिविधियों की जांच शुरू हुई। इसी दौरान सिया गोयल और चेतन चौधरी के बीच संपर्कों का विश्लेषण किया गया। पुलिस के अनुसार पिछले लगभग 6 महीनों के दौरान दोनों के बीच 2004 बार फोन पर बातचीत हुई थी। यह संख्या अपने आप में जांच अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए पर्याप्त थी। जब बातचीत की कुल अवधि का आकलन किया गया तो वह लगभग 238 घंटे निकली। कुछ रिपोर्टों में यह अवधि 258 घंटे भी बताई गई है, लेकिन जांच से जुड़े प्रमुख दावों में 238 घंटे का आंकड़ा प्रमुख रूप से सामने आया।

जांच एजेंसियों के लिए केवल कॉल्स की संख्या ही महत्वपूर्ण नहीं थी, बल्कि उन कॉल्स की आवृत्ति, समय और परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण थीं। पुलिस का मानना है कि इतने बड़े स्तर पर लगातार संपर्क ने दोनों व्यक्तियों के संबंधों और संभावित योजनाओं को लेकर सवाल खड़े किए। इसी आधार पर जांच को और गहरा किया गया। कॉल रिकॉर्ड का विश्लेषण करते समय यह देखा गया कि किन दिनों में बातचीत अधिक हुई, किन समयों पर संपर्क हुआ और घटना से पहले संपर्क की प्रकृति कैसी थी। इन जानकारियों ने जांच को आगे बढ़ाने में सहायता की।

मामले में एक और महत्वपूर्ण बिंदु इंटरनेट गतिविधियों से जुड़ा था। पुलिस का दावा है कि घटना वाले दिन सुबह लगभग 7 बजे से शाम 5 बजकर 40 मिनट तक चेतन चौधरी का इंटरनेट बंद रहा। जांचकताओं ने इस तथ्य को अत्यंत महत्वपूर्ण माना क्योंकि सामान्य परिस्थितियों में लंबे समय तक इंटरनेट बंद रहने की स्थिति संदेह उत्पन्न करती है। पुलिस ने यह समझने का प्रयास किया कि क्या यह महज संयोग था या किसी योजना का हिस्सा। इसी प्रश्न ने जांच को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया।

जांच के दौरान यह भी आरोप सामने आया कि चेतन चौधरी ने अपना मोबाइल फोन अपनी दुकान पर छोड़ दिया था और किसी कर्मचारी का फोन साथ लेकर गया था। पुलिस का दावा है कि ऐसा वास्तविक लोकेशन छिपाने और मोबाइल ट्रैकिंग से बचने के उद्देश्य से किया गया हो सकता है। यदि यह दावा सही साबित होता है तो यह दशार्ता है कि डिजिटल निगरानी से बचने का प्रयास किया गया था। हालांकि इस संबंध में अंतिम निर्णय न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही संभव होगा, लेकिन जांच एजेंसियों ने इसे एक महत्वपूर्ण संकेत माना।

जांचकताओं ने घटना वाले दिन की प्रत्येक गतिविधि को दोबारा खंगालना शुरू किया। मोबाइल लोकेशन रिकॉर्ड, कॉल हिस्ट्री और विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक संकेतों को एक साथ जोड़कर देखा गया। जिन लोगों ने उस दिन संबंधित मोबाइल नंबरों पर कॉल किया था, उनसे भी पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार कुछ लोगों ने बताया कि फोन पर संबंधित व्यक्ति ने स्वयं बात नहीं की थी बल्कि किसी अन्य व्यक्ति ने कॉल रिसीव की थी। इस जानकारी ने जांच अधिकारियों के संदेह को और मजबूत किया।

डिजिटल जांच का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि अलग अलग स्रोतों से प्राप्त जानकारियों को एक दूसरे के साथ मिलाकर देखा गया। केवल कॉल रिकॉर्ड या केवल लोकेशन डेटा के आधार पर निष्कर्ष निकालने के बजाय पुलिस ने विभिन्न तकनीकी संकेतों को जोड़ने का प्रयास किया। कॉल्स की संख्या, बातचीत की अवधि, इंटरनेट उपयोग का पैटर्न, मोबाइल की गतिविधियां और कथित लोकेशन डेटा को एक साथ रखकर घटनाक्रम का पुनर्निर्माण किया गया। पुलिस का दावा है कि इसी प्रक्रिया में कथित साजिश की कई परतें सामने आईं।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार जांच में सीसीटीवी फुटेज की भी भूमिका रही। पुलिस ने विभिन्न स्थानों से उपलब्ध दृश्य सामग्री का अध्ययन किया और उसे अन्य डिजिटल साक्ष्यों के साथ मिलाया। जांचकताओं का मानना है कि तकनीकी साक्ष्य कई बार मानवीय स्मृति या बयानों की तुलना में अधिक वस्तुनिष्ठ जानकारी प्रदान करते हैं। यही कारण है कि इस मामले में भी इलेक्ट्रॉनिक डेटा को विशेष महत्व दिया गया।

इस मामले ने एक बार फिर यह प्रश्न भी उठाया कि आधुनिक समाज में मोबाइल फोन किस प्रकार किसी व्यक्ति की गतिविधियों का विस्तृत रिकॉर्ड तैयार कर देते हैं। कॉल रिकॉर्ड, इंटरनेट उपयोग, संदेशों का समय, लोकेशन संकेत और अन्य डिजिटल निशान मिलकर किसी व्यक्ति की गतिविधियों की व्यापक तस्वीर प्रस्तुत कर सकते हैं। केतन हत्याकांड की जांच में भी यही हुआ। पुलिस ने दावा किया कि तकनीकी साक्ष्यों ने उन सवालों के जवाब देने में मदद की जिनका उत्तर केवल प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों से नहीं मिल पा रहा था।

मामले का एक अन्य पहलू कथित संबंधों और व्यक्तिगत परिस्थितियों से जुड़ा हुआ है। रिपोर्टों में दावा किया गया कि सिया गोयल और चेतन चौधरी के बीच लंबे समय से संपर्क था। जांच एजेंसियों ने इसी पृष्ठभूमि में दोनों के बीच हुए संवादों और गतिविधियों का विश्लेषण किया। कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा गया कि कथित साजिश को अंजाम देने के प्रयास पहले भी किए गए थे और बाद में घटना घटी। हालांकि इन सभी आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर ही होगी।

दूसरी ओर बचाव पक्ष ने जांच एजेंसियों के दावों पर प्रश्न भी उठाए हैं। आरोपी पक्ष के वकील ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि आरोपों को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं हैं और कई दावों की जांच अदालत में की जानी बाकी है। इससे स्पष्ट है कि मामला अभी भी कानूनी प्रक्रिया के अधीन है और सभी पक्षों के तर्कों का परीक्षण न्यायालय में होगा।

फिलहाल उपलब्ध जानकारी के आधार पर इतना स्पष्ट दिखाई देता है कि केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में सबसे पहला निर्णायक मोड़ परिवार के संदेह से आया। यदि केतन की बहन को सिया गोयल के व्यवहार और जवाबों पर संदेह न होता, तो संभव है कि मामला उसी दिशा में आगे बढ़ता जिस दिशा में शुरूआत में जा रहा था। लेकिन एक सवाल, एक संदेह और उसके बाद की गई तकनीकी जांच ने पूरे घटनाक्रम को बदल दिया। इसके बाद 2004 कॉल्स, 238 घंटे की बातचीत, इंटरनेट गतिविधियों से जुड़े तथ्य, संदिग्ध लोकेशन और अन्य डिजिटल साक्ष्य जांच का आधार बने। पुलिस का दावा है कि इन्हीं तकनीकी सुरागों ने कथित साजिश की परतें खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं अंतिम सत्य का निर्धारण अब न्यायिक प्रक्रिया और अदालत में प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर होगा।

मॉनसून की सुस्त चाल ने बढ़ाई टेंशन, खेती और अर्थव्यवस्था पर मंडराया खतरा

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की शुरूआत कमजोर रही है। जून के पहले पखवाड़े में बारिश सामान्य से 35-40 प्रतिशत कम रही, जबकि भारतीय मौसम विभाग ने दीर्घकालिक औसत की लगभग 90 प्रतिशत मौसमी बारिश होने का अनुमान लगाया है।

चिंता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन ने प्रशांत महासागर में अल नीनो होने की पुष्टि की है और आने वाले महीनों में इसके तेज होने की संभावना जताई है। किंतु अभी कोई ठोस निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। बहुत कुछ जुलाई और अगस्त में होने वाली बारिश पर निर्भर करेगा क्योंकि खरीफ की बोआई के लिए ये महत्त्वपूर्ण महीने हैं। फिर भी शुरूआती संकेतों पर बारीकी से ध्यान देना जरूरी है।

पहली चिंता कृषि है। उदाहरण के लिए, कर्नाटक और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में अरहर, मूंग तथा उड़द जैसी दालों की बोआई में आई बाधाओं से पता चलता है कि वर्षा पर निर्भर खेती कितनी नाजुक है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियों का योगदान केवल 18 प्रतिशत हो सकता है मगर लगभग आधी श्रमशक्ति इसी में लगी हुई है। कमजोर मॉनसून से अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से में ग्रामीण आय, रोजगार और उपभोग मांग प्रभावित हो सकती है।

महत्त्वपूर्ण बात है कि भारतीय रिजर्व बैंक के नवीनतम मासिक बुलेटिन में प्रतिकूल दक्षिण-पश्चिम मॉनसून को वृद्धि और मुद्रास्फीति दोनों के लिए प्रमुख घरेलू जोखिमों में गिनाया गया है।

इसके दूरगामी परिणाम मुद्रास्फीति पर पड़ते हैं। खाद्य पदार्थों का नए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में भी लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा है। 2023-24 के अल नीनो संकट से पता चला कि कैसे कम बारिश और ज्यादा गर्मी खाद्य पदार्थों की कीमतों को लगातार ऊंचा रख सकते हैं। खुदरा खाद्य मुद्रास्फीति दर हाल के महीनों में बढ़ने लगी है।

लंबे समय तक मॉनसून कमजोर रहा या सर्दियां असामान्य रूप से गर्म रहने पर रबी की फसल प्रभावित हुई तो यह दबाव और बढ़ सकता है। लेकिन अभी घबराने की खास वजह नहीं है। इस सीजन में भारत के पास काफी बफर है। सरकार के पास गेहूं और चावल का पर्याप्त भंडार है और दलहन भंडार भी बढ़ा है। लगातार दो वर्षों में भरपूर फसल के बाद दुनिया भर में खाद्य आपूर्ति भी प्रचुर मात्रा में है। इसलिए खतरा स्थानीय परेशानी का ही है। मॉनसून का मसला भारत की बढ़ती जल समस्या से भी जुड़ा हुआ है। मौसमी वर्षा से जलाशयों, नदियों और भूजल भंडारों को जल मिलता है, जो कृषि और शहरी खपत दोनों को सहारा देते हैं। हाल के वर्षों में कई शहरों को बार-बार पानी की कमी का सामना करना पड़ा है। समस्या अब केवल वर्षा की मात्रा से नहीं बल्कि पानी के भंडारण, पुनर्भरण और प्रबंधन से जुड़ गई है।

जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा और उसके परिणामों के बीच का संबंध बदल रहा है, जिससे स्थिति थोड़ी जटिल हो जाती है। सामान्य बारिश वाले वर्षों में भी, मौसम की अतिकारी घटनाएं, लंबे समय तक सूखा और तेज बारिश के छोटे-छोटे दौर फसलों और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा सकते हैं। विभिन्न क्षेत्रों और समय में वर्षा का वितरण भी कुल मौसमी वर्षा जितना महत्त्वपूर्ण होता जा रहा है।

इसलिए नीतिगत तैयारी अत्यंत आवश्यक हो जाती है। हालांकि पर्याप्त खाद्य भंडार सुरक्षा कवच देता है मगर स्थानीय मौसम के पूवार्नुमानों का व्यापक उपयोग, समय पर फसल संबंधी सलाह, सूखे से बेअसर रहने वाली बीज किस्में और कम अवधि में तैयार हो जाने वाली फसलें इस नुकसान को कम करने में मददगार हो सकती हैं। जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और स्थानीय जल निकायों के जीर्णोद्धार में निवेश भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है।

भारत कमजोर मॉनसून का सामना करने के लिए पहले की तुलना में ज्यादा तैयार है। लेकिन समय के साथ उसकी मजबूती इस बात पर ज्यादा निर्भर करेगी कि जलवायु परिवर्तन को कितने कारगर तरीके से संभाला जाता है।

तारों के बीच बैठा मैं

रात चांदनी की चादर ओढ़े है,
तारे अपनी शाश्वत भाषा
में टिमटिमा रहे हैं,
और मैं खुले आसमान के नीचे
अपने ही भीतर के
आकाश को निहार रहा हूँ।
कल क्या था...?
आज क्या हो गया...?
और आने वाला कल
किस दिशा से मेरे द्वार
पर दस्तक देगा...?
इन प्रश्नों के अनगिन दीप
मन के निर्जन घाट पर जल उठे हैं।
देखता हूँ,दुनिया कितनी बदल गई है,
समय ने अपने पंखों में
असंख्य युगों की गति समेट ली है।
लोग मिट्टी की पगडंडियों से निकलकर
आकाश की ऊँचाइयों तक पहुँच गए,
विचारों ने सीमाएँ लाँघ लीं,
तकनीक ने दूरियों को पराजित कर दिया।
पर मैं...? मैं वहीं खड़ा हूँ क्या,
जहाँ वर्षों पहले खड़ा था?
या फिर धीरे-धीरे चलते हुए इतना
आगे निकल आया हूँ
कि स्वयं को पहचान नहीं पा रहा?
तारों की भीड़ में बैठा
मैं अपने अस्तित्व का पता पूछता हूँ।
क्या दुनिया से पीछे छूट गया हूँ?
या भीड़ की अंधी दौड़
में शामिल न होकर
अपने समय से आगे निकल आया हूँ?
उत्तर कहीं बाहर नहीं मिलता।
हवा केवल इतना कहती है
"चलना ही प्रगति नहीं होता,
कभी-कभी ठहरकर स्वयं
को समझ लेना भी
एक यात्रा महान होती है।"
मैं देखता हूँ उन तारों को
वे लाखों वर्षों से वहीं हैं,फिर भी
कोई उन्हें पीछे नहीं कहता।
नदी बहती है,पर्वत स्थिर रहते हैं,
दोनों ही प्रकृति के सत्य हैं।
तब मन कहता है
शायद जीवन का अर्थ
दुनिया से आगे निकल जाने में नहीं,
अपने भीतर के सत्य के साथ
तालमेल बिठा लेने में है।
यदि आत्मा आज भी निर्मल है,
यदि संवेदनाएँ अब भी जीवित हैं,
यदि किसी की पीड़ा देखकर
हृदय अब भी पिघल जाता है,
तो समय की दौड़ में
मैं हारा नहीं हूँ।
रात और गहरी हो रही है,
तारे अब भी झिलमिला रहे हैं,
और मैं अपने प्रश्नों के साथ नहीं,
अपने उत्तरों के साथ बैठा हूँ।
क्योंकि समझ गया हूँ
दुनिया बदलना समय का स्वभाव है,
पर मनुष्य बने रहना ही
जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।
और इस विराट आकाश के नीचे
आज पहली बार मुझे लगा
मैं कहीं रुका नहीं हूँ,
मैं अपनी ही गति से
जीवन के साथ चल रहा हूँ।
जीवन के साथ निभ रहा हूं।।

सुरेश सिंह बैस "शाश्वत",
एवीके न्यूज सर्विस

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद दौरा, कई विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

इलेक्ट्रॉनिक्स व सोलर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का होगा शिलान्यास, नोएडा के नए कार्यालय भवन का लोकार्पण भी शामिल

समाज जागरण/संदीप गर्ग

लखनऊ/नोएडा। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे को गति देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद के महत्वपूर्ण दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे कई बड़ी विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे तथा विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री दोपहर करीब 12:35 बजे जेवर एयरपोर्ट, गौतमबुद्ध नगर पहुंचेंगे, जहां सेक्टर-10 यीडा में अम्बर एवं ऐसेन्ट के इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद वे सेक्टर-8 यीडा स्थित सेल के सोलर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के शिलान्यास कार्यक्रम में भी भाग लेंगे।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री सेक्टर-96, नोएडा पहुंचेंगे, जहां वे नोएडा के नवीन कार्यालय भवन का लोकार्पण करेंगे तथा 'एमएसएमई दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान वे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों और हितधारकों को संबोधित भी कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री मेरठ मंडल के लोक निर्माण विभाग के पुराने एवं चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे तथा नई परियोजनाओं की प्रगति को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक भी करेंगे।

दौरे के अंतिम चरण में मुख्यमंत्री गाजियाबाद के इंदिरापुरम पहुंचेंगे, जहां वे मंत्री सुनील शर्मा के सुपुत्र के मांगलिक कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। राज्य सरकार के अनुसार यह दौरा प्रदेश में औद्योगिक निवेश, रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे के विकास को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

किडजानिया इंडिया और बिग एफएम की साझेदारी, बच्चों को मिलेगा रेडियो ब्रॉडकास्टिंग का लाइव अनुभव

दिल्ली-एनसीआर किडजानिया में शुरू होगा 'बिग एफएम रेडियो स्टेशन', बच्चे बनेंगे आरजे और सीखेंगे प्रसारण की बारीकियां

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। एजुटेनमेंट के क्षेत्र में अग्रणी संस्था किडजानिया इंडिया ने भारत के प्रमुख रेडियो नेटवर्क बिग एफएम के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत अब किडजानिया दिल्ली-एनसीआर में बच्चों को वास्तविक रेडियो प्रसारण जैसा अनुभव प्रदान करने के लिए 'बिग एफएम रेडियो स्टेशन' की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

इस पहल का उद्देश्य बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ मीडिया और संचार की दुनिया से जोड़ना है, जहां वे रेडियो जॉकी की भूमिका निभाकर प्रसारण की बारीकियां सीख सकेंगे और एक पेशेवर स्टूडियो जैसे माहौल में माइक के सामने बोलने का अनुभव प्राप्त करेंगे।

इससे पहले यह अनुभव किडजानिया मुंबई में सफलतापूर्वक शुरू किया जा चुका है, जिसे बच्चों और अभिभावकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली थी। अब इसी मॉडल को दिल्ली-एनसीआर में भी विस्तारित किया जा रहा है।

बच्चों को मिलेगा आत्मविश्वास और कम्युनिकेशन स्किल्स का विकास

यह 'बिग एफएम रेडियो स्टेशन' बच्चों के लिए एक इमर्सिव रोल-प्ले अनुभव के रूप में डिजाइन किया गया है। इसमें बच्चों को मार्गदर्शन के साथ यह सिखाया जाएगा कि वे अपनी आवाज को प्रभावी ढंग से कैसे प्रस्तुत करें, श्रोताओं से कैसे जुड़ें और प्रसारण की मूलभूत तकनीकों को कैसे समझें।

इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने, स्पष्ट बोलने की क्षमता विकसित करने और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

कंपनियों ने साझेदारी को बताया महत्वपूर्ण कदम

किडजानिया इंडिया के चीफ बिजनेस ऑफिसर तरनदीप सिंह सेखों ने कहा कि किडजानिया का उद्देश्य बच्चों को वास्तविक दुनिया जैसे अनुभवों के माध्यम से सीखने का अवसर देना है। उन्होंने कहा कि रेडियो की दुनिया बच्चों को रचनात्मकता और संवाद कौशल विकसित करने का बेहतरीन मंच प्रदान करती है।

वहीं बिग एफएम के सीईओ अशित कुकियन ने कहा कि हर आवाज में प्रभाव पैदा करने की क्षमता होती है और यह पहल बच्चों को अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने और मीडिया की दुनिया को समझने का अवसर देगी। उन्होंने कहा कि मुंबई में मिली सफलता के बाद अब दिल्ली-एनसीआर में इस अनुभव का विस्तार एक महत्वपूर्ण कदम है।

शिक्षा और मनोरंजन का अनोखा संगम

इस साझेदारी के साथ दोनों संस्थान बच्चों के लिए ऐसे अनुभव तैयार कर रहे हैं जो उन्हें केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि वास्तविक जीवन के कौशल भी सिखाएंगे। यह पहल बच्चों में संचार, कहानी कहने और आत्म-अभिव्यक्ति की क्षमता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

किडजानिया और बिग एफएम का यह संयुक्त प्रयास बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करने और उन्हें आत्मनिर्भर व आत्मविश्वासी बनाने की दिशा में एक नया मंच प्रदान करेगा।

वाहन चोरी गिरोह का पदार्फाश, पुलिस मुठभेड़ के बाद तीन आरोपी गिरफ्तार

एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल, चोरी की 10 दोपहिया गाड़ियां बरामद

अमरोहा। उत्तर प्रदेश पुलिस की अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अमरोहा पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस मुठभेड़ के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, वाहन चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से चोरी की 10 दोपहिया गाड़ियां बरामद की गई हैं, जिन्हें विभिन्न स्थानों से चोरी किया गया था।

मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं अन्य दो आरोपियों को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

नोएडा साइबर क्राइम पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बैंक खाता उपलब्ध कराने वाला आरोपी गिरफ्तार

KYC के नाम पर ठगी करने वाले साइबर गिरोह को खाता सप्लाई करने का आरोप, 9 लाख रुपये के ट्रांजेक्शन का खुलासा

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के लिए बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई अभिसूचना संकलन और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर की है।

गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान भीम रावल पुत्र प्रेम रावल के रूप में हुई है, जिसे दिल्ली से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार आरोपी साइबर अपराधियों को किराये पर बैंक खाता उपलब्ध कराता था, जिसका उपयोग ठगी की रकम ट्रांसफर करने में किया जाता था।

KYC के नाम पर की जा रही थी ठगी

पुलिस जांच में सामने आया है कि साइबर अपराधी खुद को बैंक मैनेजर बताकर लोगों से केवाईसी अपडेट के नाम पर धोखाधड़ी करते थे। इस ठगी के लिए उपयोग किए जाने वाले बैंक खातों की व्यवस्था गिरफ्तार आरोपी द्वारा की जाती थी।

पुलिस के अनुसार आरोपी के बैंक खाते में लगभग 9 लाख रुपये का संदिग्ध लेन-देन पाया गया है। इसके अलावा बैंक खाता उपलब्ध कराने के बदले उसे करीब 45 हजार रुपये कमीशन के तौर पर मिले थे।

कानूनी कार्रवाई शुरू

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318(4), 319(2) तथा आईटी एक्ट की धारा 66D के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा पैसों का नेटवर्क कहां तक फैला हुआ है।

साइबर क्राइम पुलिस की सलाहः

साइबर शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत संपर्क करें

वेबसाइट www.cyber crime.gov.iN पर शिकायत दर्ज करें

व्हाट्सएप या कॉल पर आने वाले फर्जी निवेश ऑफर से बचें

किसी भी अनजान व्यक्ति को बैंक डिटेल, आधार, पैन कार्ड साझा न करें

पुलिस का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और साइबर अपराधियों पर सख्त निगरानी रखी जा रही है।

साइबर जागरूकता संदेश जारी

पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे साइबर ठगी से बचने के लिए सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध कॉल या मैसेज पर भरोसा न करें।

'सांप-सीढ़ी' के लालच में न फंसें, सुरक्षित निवेश ही समझदारी: गौतमबुद्धनगर पुलिस की साइबर जागरूकता मुहिम

ऑनलाइन निवेश के नाम पर होने वाली ठगी से बचाने के लिए जारी किया जागरूकता वीडियो, पुलिस ने बताए सुरक्षा के उपाय

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में कमिश्नरेट पुलिस ने ऑनलाइन निवेश (इन्वेस्टमेंट) के नाम पर बढ़ रही साइबर ठगी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत एक जन-जागरूकता वीडियो जारी किया गया है, जिसमें 'सांप-सीढ़ी' के खेल के माध्यम से निवेशकों को लालच से बचने और सोच-समझकर निवेश करने का संदेश दिया गया है।

वीडियो में बताया गया है कि जिस प्रकार सांप-सीढ़ी के खेल में एक गलत चाल खिलाड़ी को ऊंचाई से नीचे गिरा देती है, उसी प्रकार बिना जांच-पड़ताल के अधिक मुनाफे के लालच में किया गया निवेश भी लोगों को आर्थिक नुकसान पहुंचा सकता है।

पुलिस के अनुसार वर्तमान समय में साइबर अपराधी सोशल मीडिया, फर्जी ट्रेडिंग और निवेश प्लेटफॉर्म, टेलीग्राम एवं व्हाट्सएप ग्रुप तथा आकर्षक ऑनलाइन विज्ञापनों के माध्यम से लोगों को कम समय में कई गुना लाभ का झांसा देते हैं। शुरूआत में छोटे-छोटे लाभ दिखाकर विश्वास जीतने के बाद बड़ी रकम निवेश कराकर ठग संपर्क समाप्त कर देते हैं और निवेशकों की धनराशि हड़प लेते हैं।

पुलिस ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर निवेश ठगी का शिकार हो जाता है, तो वह तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करे या www.cybercrime.gov.iN पर शिकायत दर्ज कराए। समय रहते शिकायत करने से ठगी गई धनराशि को सुरक्षित कराने की संभावना बढ़ जाती है।

इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर भी शुरू की जागरूकता मुहिम

साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गौतमबुद्धनगर पुलिस ने अपने आधिकारिक Instagram और YouTube चैनलों की भी शुरूआत की है। इन प्लेटफॉर्मों पर साइबर अपराध के नए तरीकों, ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपाय, डिजिटल सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव और जागरूकता वीडियो नियमित रूप से साझा किए जाएंगे।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे इन आधिकारिक सोशल मीडिया चैनलों से जुड़ें और स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार एवं परिचितों को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करें।

अभियान का संदेश है—

"निवेश में शॉर्टकट नहीं, समझदारी चुनें। लालच की सीढ़ी अक्सर साइबर ठगी के सांप तक पहुंचाती है।"

गौतमबुद्धनगर पुलिस की अपील

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि—

कम समय में अधिक और सुनिश्चित मुनाफे का दावा करने वाली किसी भी निवेश योजना से सतर्क रहें।

किसी भी निवेश प्लेटफॉर्म या कंपनी की वैधता की जांच किए बिना पैसा निवेश न करें।

केवल अधिकृत एवं विश्वसनीय वित्तीय संस्थानों या नियामक संस्थाओं से मान्यता प्राप्त प्लेटफॉर्म का ही उपयोग करें।

सोशल मीडिया, टेलीग्राम या व्हाट्सएप ग्रुप पर मिलने वाली निवेश संबंधी सलाह पर बिना सत्यापन भरोसा न करें।

किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, यूपीआई पिन, बैंक खाते की जानकारी या अन्य गोपनीय विवरण साझा न करें तथा स्क्रीन शेयरिंग ऐप डाउनलोड करने से बचें।

ठगी होने पर तुरंत करें शिकायत

बिसरख पुलिस की बड़ी कार्रवाई, मोटरसाइकिल चोरी करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार; चोरी की बाइक बरामद

शाहबेरी क्षेत्र से हुई चोरी का खुलासा, लोकल इंटेलिजेंस और सर्विलांस की मदद से पुलिस ने पकड़ा गिरोह

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। थाना बिसरख पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

यह मामला शाहबेरी क्षेत्र से मोटरसाइकिल चोरी से जुड़ा है, जिसके संबंध में वादी द्वारा ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के आधार पर थाना बिसरख में मुकदमा संख्या 411/2026, धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

लोकल इंटेलिजेंस से मिली सफलता

पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कमल पुत्र धीरज कुमार और गोविन्द पुत्र तिलक सिंह के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, कमल मूल रूप से अलीगढ़ जिले के थाना पालीमुकीमपुर क्षेत्र के ग्राम सालारपुर का निवासी है, जबकि वर्तमान में वह गौतमबुद्धनगर के थाना दनकौर क्षेत्र के मंडी श्यामनगर में रह रहा था। वहीं दूसरा आरोपी गोविन्द अलीगढ़ जिले के थाना छर्रा क्षेत्र के ग्राम शिखरना का निवासी है और वर्तमान में शाहबेरी, थाना बिसरख क्षेत्र में रह रहा था।

चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

पुलिस ने दोनों आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी इस तरह की घटनाओं में पहले भी शामिल रहे हैं या नहीं, इसकी जांच की जा रही है।

कानूनी कार्रवाई जारी

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की विस्तृत जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि क्या इस चोरी में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण के लिए निगरानी और गश्त को और अधिक सख्त किया जा रहा है।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण में खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज में।

नोएडा में शांतिपूर्ण ढंग से निकला मोहर्रम का जुलूस, विभिन्न अखाड़ों का हुआ भव्य स्वागत

सेक्टर-8 जामा मस्जिद से शुरू होकर सेक्टर-4 पार्क में हुआ समापन, महानगर कांग्रेस नेताओं ने किया इस्तकबाल

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। मोहर्रम के अवसर पर शनिवार को नोएडा में श्रद्धा, अनुशासन और सौहार्दपूर्ण वातावरण के बीच ताजिया एवं अखाड़ों का जुलूस निकाला गया। दोपहर करीब 3 बजे सेक्टर-8 स्थित जामा मस्जिद से प्रारंभ हुआ जुलूस सेक्टर-9 बांस-बल्ली मार्केट, सेक्टर-21/25 नोएडा स्टेडियम चौराहा, सेक्टर-11 एचसीएल, सेक्टर-5 पानी की टंकी होते हुए सेक्टर-4 स्थित पार्क में संपन्न हुआ। जुलूस के दौरान सेक्टर-8, 9 और 10 तिराहे पर महानगर कांग्रेस कमेटी (पूर्व) के अध्यक्ष शाहबुद्दीन और उनके साथियों ने विभिन्न अखाड़ों के सदर एवं पदाधिकारियों का स्वागत और अभिनंदन किया। इस दौरान इस्लामिया अखाड़ा, हुसैनिया अखाड़ा, रहमानी अखाड़ा, हुसैनी अखाड़ा, गोसिया अखाड़ा, आला हजरत बच्चा अखाड़ा, आलिया बच्चा अखाड़ा तथा मोहम्मदी अखाड़ा सहित विभिन्न अखाड़ों के प्रतिनिधि

जुलूस में शामिल रहे। बांस-बल्ली मार्केट में सभी अखाड़ों के पदाधिकारियों का स्वागत किया गया।

इस अवसर पर शाहबुद्दीन ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन का संघर्ष, त्याग और बलिदान मानवता, सत्य और न्याय की रक्षा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मोहर्रम का संदेश अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध डटकर खड़े होने तथा इंसानियत और भाईचारे के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने मोहर्रम जुलूस के शांतिपूर्ण एवं सफल आयोजन के लिए नोएडा पुलिस, प्रशासन और सभी आयोजकों का आभार भी व्यक्त किया।

कार्यक्रम में साहिल, परवेज, अंजार, मुस्लिम, यूनुस, अनीश, बबलू, बंटू, उमर, अली हसन, अमजद हुसैन, कल्लू, सवा करीम, शौकत, वकील, आजाद, सरवर, फरमान, सलमान, साजिद सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। जुलूस में पुरुषों, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे मार्ग पर पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे, जिससे जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

नोएडा पुलिस के हाथ बड़ी सफलता, 62.4 किलो गांजे के साथ दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

सेक्टर-8 के पास फेस-1 थाना पुलिस की कार्रवाई, 16 लाख रुपये कीमत का अवैध गांजा बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में नोएडा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। थाना फेस-1 पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 62.4 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय नहीं बल्कि स्थानीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 16 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. मुज्जफर और टिंकू के रूप में हुई है। दोनों मूल रूप से गौतमबुद्धनगर के निवासी हैं। पुलिस ने दोनों को थाना फेस-1 क्षेत्र के सेक्टर-8 के समीप से गिरफ्तार किया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से दूसरे राज्यों से अवैध गांजा लाकर नोएडा समेत एनसीआर के विभिन्न क्षेत्रों में उसकी सप्लाई कर रहे थे। पुलिस के अनुसार उनके मुख्य ग्राहक झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोग थे।

पूछताछ में पुलिस गिरोह के नेटवर्क, सप्लाई चेन और अन्य सहयोगियों की जानकारी जुटाने में लगी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि गांजा किन राज्यों से लाया जाता था और इसकी आपूर्ति किन-किन क्षेत्रों में की जाती थी।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी तेज कर दी गई है। कमिश्नरेट पुलिस का कहना है कि जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे अपराधों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

टीएमयू में गूंजा नशा मुक्त भारत का संदेश

समाज जागरण/संदीप गर्ग

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के सभागार में नशा मुक्त भारत सप्ताह के अंतर्गत मादक द्रव्यों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नशा मुक्त भारत अभियान : विकसित भारत की पहचान थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग, मद्यनिषेध विभाग और तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी की संयुक्त भागीदारी रही। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवम् दीप प्रज्ज्वलन के संग हुआ। मद्यनिषेध विभाग की ओर से कार्यक्रम समन्वयक श्री मनोज कुमार ने स्टुडेंट्स, शिक्षकों एवम् एनसीसी कैडेट्स को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए कहा,नशे के खिलाफ लड़ाई केवल सरकारी प्रयासों से नहीं बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी से ही सफल हो सकती है।

कार्यक्रम में जादूगर मिस्टर इंडिया अजय दिवाकर ने अपने प्रेरणादायी और संदेशपरक मैजिक शो के माध्यम से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया। इसके अलावा अपर जिलाधिकारी (नगर) श्री अंकुर श्रीवास्तव ने कहा, नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है, इसलिए युवाओं को इसके प्रति जागरूक रहना चाहिए। जिला आबकारी अधिकारी श्री रविन्द्र प्रताप सिंह ने नशा मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों एवम् सरकार की ओर से संचालित विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रज्ञा बाजपेयी ने समाज में नशा उन्मूलन के लिए विभिन्न विभागों और संस्थाओं के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

ब्रह्मकुमारी संस्था की प्रतिनिधि आशा ने भी नशामुक्त समाज के निर्माण में आध्यात्मिक मूल्यों और आत्मसंयम की भूमिका पर प्रकाश डाला। आर्ट ऑफ लिविंग, मुरादाबाद की प्रतिनिधि श्रीमती ऋतु नारंग ने युवाओं से सकारात्मक सोच, योग और ध्यान को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। प्रोग्राम में टीएमयू के स्टुडेंट्स वेलफेयर डीन प्रो.एमपी सिंह की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। नशा मुक्ति अभियान में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं नीतू सक्सेना, विनीता पांडेय और आयुषी त्यागी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी अतिथियों एवं विशिष्ट प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह के रूप में गीता भेंट की गई। अंत में सभी लोगों ने नशामुक्त समाज और विकसित भारत के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

मोहर्रम को लेकर सेंट्रल नोएडा पुलिस अलर्ट, डीसीपी सेंट्रल ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

एसीपी-10 के नेतृत्व में थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में पैदल गश्त, शांतिपूर्ण ताजिया एवं जुलूस संपन्न कराने के दिए निर्देश

नोएडा। मोहर्रम पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और ताजिया एवं जुलूसों का शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित आयोजन सुनिश्चित करने के लिए कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस पूरी तरह सतर्क रही। इसी क्रम में डीसीपी सेंट्रल नोएडा के निर्देशन में एसीपी-10 नोएडा ने थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। पैदल गश्त के दौरान संवेदनशील स्थानों, प्रमुख मार्गों तथा जुलूस के निर्धारित रूट का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने तथा किसी भी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि मोहर्रम के अवसर पर शांति, सौहार्द और सुरक्षा बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या अव्यवस्था पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

मोहर्रम जुलूस का डीएम-एसपी ने किया स्थलीय निरीक्षण , सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

समाज जागरण

संभल।जनपद सम्भल में मोहर्रम के अवसर पर कस्बा सम्भल में निकाले जा रहे ताज़िया जुलूस के दौरान जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार द्वारा सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जुलूस मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल एवं संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही जुलूस के दौरान यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन एवं आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराए जाएं तथा किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बाबू राममोहन बीकॉम को उनकी 110 वी जयंती पर याद किया ।

समाज जागरण

चंदौसी। श्री राममोहन सेवा आश्रम (रजि.) चंदौसी के तत्वाधान में राम गली सीता रोड स्थित राधाकुंज भवन में नगर के प्रथम स्नातक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, इतिहासकार, साहित्यकार, पत्रकार एवं आर्य समाज के अनुयायी सहित्यभूषण बाबू राममोहन बीकॉम की 110 वी जयंती पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई।

विचार गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियो द्वारा बाबू राममोहन बीकॉम के चित्र पर पुष्प अर्पित करके किया गया।

मुख्य अतिथि सेठ हरिशंकर अग्रवाल ने कहा बाबू राममोहन खादी प्रेमी थे उन्होंने हमेशा खादी कपड़ों के साथ जूते एवं बेल्ट भी कपड़े की ही पहनी उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन 1930 में भाग लिया। जिस दौरान उन्हें एक वर्ष का कठोर कारावास हुआ और मुरादाबाद कारागार में रखा गया।सामाजिक कार्यकर्ता डॉ टीएस पाल ने कहा बाबू राममोहन विभिन्न उपलब्धियां के साथ राष्ट्र एवम समाज को समर्पित रहे। उनकी शिक्षा एवं सेवा कार्य के लिए हम आज भी उन्हें याद कर रहे हैं ।ऐसे महापुरुषों के आदर्शों पर युवाओं को चलने की आवश्यकता है।सौभाग्यशाली हैं उनके सुपुत्र और सुपौत्र जो आज भी उन्हें उनकी जयंती के रूप में याद करते हैं।श्री राममोहन सेवा आश्रम के अध्यक्ष डॉ तुमुल विजय शास्त्री ने अपने पिता बाबू राममोहन बीकॉम के विषय मे बताया बाबूजी का जन्म 26 जून 1915 को चंदौसी के महाजन मोहल्ला स्थित नीम के तले लक्ष्मण दास के घर में हुआ ।वह राष्ट्र एवं शिक्षा के प्रति हमेशा जागरूक एवं एवं लगनशील रहे। जब चंदौसी में स्नातक तक पढ़ाई की सुविधा नहीं थी, तब उन्होंने कानपुर विश्वविद्यालय से 1941 में बीकॉम की परीक्षा पास की। उन्होंने आजादी के बाद कांग्रेस को छोड़कर भारतीय जनसंघ की सदस्यता ली, मुख्य वक्ता पूर्व प्रधानाचार्य त्रिमोहन यादव ने कहा बाबू राममोहन ने अपने जीवन मे अनेक सरकारी,अर्ध सरकारी नौकरियों की परन्तुस सभी चन्दौसी से प्रेम के कारण छोड़ दी।आप दो बार नगर पालिका चन्दौसी के अधिशासी अधिकारी रहे।विशिष्ट अतिथि योगेंद्र कुमार शर्मा ने कहा बाबू जी ने 1970 के दशक में अनेक घी व्यापारी सम्मेलन चन्दौसी,मुरादाबाद,खुर्जा,लखनऊ में किये,एक बार बड़े स्टार पर चन्दौसी में घी व्यापारी सम्मेलन हुआ।जिससे तत्कालीन सरकार को घी व्यापारियो की मांग को मानना पड़ा।कार्यक्रम संयोजक डॉ तुमुल विजय अग्रवाल ने सभी अतिथियो का आभार व्यक्त किया। गोष्ठी की अध्यक्षता साहित्याकार रमेश अधीर ने एवं संचालन डॉ जयशंकर दुवे ने किया।कार्यक्रम में महेश चंद्र शर्मा,विश्व विजय एड,अशोक मिश्रा,महेश

चंद्र गुप्ता,कृष्णा औतार गुप्ता,वाई के शर्मा, नरेश भारती, सुनील कुमार गुप्ता,के के लुम्बा,राधा अग्रवाल, सत्यभान सिंह, खुशबू अग्रवाल, कृष्ण गोपाल गुप्ता,पवन अरोरा आदि ने अपने विचार रखे।

ओम श्री महाकाल सेवा ट्रस्ट द्वारा निर्जला एकादशी के शुभ अवसर पर शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो
शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

नजीबाबाद निर्जला एकादशी के शुभ अवसर पर नगर में जगह-जगह शरबत वितरण का आयोजन किया गया भीषण गर्मी में लोगों ने गर्मी से राहत के लिए शरबत वितरण कार्यक्रम किया गया सभी जगह लोगों की लंबी-लंबी कतारे देखने को मिली। और लोग लाइन में लगकर शरबत लेते हुए भी दिखाई दिए। निर्जला एकादशी के शुभ अवसर पर ओम श्री महाकाल सेवा के द्वारा भी पिछले 2 वर्षों से लगातार सरबत वितरण का कार्यक्रम किया जा रहा है जो नजीबाबाद के मुख्य स्थान माल गोदाम तिराहा के पास धन वर्षा परिसर पर लगाया जाता है 25 जून को भी ट्रस्ट द्वारा शरबत वितरण का कार्यक्रम किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महिला आयोग की सदस्य श्रीमती संगीता जैन अग्रवाल ने फीता काटकर शरबत वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया उन्होंने कहा कि निर्जला एकादशी के शुभ अवसर पर देशभर में जगह-जगह लोग गर्मी से राहत के लिए शरबत का कार्यक्रम किया जाता है और निर्जला एकादशी पर शास्त्रों में भी कहा गया है कि सनातन धर्म में इस दिन शरबत वितरण का कार्यक्रम किया जाना चाहिए ऐसा करने पर भगवान श्री कृष्ण की कृपा सदैव बनी रहती है और धर्म लाभ प्राप्त होता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महिला आयोग की सदस्य श्रीमती संगीता जैन अग्रवाल, ट्रस्ट संस्थापक अनुज कुमार शर्मा, श्रीमती इंदु राजपूत, श्रीमती सोनी शर्मा, पूजा शर्मा, अंकित राजपूत, राजीव टंडन, विनय राजपूत, जगदीश शर्मा, सुधीर अग्रवाल,अक्षय रोहिल्ला, आशुतोष टॉक, दीपक गुप्ता, राहुल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

बाइकों की आपस की टक्कर से एक बाइक सवार की मौत दूसरा गमम्भीर घायल

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नगीना । दो बइकों के बीच आपस में हुई भिड़ंत में एक बाइक सवार की मौत हो गई। जबकि दूसरा बाइक सवार मामूली रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलो को सीएचसी पहुंचाया। सूचना पर मृतक के परिजन सीएचसी पहुंचे और घायल बाइक सवार को खींचने लगे जिसको लेकर मौजूद पुलिस कर्मियों के साथ तीखी नोंक झोंक हुई। सीएचसी में भारी हंगामा होते देख भारी पुलिस बल तैनात किया गया। सीओ सर्किल क्षेत्र के ग्राम झिलमिला निवासी जसवीर सिंह 50 वर्ष पुत्र रामपाल सिंह शुक्रवार की शाम 4 बजे अपनी बाइक से धामपुर से वापस अपने गांव जा रहा था जब वह नगीना धामपुर फोर लाइन स्थित ग्राम सराय मंदिर के पास पहुंचा तभी पीछे से आ रहा बाइक सवार मोहम्मद ओवैस जेदी पुत्र मोहम्मद अहसान निवासी मोहल्ला सैयद वाडा ने ओवरटेक करते हुए दोनों की बाइके आपस में भिड गई जिससे जसवीर सिंह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि मोहम्मद ओवैस मामूली रूप से घायल हुआ, घटना की सूचना मिलते ही मझेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलो को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने जसवीर सिंह को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन व ग्रामीण सीएचसी पहुंचे। इसी बीच मृतक के परिजनों ने घायल बाइक सवार उवेस जेदी को पीटने के लिए खींचना शरू कर दिया जिसे लेकर मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने उसे छुड़ाया जिसको लेकर मृतक के परिजनों और पुलिस कर्मियों के बीच तीखी नोक झोक हुई लेकिन पुलिस घायल उवेस को बचा कर थाने ले गई । जिसको लेकर मृतक के परिजनों ने जमकर हंगामा किया। हंगामा होता देख थाना प्रभारी विकास कुमार भारी पुलिस बल के साथ सीएचसी मे डेरा डाले रहे।बाद मे ग्राम झिलमिला के जिम्मेदार भूरे सिंह, अशोक कुमार और ग्राम प्रधान गौतम सिंह आदि ने उत्तेजित मृतक के परिजनो को समझा बूझा कर शांत किया। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर मोर्चरी भेज दिया।

थाना प्रभारी विकास कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी घायल बाइक सवार व उसकी बाइक को हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

अज्ञात शव मिलने से मचा हड़कंप,पुलिस जांच में जुटी

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नजीबाबाद रेलवे स्टेशन स्थित कालोनी में अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच में जुट गई। युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शुक्रवार को रेलवे स्टेशन स्थित कालोनी में अज्ञात युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर सराय चौकी प्रभारी सौरभ कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और युवक की शिनाख्त में जुट गए। चौकी प्रभारी सौरभ कुमार ने बताया कि युवक शराब के नशे में अक्सर देखा गया है और मृतक युवक की उम्र लगभग पैंतीस वर्ष बताई जा रही है। मृतक युवक की शिनाख्त करने के प्रयास किए गए लेकिन युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला मोर्चरी भिजवाया गया। और आगे की कार्यवाही जारी है।

श्रद्धालुओं को मीठा शर्बत भी प्रसाद के रूप में किया वितरित

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नगीना। श्री श्याम भजन संध्या में संगीत प्रेमियों ने मनमोहक भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया, इस अवसर पर श्रद्धालुओं को मीठा शर्बत भी प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। गुरुवार की देर सांय को

श्री माता शीतला भवानी मंदिर मे आयोजित श्री श्याम भजन संध्या का शुभारम्भ खाटू श्याम बाबा की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया कार्यक्रम में सुशील गुप्ता के संगीत निर्देशन में स्वाति गुप्ता, राजवीर सिंह, धर्मवीर, सुमन भगत, राहुल, गीता सिंह,दीपिका अग्रवाल,मधु सिंह, अलपिका अग्रवाल, दिवाकर, के के बिश्नोई आदि कलाकार संगीत प्रेमियोंने श्री श्याम बाबा के सुंदर सुंदर भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया। इस अवसर पर महिला वैश्य संगठन की अध्यक्ष नीता गुप्ता, महासचिव कल्पना अग्रवाल एवम डॉ अंजू बिश्नोई के नेतृत्व में मंदिर में श्रद्धालुओं के लिये प्रसाद के रुप में मीठे शर्बत की व्यवस्था की।

साइबर क्राइम भिवानी हरियाणा की पुलिस ने 5 संदिग्ध युवकों को घरों से उठाकर पूछताछ को ले गई

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो
शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

नगीना । हरियाणा प्रांत के भिवानी में 15 लाख की ठगी के एक मामले में साइबर क्राइम भिवानी हरियाणा की पुलिस ऑनलाइन का कारोबार करने वाले नगीना के 5 संदिग्ध युवकों को घरों से उठाकर पूछताछ वे आवश्यक कार्यवाही के लिए भिवानी ले गई ,हरियाणा पुलिस द्वारा युवकों को ले जाने के मामले में विभिन्न प्रकार की चचाएँ हो रही है ,ऑनलाइन ठगी के मामले में थाना साइबर क्राइम भिवानी हरियाणा में मुकदमा दर्ज है।

थाना साइबर क्राइम भिवानी हरियाणा के एस आई कर्मवीर सिंह, कांस्टेबल कुलदीप कुमार व होमगार्ड प्रवीण कुमार की टीम नगीना पहुंची और गुरुवार की रात्रि को नगीना थाने के एस आई सोहन सिंह पुंडीर पुलिस टीम के सहयोग से ऑनलाइन का कारोबार करने वाले नगर के 5 युवकों मौहम्मद कैफ अहमद पुत्र लईक अहमद, मौ शाकिर पुत्र मौ खालिद, मौ.असद पुत्र नसीम अहमद, मौ जिबरान पुत्र केशर अली,, अकदस पुत्र नसीम अहमद को उनके घरों पे दबिश देकर उठाले गई उपरोक्तपचो हरियाणा के साइबर क्राइम थाना भिवानी मैं अपराध संख्या 71 / 2026 बीएनएस की धारा 318 (4), 319 (२) में मामला पंजीकृत है, जो ठगी, 420 में आती है । हरियाणा पुलिस पूछ ताछ एव आवश्यक कार्यवाही के लिए भिवानी हरियाणा ले गई, बताया जा रहा है कि जिन युवकों को हरियाणा पुलिस पूछताछ के लिए ले गई उनमें कुछ मौहल्ला लुहारी सराय में.एक प्राइवेट बैंक की मिनी शाखा भी चला रहे थे जिसकी मेन ब्रांच नजीबाबाद में बताई जा रही है, जिसका कार्यालय शुक्रवार को बंद नजर आया। बताया जा रहा है कि उपरोक्त पांचो खाते खोलते थे जो हरियाणा भिवानी से अटैचमेंट थे वहां 15 लख रुपए की ठगी हुए है।

उधर थाना प्रभारी विकास जादौन ने हरियाणा पुलिस द्वारा युवकों को ले जाने की पुष्टि करते हुये बताया कि हरियाणा में साइबर क्राइम का मामला है भिवानी हरियाणा साइबर क्राइम के थाने की पुलिस युवकों को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है।

कामाख्या धाम में दूसरे दिन भी दर्शन को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ।

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। अम्बुवाची महोत्सव के अंतिम दिन भक्तिभाव से हुआ पूजन, देर शाम तक लगी रहीं कतारें जसरानाः कस्बा स्थित मां कामाख्या धाम में चल रहे पांच दिवसीय अम्बुवाची महोत्सव के अंतिम दिन शुक्रवार को भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर में दर्शन-पूजन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने घंटों इंतजार के बाद मां के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर पूरे दिन जयकारों से गूंजता रहा। शुक्रवार को सुवह मंगल आरती के बाद मंदिर के पट खुलते ही दर्शन का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर शाम तक चलता रहा। स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ-साथ आसपास के जनपदों और अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दरबार में पहुंचे। भीड़ अधिक होने के बावजूद श्रद्धालुओं ने अनुशासन के साथ दर्शन किए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस एवं प्रशासन पूरे दिन मुस्तैद रहा। अधिकारियों ने समय-समय पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और भीड़ को व्यवस्थित ढंग से दर्शन कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। भीषण गर्मी और उमस के बीच जनप्रतिनिधि व समाजसेवी श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे रहे। कतारों में लगे श्रद्धालुओं को पानी, नींबू पानी एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। विधायक रामगोपाल पप्पू लोधी, ब्लॉक प्रमुख संध्या लोधी, नगर पंचायत अध्यक्ष राजीव गुप्ता, व्यापार मंडल अध्यक्ष नवीन शिवहरे सहित अन्य समाजसेवियों ने सेवा कार्यों में सहयोग किया। मंदिर के पीठाधीश्वर महेश स्वरूप ब्रह्मचारी ने बताया कि अम्बुवाची महोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। सभी से व्यवस्था बनाए रखने और श्रद्धा व अनुशासन के साथ दर्शन करने की अपील की गई है।

खाली प्लॉट में खड़ी दो गाड़ियों में लगी आग

नई बस्ती में मची अफरा-तफरी, पुलिस और दमकल की गाड़ी ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

समाज जागरण

फिरोजाबाद। थाना दक्षिण के स्टेशन रोड स्थित नई बस्ती में शुक्रवार दोपहर उस समय अफरा- तफरी मच गई, जब गुंजन और सुरजीत अपार्टमेंट के बीच खाली पड़े प्लॉट में खड़ी दो गाड़ियों में अचानक आग लग गई। आग की लपटों के साथ उठते काले धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई दिया। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुंच गया। काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका। स्टेशन रोड स्थित मोहल्ला नई बस्ती में गुंजन और सुरजीत अपार्टमेंट के बीच खाली पड़े प्लॉट में शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे अचानक आग लग गई। आग ने वहां खड़ी दो गाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते दोनों वाहनों से ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं और आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। घटना की सूचना मिलते ही इलाका पुलिस मौके पर पहुंच गई। वहीं, अग्निशमन विभाग की दमकल गाड़ी भी मौके पर पहुंची। फायर कर्मियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए आग पर काबू पाया और आसपास के क्षेत्र में आग फैलने से रोक दिया। आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। धुएं और आग की लपटों को देखकर कुछ देर के लिए क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। हालांकि आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और अग्निशमन विभाग आग लगने के कारणों की जांच में जुटे हैं। घटना में हुए नुकसान का भी आकलन किया जा रहा है।

जसराना में सौहार्द के साथ निकला मुहर्रम का ताज़िये का जुलूस ।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। कस्बे जसराना में शुक्रवार को मुहर्रम के अवसर पर ताज़िये का जुलूस पारंपरिक श्रद्धा, अनुशासन और गंगा-जमुनी तहजीब के बीच शांतिपूर्ण माहौल में निकाला गया। जुलूस का शुभारंभ मोहल्ला बेगमपुरी स्थित मस्जिद से विधायक इं. सचिन यादव ने किया। उन्होंने सभी को मुहर्रम की शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारा, प्रेम और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया। ताज़िये का जुलूस बेगमपुरी मस्जिद से प्रारंभ होकर जामा मस्जिद, शीशपुरी, पोतपुरी से मोहल्ला, मझहुआ, घिरोर रोड से होते हुए अपने निर्धारित स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुआ। पूरे मार्ग पर श्रद्धालुओं और नागरिकों की भारी भीड़ रही। जगह-जगह सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय लोगों ने शर्बत और पेयजल की व्यवस्था कर जुलूस का स्वागत किया। जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रही। एसपी ग्रामीण अनुज चौधरी स्वयं पूरे समय जुलूस के साथ मौजूद रहे और पल-पल सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। उन्होंने डीजे वाहन पर ऊंचे बॉक्स हटवाकर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराया तथा पुलिस अधिकारियों और जवानों को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। एसडीएम राजेश शुक्ला, सीओ प्रेम प्रकाश पांडे, प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार पांडे सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने पूरे जुलूस मार्ग पर पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न हुआ। इस अवसर पर केपी सिंह यादव, राधेश्याम यादव, बारिस सिद्दकी , सलमान रंगरेज, रईस कुरैशी, वसीम राईन ,मुस्लिम कुरैशी,सलीम राईन , पूर्व चेयरमैन राघवेंद्र सिंह नागर सहित हिंदू और मुस्लिम समाज के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

एक्सप्रेस वे पर हुआ बड़ा हादसा, बस के चालक-हैल्पर की मृत्यु, 50 यात्री घायल

लखनऊ से चंडीगढ़ जा रही बस आगे जा रहे ट्रक में घुसी,मची चीखपुकार हादसे की जानकारी होते ही सीओ सहित कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंचा हादसे में 20 घायलों को संयुक्त चिकित्सालय और 30 को सैंफई भेजा

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

शिकोहाबाद। आगरा लखनऊ एक्स प्रेस वे पर गुरुवार की मध्य रात एक बजे के करीब नगला खंगर थाना क्षेत्र अन्तगर्त माइल स्टोन 63 के समीप एक डबल डेकर बस आगे जा रहे ट्रक में घुस गई। जिससे बस में बैठी हुई सवारियों की चीख पुकार मच गई। चालक बुरी तरह से फंस गया। हादसे के बाद मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलों को बस से निकाला और उपचार के लिए सैंफई और शिकोहाबाद अस्पताल भेज दिया। हादसे में दो लोगों की मृत्यु हो गई है, जबकि 50 लोग घायल हुए हैं। थाना नगला खंगर प्रभारी गिरीश चंद्र ने बताया कि मध्य रात एक बजे नगला खंगार क्षेत्र के अंतर्गत माइल स्टोन 63 पर लखनऊ से करीब 55 सवारियों को लेकर चंडीगढ़ जा रही स्लीपर बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस को चालक गुरी निवासी पारसो पंजाब चला रहा था। ओवर स्पीड में आगे जा रहे ट्रक जो कानपुर से लोहे के रोल लोड कर जयपुर जा रहा था। ट्रक को चालक जीतू पुत्र अजारी निवासी गंदेर थाना पंडेर जिला भीलवाड़ा राजस्थान चला रहा था। बस उसमें पीछे से तेजी रफ्तार से घुस गई। जिससे बस में बैठी 55 सवारियों में से करीब 50 सवारियां घायल हो गई है। सभी घायलों को एंबुलेंसों के द्वारा पीजीआई सैफई और 20 घायलो को सीएससी शिकोहाबाद भेजा गया। उन्होंने बताया कि बस का चालक बस व टेलर के बीच में फंस गया था। जिसका नाम गुरी है उसे कड़ी मशक्कत के बाद निकाला जा सका। मृतकों में बस का हेल्पर दलजीत सिंह पुत्र अमर सिंह निवासी गांव मुझाफत बेला रूपनगर पंजाब परिचालक है और चालक गुरवीर उर्फ गुरी पुत्र अजीब सिंह निवासी भादुसों जिला पटियाला पंजाब हैं। घायलों में मंजू (60) पत्नी विजय कुमार निवासी जालंधर पंजाब, विजय कुमार (61) पुत्र लक्ष्मन, लक्ष्मी पांडे (34), अर्श (07), अरीब अहमद (28), शाहिद रहमान (31), रिंकू (37), रमन दीप सिंह (32), विपिन यादव (35), प्रधुमन गुप्ता (23), मंदीप कुमार (51), पुनीत मुंडा (20), शिव शंकर (28), चंद्रमा (32), हरेराम कुमार (31), धर्मेन्द्र कुमार (32), मंगल मुंडा, (19),धंसीराम मुंडा (28), सरोज मुंडा (28), सरोज (26), शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 32 लोगों को सैंफई भेजा गया है। जिसमें से दो की मृत्यु हो गई है।

धनगर समाज के अनुसूचित जाति के प्रमाण पत्र जारी नहीं हुए तो समाज करेगा प्रदर्शन -भंवर सिंह।

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। धनगर महासभा द्वारा एक महापंचायत ग्राम पंचायत गढ़ शेखपुर मोहम्मदी में हुई में महापंचायत को संबोधित करते हुए धनगर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष व मानव अधिकार सर्वेक्षण के जिला अध्यक्ष भंवर सिंह धनगर एडवोकेट ने कहा कि धनगर अनुसूचित जाति के प्रमाण पत्र जारी करने के आदेश मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 24 जनवरी 2019 को कर दिए हैं लेकिन तहसीलों में जिले में शासनादेश की अनुपालन नहीं किया जा रहा है प्रमाण पत्र जारी नहीं किए जा रहे हैं और आवेदनों को खारिज किया जा रहा है जिससे समाज में काफी आक्रोश है। यदि चुनाव पूर्व प्रमाण पत्र जारी नहीं किए गए तो धनगर समाज का शासनादेश आधार में लटक जाएगा महापंचायत में उपस्थित महिला पुरुषों ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा एत्मादपुर की तर्ज पर टूंडला में भी लगनी चाहिए क्योंकि टूंडला मैं प्रतिमा 2022 में प्रशासन द्वारा हटा दी गई है जिससे धनगर समाज और लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के वंशजका अपमान हुआ है महापंचायत में संबोधित करते हुए लक्ष्मण सिंह धनगर ने कहा कोई भी किसी भी दल का प्रत्याशी यदि चुनाव पूर्व वोट मांगने गांव मेंआता है। तो उसे धनगर प्रमाण पत्र बनाने के लिए अगुवाई करनी होगी यदि कोई प्रत्याशी धनगर प्रमाण पत्रके बारे में नहीं बोलेगा तो धनगर समाज किसी का साथ नहीं देगा पंचायत में उपस्थित महिला पुरुषों यूथ ब्रिगेड समाज में व्याप्त कुरीति दहेज मृत्यु भोज बाल विवाह नशाबंदी जुआ बंदी धूम्रपान और आपस में मतभेदों को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया और समाज में कहा कि धनगर समाज 29 जून को जिलाधिकारी फिरोजाबाद को धनगर जाति प्रमाण पर जारी के लिए ज्ञापन देकर प्रमाण पत्र बनाए जाने की मांग करेगा और यदि फिर भी प्रमाण पत्र नहीं बनाए तो समाज प्रतिनिधियों मुख्यमंत्री से मांग करेगा महापंचायत में होरीलाल भोला सिंह धनगर रमेश धनगर डोरी लाल धनगर ज्योति धनग रतनु धनगर आरती धनगर परी धनगर पूजा धनगर श्रीमती मीना देवी धनगर संगीता देवी धनगर शशि धनगर वीर धनगर आराध्या धनगर अंजलि धनगर रश्मि देवी धनगर संजना धनगर हरिकिशन धनगर चरण सिंह धनगर अध्यापक ओमकार धनगर बनवारी लाल धनगर योगेंद्र धनगर राजीव धनगर आदि लोग भाग लिया और शासन प्रशासन से शासनादेश के तहत प्रमाण पत्रको जारी किए जाने की मांग की यदि जारी नहीं किया तो समाज धरना प्रदर्शन करेगा।

चेकिंग में युवक के पास मिला अवैध चाकू, पुलिस ने भेजा जेल।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मक्खनपुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिलेभर में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मक्खनपुर पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने कुलदीप पुत्र घनश्याम, निवासी उधनी, थाना मटसैना को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक अवैध चाकू बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर थाना मक्खनपुर में आरोपी के खिलाफ मु.अ.सं. 191/2026 के तहत धारा 4/25 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी।

कोताना में सुधा तोमर को गांव का समर्थन, रालोद महासचिव राजेंद्र शर्मा ने दिया आशीर्वाद

जिला पंचायत वार्ड 10 से भावी प्रत्याशी सुधा तोमर की बैठक में सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद; ग्रामीणों ने अनुज तोमर को चुनाव लड़ने के लिए किया प्रेरित

समाज जागरण

बड़ौत। तहसील क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य वार्ड नंबर 10 से भावी प्रत्याशी सुधा तोमर धर्मपत्नी वरिष्ठ समाजसेवी अनुज तोमर ने राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व विधायक राजेंद्र शर्मा से आशीर्वाद लेकर गुरुवार को गांव कोताना में बैठक को संबोधित किया। बैठक में गांव के सम्मानित लोगों ने वरिष्ठ समाजसेवी अनुज तोमर मलकपुर को जिला पंचायत चुनाव के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया और सुधा तोमर-अनुज तोमर को भारी जीत का भरोसा दिलाया। पूर्व विधायक राजेंद्र शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल हमेशा किसानों, मजदूरों, गरीबों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलता है और किसानों के हित में कार्य करता आया है। उन्होंने सभी लोगों को राष्ट्रीय लोकदल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर सैकड़ों की ताद में राष्ट्रीय लोकदल कार्यकर्ता अनुज तोमर के साथ मौजूद रहे।

बड़ौत की खत्री गढ़ी में कोचिंग-लाइब्रेरी सील, हजारों छात्रों की पढ़ाई रुकी, शिक्षकों में आक्रोश

डीएम अस्मिता लाल के निर्देश पर लखनऊ अग्निकांड बाद कार्रवाई; १०० मीटर दायरे में दर्जनों सेंटर बंद, ठुकराई गुट के शिक्षकों ने खोले जाने की मांग की

समाज जागरण बड़ौत।

चल रहे दर्जनों कोचिंग-लाइब्रेरी सेंटर सीज कर दिए गए। शहर की दर्जनों गलियों में 200 मीटर के दायरे में कई दर्जन सेंटर चल रहे थे और लगातार छापेमारी से दुकानदारों में भी भय का माहौल था।

बड़ौत। नगर की खत्री गढ़ी में जिलाधिकारी बागपत अस्मिता लाल के निर्देश पर कोचिंग सेंटरों व लाइब्रेरी पर सील की पर्ची लगने के बाद वहां की गली सुनसान पड़ी है। कभी हजारों छात्रों की आवाजाही वाली इस गली में लखनऊ-अलीगंज अग्निकांड के बाद बिना मानक के सील लगने से रेलवे, उअढक्षसमेत कई भर्तियों की तैयारी कर रहे हजारों छात्रों की पढ़ाई रुक गई है और परीक्षा नजदीक होने से वे परेशान हैं। कोचिंग बंद होने से शिक्षकों में भी आक्रोश है। इस मुद्दे को लेकर महात्मा गांधी इंटर कॉलेज में ठुकराई गुट के शिक्षकों की अहम बैठक हुई, जिसमें शिक्षक नेता उमेश चंद, रमेश चौधरी, मास्टर सुखपाल सिंह,

मास्टर दिनेश कुमार, विनोद कुमार आदि ने कोचिंग सेंटर दोबारा खोले जाने की मांग करते हुए कहा कि शिक्षा व शिक्षक विरोधी नीतियां बर्दाश्त नहीं होंगी।

नितिन चौहान बने जर्नलिस्ट एसोसिएशन पश्चिमांचल के बागपत जिलाध्यक्ष, पत्रकारों के हित में काम करने का संकल्प

प्रदेश अध्यक्ष नरेश भारद्वाज ने सिसाना गांव के नितिन को सौंपी जिम्मेदारी ; 15 दिन में जिला कार्यकारिणी गठन के दिए निर्देश, नितिन बोले - एकता और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

समाज जागरण बागपत।

बागपत। जर्नलिस्ट एसोसिएशन पश्चिमांचल के प्रदेश अध्यक्ष नरेश भारद्वाज ने सिसाना गांव के वरिष्ठ पत्रकार नितिन चौहान को एसोसिएशन का बागपत का जिला ध्यक्ष मनोनीत किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष नितिन चौहान को पत्र सौंपते हुए 15 दिन के भीतर जिला कार्यकारिणी का गठन कर सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों के हितों की रक्षा, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना और पत्रकारिता के मान-सम्मान को बढ़ाना है।मनोनयन के बाद नितिन चौहान ने पत्रकारों और क्षेत्रवासियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जर्नलिस्ट एसोसिएशन पश्चिमांचल का उद्देश्य जिले के सभी पत्रकारों को एक मंच पर लाकर

उनकी एकता को मजबूत करना है। पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और उनके पेशेवर अधिकारों के लिए संगठन हर स्तर पर आवाज उठाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि फील्ड में काम करने वाले पत्रकारों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुना जाएगा और प्रशासन से संवाद कर उनका समाधान कराया जाएगा। नितिन ने कहा कि आने वाले समय में पत्रकार कल्याण, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं पर भी काम किया जाएगा ताकि पत्रकारिता को और सशक्त बनाया जा सके।

प्रदेश अध्यक्ष नरेश भारद्वाज ने नितिन चौहान के अनुभव और पत्रकारिता के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि बागपत में संगठन को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने सभी पत्रकारों से अपील की कि वे एसोसिएशन से जुड़कर पत्रकार हित के इस अभियान को आगे बढ़ाएं।

भारत ने बिश्केक में आयोजित एससीओ विमेन्स फोरम 2026 में महिला-नेतृत्व वाले विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री, श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने आज किर्गिज गणराज्य के बिश्केक में आयोजित एससीओ विमेन्स फोरम 2026 को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) तथा उसके पारस्परिक सम्मान, समानता और सर्वसम्मति के सिद्धांतों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुनर्पुष्टि की और साझेदारी को सुदृढ़ करने तथा संगठन के साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। आर्थिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर आयोजित पैनल सत्र में भारत का उद्घाटन वक्तव्य और प्रारंभिक टिप्पणी प्रस्तुत करते हुए मंत्री महोदया ने इस बात पर बल दिया कि महिलाएं केवल विकास की लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि उसकी सबसे सशक्त प्रेरक शक्तियों में से एक हैं। यही महिला-नेतृत्व वाले विकास के संबंध में भारत की परिकल्पना और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य का मूल आधार है। मंत्री महोदया ने उल्लेख किया कि लगभग 10 करोड़ महिलाएं 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई हैं, जिनमें से 30 लाख

से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने मिशन शक्ति और मिशन पोषण 2.0 को महिलाओं की सुरक्षा, देखभाल तथा आर्थिक भागीदारी को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख स्तंभों के रूप में रेखांकित किया। भारत ने पूरे क्षेत्र में महिलाओं के आर्थिक नेतृत्व और कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए एससीओ के साझेदार देशों के साथ अपने अनुभव साझा करने तथा सहयोग को और सुदृढ़ करने की अपनी तत्परता भी दोहराई।

भारत विकास धारियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

भारत विकास परिषद एक गैर राजनीतिक , बुद्धिजीवियों एवं समृद्धशाली लोगों का संगठन है : अशोक कुमार शर्मा

दैनिक समाज जागरण,
जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)

बहल । भारत विकास परिषद शाखा , बहल के दायित्व धारियो का शपथ ग्रहण समारोह प्रांतीय अध्यक्ष हरियाणा पश्चिम श्री राजेश गुप्ता , प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री अशोक कुमार शर्मा , जिला समन्वयक श्री अनिल कुमार तायल जी एवं जिला सह समन्वयक राजवीर कौशिक जी के जी के मार्गदर्शन एवं सानिध्य में उनके द्वारा समस्त दायित्व धारियों को शपथ ग्रहण कराकर संपन्न हुआ । सर्व सम्मति से श्री अमरजीत चौधरी, शाखा अध्यक्ष , श्री राकेश बंसल , शाखा सचिव एवं श्री कुलदीप गोयल शाखा वित्त सचिव का चयन किया गया । कार्यक्रम का का शुभारंभ भारत माता एवं विवेकानंद के चित्रों के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित करके किया गया तथा भारत विकास परिषद की प्रथानुसार वंदे मातरम का गायन के बाद आरंभ किया गया ।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि पूरे प्रदेश में विभिन्न गतिविधियों के द्वारा परिषद आमजन की सेवा कर रही है । भारत विकास परिषद एक गैर राजनीतिक , बुद्धिजीवियों एवं समृद्धशाली लोगों का संगठन है । परिषद द्वारा बड़े-बड़े चिकित्सालय स्वास्थ्य जांच प्रयोगशालाएं , दिव्यांग कृत्रिम अंग वितरण केंद्र आदि जनहित में चलाए जा रहे हैं । उन्होंने बताया कि परिषद के सदस्य इन सेवा कार्यों को निस्वार्थ भाव से करते हैं

। प्रांतीय अध्यक्ष श्री राजेश गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा की परिषद बहुत ही वृहत रूप से सेवा कार्यों को विभिन्न योजनाओं द्वारा अंतिम से अंतिम छोर तक जरूरतमंदों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कार्य कर रही है । उन्होंने बताया कि परिषद का उद्देश्य नागरिकों में भारतीय वैदिक संस्कृति को जागृत करना एवं देश प्रेम को पैदा करना है । उन्होंने परिषद के कार्यक्रमों को करने की सही दिशा बताते हुए विभिन्न विधियों पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न अवसर पर विशेष प्रोटोकॉल अपनाने पर भी बल दिया ।राकेश बंसल ने की शाखा बहल के द्वारा विभिन्न प्रकार के सेवा कार्य जैसे स्वास्थ्य जांच शिविर , रक्त दान शिविर कृत्रिम अंग वितरण शिविर , बाल संस्कार शिविर गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम तथा विभिन्न भारतीय त्योहारों को वैदिक संस्कृति के अनुसार मनाने पर जोर देती है एवं महिलाओं के तीज महोत्सव जैसे कार्यक्रमों में बढ़ चढ़ कर भाग लेने के विषय में प्रकाश डाला । । पू० प्रांतीय संयोजक भारत विकास परिषद , हरियाणा ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया । श्री अमर जीत चौधरी ने समस्त आगंतुकों का इस कार्यक्रम में पधारने पर हृदय से आभार जताया एवं धन्यवाद दिया ।कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान के साथ संपन्न हुआ ।

इस अवसर पर डॉ० वीरेंद्र श्योराण , डॉ० सुनील भांभू , महेंद्र साबू , दीपक चौधरी , प्रकल्प प्रमुख सुशील केड़िया, प्रिंसिपल अभय सिंह यादव , संजय गर्ग चेहरड़ीया , संजय मित्तल , उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव आदि विशेष रूप से उपस्थिति रहे ।

बच्चों को स्कूल भेजने के लिये जागरूक कर रहे अशोक अंतिल

समाज जागरण बागपत।

प्राथमिक विद्यालय कोताना-1 के प्रधानाध्यापक अशोक अंतिल स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर बच्चों से और उनके अभिभावकों से संपर्क कर रहे हैं। उनके द्वारा 6 से 14 आयु वर्ग के बच्चों के नामांकन के

लिए उन्हें स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि कक्षा 5 पास बच्चों को कक्षा 6 में अनिवार्य रूप से सभी अभिभावक नजदीकी विद्यालय में प्रवेश दिलाए, जिससे उनकी आगे की पढ़ाई जारी रहे। उन्होंने बच्चों को और अभिभावकों को शिक्षा के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने संदेश दिया कि शिक्षा जीवन का वह सफर है, जिसमें कठिनाइयां और चुनौतियां जरूर है। बच्चे मेहनत करें, परिश्रम करें तभी उनका जीवन सफल होगा।

धूमधाम के साथ मनाया गया नर्मदेश्वर महादेव मंदिर का वार्षिकोत्सव

समाज जागरण बागपत।

बड़ौत नगर के श्री नर्मदेश्वर महादेव शिव मंदिर का 12 वा वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह के समय भगवान शिव का रुद्राभिषेक एवं श्रृंगार शिव मंदिर के मुख्य सेवक आचार्य उमेश कौशिक एवं शिवम शास्त्री के द्वारा विधि-विधान के साथ संपन्न किया गया। उसके पश्चात

सुंदरकांड समिति के द्वारा सुंदरकांड पाठ एवं सुंदर-सुंदर कीर्तनों का आनंद सभी भक्तों ने लिया। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आचार्य उमेश कौशिक ने बताया कि नर्मदेश्वर महादेव बाबा के दरबार में जो भी भक्त जैसी भी मनोकामना लेकर के आता है तो प्रभु उसकी वैसे ही मनोकामना पूर्ण करते हैं। भोले बाबा अक्षर चमत्कार करते रहते हैं। इस शुभ अवसर पर आदेश गोयल श्रवण गोयल रमन गोयल नमन गोयल राजेंद्र आत्रेय अरविंद तोमर रामकुमार शर्मा डॉ दीपक गौतम सचिन गर्ग आचार्य प्रवीण पुलस्त्य संगीता गोयल बबीता शर्मा सुधा शर्मा प्राची गोयल मेघाली गोयल रेखा आरती आचार्य डॉ फोनू सचिन गुप्ता दीपांशु वर्मा समेत हजारों की संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

मादक पदार्थों से दूर रहने के लिए 11 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस

: बंसीलाल पार्क से नशा मुक्ति नुक्कड़ संदेश अभियान का आगाज : सूखे नशे का भी बढ़ रहा है प्रचलन, जिससे युवाओं को बचाना जरूरी : अशोक भारद्वाज

दैनिक समाज जागरण,
जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी, 26 जून। अंतर्राष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस के अवसर पर युवाओं एवं आमजन को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से जागरूक करने के उद्देश्य से माय युवा भारत, भिवानी , संबंधित युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृति सेवा समिति एवं सदाचार शिक्षा समिति द्वारा स्थानीय पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल पार्क से नुक्कड संदेश के साथ 11 दिवसीय जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया जाएगा। 11 दिवसीय यह विशेष अभियान महंत वेदनाथ महाराज, महंत चरण दास महाराज, श्री महंत डॉक्टर चौधरी महाराज , महामंडलेश्वर साध्वी करुणागिरी महाराज के सानिध्य में रहेगा। समय समय पर इस जनसंदेश कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पीसीसी एआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया,, वर्धमान ज्वैलर्स से एमडी सचिन जैन , समाजसेवी लक्ष्मण गौड़ , विवेकानंद हाई स्कूल निदेशक सावित्री यादव, समाजसेवी अमित गोयल मंडी, समाजसेवी विजेंद्र यादव, सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति

व युवा मंडलों और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि रहेंगे।

इस अवसर पर भारत सरकार से राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस प्रत्येक वर्ष 26 जून को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी से होने वाले गंभीर सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर 1987 को एक प्रस्ताव पारित कर 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश में नशे की समस्या चिंताजनक रूप ले रही है। विशेष रूप से युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए समाज, परिवार, शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए समिति द्वारा 11 दिनों तक विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम, जनसंदेश अभियान एवं प्रेरक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग हर प्रकार के नशे से दूर रहने का संकल्प लें। अभियान के दौरान हर घर हरियाली थीम-2026 की ब्रांड एंबेसडर आरोही भारद्वाज एवं नव्या भारद्वाज भी अपनी कला, चित्रकला और रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों, युवाओं और आम नागरिकों को नशा मुक्त जीवन अपनाने का संदेश दे रही हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेते हुए कहा कि स्वस्थ, जागरूक और सकारात्मक सोच वाला युवा ही देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। आयोजकों ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार व समाज को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। इस ओमप्रकाश, राजकुमार, मनफूल, बाबूलाल, कृष्ण, पवन शर्मा, जयसिंह सैनी, आजाद सैनी, धर्मपाल, सुभाष, विकास ने कहा कि नशा जहर है और इस जहर से युवाओ बचाने की यह अनूठी पहल है। इस पहल में हर वर्ग को आगे आना चाहिए।

उद्यम से सशक्तिकरण तक: एमएसएमई की कहानी

बदलती अर्थव्यवस्था में विकास का इंजन

शिल्प-कर्मियों और ग्रामीण उद्यमों से लेकर नवोन्मेषी निर्माणकताओं तक, एमएसएमई भारत की विकास कहानी को आगे बढ़ाते रहे हैं। अपने सतत सुधारों, डिजिटलीकरण और लक्षित समर्थन के माध्यम से, लाखों उद्यमों को वित्त, प्रौद्योगिकी, कौशल और बाजारों तक बेहतर पहुँच मिल रही है। रोजगार, विनिर्माण और निर्यात में इस क्षेत्र का बढ़ता योगदान इसकी बढ़ती महत्ता को रेखांकित करता है। जैसे-जैसे भारत विकासित भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है, यह क्षेत्र रोजगार, उद्यमिता और सतत आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है ।

भारत के एमएसएमई : समावेशी आर्थिक विकास का बल

संयुक्त राष्ट्र ने 27 जून को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) दिवस नियत किया है। यह आयोजन एमएसएमई के उन महत्वपूर्ण योगदानों के प्रति जागरूकता बढ़ाता है जो संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को हासिल करने में सहायक हैं।

आर्थिक विकास के प्रमुख प्रचालक के रूप में, एमएसएमई लचीली और समावेशी अर्थव्यवस्थाएँ बनाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, एमएसएमई दिवस 2026 का विषय है – नवाचार और सतत औद्योगिक विकास के माध्यम से एमएसएमई का सशक्तिकरण।

भारत के हर कोने में उद्यम विभिन्न रूप लेते हैं। यह एक बुनकर हो सकता है जो पीढ़ियों पुरानी कारीगरी को बचा रहा है, एक छोटा निमार्ता जो वैश्विक बाजारों को सेवा दे रहा है, एक महिला उद्यमी जो अपना व्यवसाय बना रही है, या एक युवा नवप्रवर्तनकारी जो स्टार्टअप खड़ा कर रहा है। आकार और क्षेत्र में विविध होते हुए भी, ये करोड़ों उद्यम भारत की एमएसएमई पारिस्थितिकी का आधार हैं। आज एमएसएमई केवल व्यापार उद्यम नहीं रहे। वे रोजगार, नवाचार और समावेशी विकास के इंजन हैं, जो ग्रामीणऔर शहरी दोनों क्षेत्रों में अवसर पैदा कर रहे हैं। औपचारिकीकरण, डिजिटल परिवर्तन और सतत नीतिगत हस्तक्षेपों से संचालित, यह क्षेत्र लगातार विस्तारित हो रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत और विकासित भारत 2047 के विजन को सशक्त करते हुए अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। उद्यम से सशक्तिकरण तक, एमएसएमई की कहानी तेजी से भारत की विकास यात्रा और रूपांतरण की कहानी बनती जा रही है। भारत ने ब्रिक्स के माध्यम से वैश्विक एमएसएमई सहयोग मजबूत किया जून 2026 में, भारत ने अपनी ब्रिक्स चैयरशिप के तहत प्रथम ब्रिक्स एमएसएमई फोरम और तीसरी एसएमइ वर्किंग ग्रुप की बैठक आयोजित की। एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र का निमार्णः वैश्विक मार्गों के लिए सतत जड़ें विषय के तहत सदस्य देशों ने एमएसएमई विकास के लिए सर्वोत्तम प्रथाएँ और नीतिगत पहल साझा कीं। चचाएँ एमएसएमई के लिए वित्त तक पहुँच, प्रौद्योगिकी अपनाने और सतत विकास को बेहतर बनाने पर केन्द्रित रहीं।

भारत का एमएसएमई परिदृश्यः पैमाना, विविधता और प्रभाव

एमएसएमई आज भारत की आर्थिक वृद्धि और औद्योगिक विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अर्थव्यवस्था में उनके विस्तारित रोल को दशार्ते हुए, सरकार ने 1 अप्रैल, 2025 से एमएसएमई की परिभाषा संशोधित की। निवेश और वार्षिक टर्नओवर पर आधारित नई परिभाषा उद्यमों को वृद्धि के लिए अधिक जगह देती है, जबकि इसके लिए नीतिगत समर्थन जारी रहता है।

क्या आप जानते हैं?

क्रेडिट असेसमेंट मॉडल (सीएएम) एक डिजिटल लोन एप्रेजल प्रणाली है जो सत्यापित डेटा का उपयोग करके एमएसएमई ऋण आवेदनों का तेज और वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन सक्षम बनाती है। 1 अप्रैल से 31 दिसंबर, 2025 के बीच, पब्लिक सेक्टर बैंकों ने एक नए डिजिटल क्रेडिट असेसमेंट सिस्टम का उपयोग करते हुए 3.96 लाख से अधिक एमएस एमई ऋण आवेदनों को अनुमोदित किया। इन अनुमोदनियों का कुल मूल्य ₹52,300 करोड़ से अधिक रहा। जनवरी 2026 के आंकड़ों के अनुसार, यह क्षेत्र लगभग 31.1% जीडीपी, 35.4% विनिर्माण उत्पादन और 48.58% निर्यात में योगदान देता है। 38.9 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देते हुए, एमएसएमई कृषि के बाद रोजगार का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत हैं। आर्थिक संकेतकों से परे, एमएसएमई देशभर में एक जीवंत उद्यमी संस्कृति का पोषण कर रहे हैं। यह क्षेत्र पहले पीढ़ी के उद्यमियों, महिला-प्रमुख उद्यमों और युवा-नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए प्रवेश द्वार बनकर उभरा है, खासकर अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में। इस परिवर्तन को सक्षम सुधारों की एक श्रृंखला द्वारा सुदृढ़ किया जा रहा है। डिजिटल क्रेडिट असेसमेंट मॉडल और SIDBI को बढ़ाया गया इक्विटी समर्थन जैसी पहलों से उनके औपचारिक वित्त तक पहुंच में विस्तार हो रहा है।

परिवर्तन के एक साल

वित्तीय वर्ष 2025-26 भारत के एमएसएमई विकास की कहानी में एक महत्वपूर्ण अध्याय रहा। इस दौरान औपचारिकीकरण, क्रेडिट पहुंच, प्रौद्योगिकी अपनाने, शिकायत निवारण और बाजार विकास के क्षेत्रों में कई उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हुईं, जिन्होंने एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया।

औपचारिकीकरण ने नई ऊँचाइयाँ छुईं

उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल और उद्यम सहायता प्लेटफॉर्म के अंतर्गत जून 2026 तक 8.7 करोड़ से अधिक पंजीकरण हो गए।

औपचारिक उद्यम आधार के विस्तार ने लाखों सूक्ष्म और छोटे व्यवसायों के लिए संस्थागत वित्त, सरकारी योजनाएँ और बाजार अवसरों तक पहुँच में सुधार किया। सामान्य औपचारिक उद्यमों का आधार लाखों छोटे और लघु उद्यमियों के लिए संस्थागत वित्त की समुचित पहुंच होने, सरकारी योजनाओं के फायदे, बाजार के अवसर से काफी बेहतर हुआ है क्रेडिट तक पहुंच का विस्तार (सीजीटीएमएसई) क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइज ने अपनी 25वीं वर्षगांठ मनाई। 1 जनवरी से 30 नवम्बर, 2025 की अवधि में 29.03 लाख गारंटी अनुमोदित की गईं, जिनकी राशि ₹3.77 लाख करोड़ थी।

क्रेडिट उपलब्धता सुधारने हेतु गारंटी कवरेज सीमा को ₹5 करोड़ से बढ़ाकर ₹10 करोड़ कर दिया गया, जिससे एमएसएमई को बड़े बिना जमानत के समर्थन का लाभ मिला।

खादी व ग्रामोद्योग व कोयर क्षेत्र ने नई ऊँचाइयाँ छुईं

खादी व ग्रामोद्योग की बिक्री वर्ष भर में ₹1.27 लाख करोड़ को पार कर गई। इस सतत वृद्धि से स्थानीय उत्पादों की बढ़ती मांग और ग्रामीण उद्यमों की बढ़ती भूमिका का संकेत मिलता है। कोयर क्षेत्र ने भी मजबूत निर्यात वृद्धि और प्रौद्योगिकी अपनाने का अनुभव किया। 2025-26 में कोयर निर्यात 6614.40 करोड़ हुए। जिम्मेवार और प्रौद्योगिकी-संचालित शासन एमएसएमई समाधान पोर्टल ने माइक्रो और छोटे उद्यमों को होने वाले विलंबित भुगतान संबंधी विवादों का निवारण करना जारी रखा। जून 2026 तक पोर्टल पर 2,56,892 आवेदन प्राप्त हुए जिनका दावा ₹55,244.29 करोड़ का था।

भीषण गर्मी में शर्बत-पेयजल सेवा बनी सहाय, समाजसेवी की पहल की सराहना

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच कस्बे में समाजसेवी अखिल राजेश्वर बंसल की ओर से शुद्ध शर्बत एवं शीतल पेयजल सेवा लगातार संचालित की जा रही है। इस सेवा का शुभारंभ जावेद जंग और पवन कंसल ने संयुक्त रूप से किया। नगरवासी, व्यापारी और राहगीर इस पहल की सराहना कर रहे हैं।नगर के प्रमुख बाजारों, व्यस्त मार्गों और मलिन बस्तियों में टैंकर के माध्यम से शीतल पेयजल और शर्बत उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में राहगीर, मजदूर और ग्रामीण इस सेवा का लाभ उठा रहे हैं। व्यवस्था के

संचालन में नगर पालिका का भी सहयोग मिल रहा है।समाजसेवी राजेश्वर बंसल ने कहा कि भीषण गर्मी में प्यासे को पानी और शर्बत पिलाना सबसे बड़ा मानवीय धर्म है। उन्होंने बताया कि गर्मी का प्रकोप समाप्त होने तक यह सेवा निरंतर जारी रहेगी, ताकि नगर में कोई भी व्यक्ति प्यासा न रहे।इस दौरान मेहरचंद सिंघल, शरद मित्तल, रोहित गुप्ता, अमन मित्तल, राजेंद्र आचार्य, अरविंद कंसल, डॉ. विक्रम सैनी सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी मौजूद रहे।

50 हजार का इनामी बदमाश महताब पुलिस मुठभेड़ में ढेर

--लूट के बाद घेराबंदी, जवाबी फायरिंग में मारा गया हिस्ट्रीशीटर; दारोगा भी गोली लगने से घायल

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

शामली में लूट की वारदात के कुछ ही घंटों बाद थाना आदर्शमंडी और कांधला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 50 हजार रुपये का इनामी अंतरराज्यीय हिस्ट्रीशीटर बदमाश महताब उर्फ बेचैन पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। मुठभेड़ के दौरान थाना आदर्शमंडी में तैनात उपनिरीक्षक दीपचंद भी गोली लगने से घायल हो गए, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। वहीं, महताब का एक साथी खेतों का फायदा उठाकर फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस कॉम्बिंग अभियान चला रही है।एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे थाना आदर्शमंडी क्षेत्र के जलालपुर कट के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने

हाथी करौदा निवासी नरेंद्र और उनके भाई नरेशपाल से हथियार के बल पर मोबाइल, नकदी और बाइक की चाबी लूट ली। विरोध करने पर बदमाशों ने फायरिंग कर जानलेवा हमला किया और फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर थाना आदर्शमंडी में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने तत्काल बदमाशों की तलाश शुरू कर दी।अभियान के दौरान थाना कांधला क्षेत्र स्थित खन्द्रावली पुलिया के पास एक ट्यूबवेल पर पुलिस का बदमाशों से आमना-सामना हो गया। पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में आत्मरक्षा में पुलिस ने भी गोली चलाई। मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश महताब गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उपनिरीक्षक दीपचंद भी गोली से जख्मी हो गए।

दोनों को जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने महताब को मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने मौके से लूटा गया मोबाइल फोन, नकदी, बाइक की चाबी, बिना नंबर प्लेट की हीरो होंडा मोटरसाइकिल, एक 9 एमएम पिस्टल, एक कार्बाइन, भारी मात्रा में जिंदा कारतूस तथा खोखा कारतूस बरामद किए हैं।

कैराना थाने का हिस्ट्रीशीटर था मारा गया बदमाश

पुलिस के मुताबिक महताब थाना कैराना का हिस्ट्रीशीटर था और उस पर शामली, सहारनपुर तथा हरियाणा के पानीपत सहित विभिन्न जनपदों में हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी, गैंगस्टर और आर्म्स एक्ट समेत 47 आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। उस पर पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र की ओर से 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

26 साल पूर्व अपराध की दुनिया में रखा था कदम

पुलिस का कहना है कि महताब लंबे समय से संगठित अपराध में सक्रिय था। वर्ष 2000 में उसने अपराध की दुनिया में पहला कदम रखा था और 12 वर्षीय किशोर की हत्या कर दी थी. वर्ष 2013 से 2017 के बीच उसने शामली के कई व्यापारियों से रंगदारी भी मांगी थी, जिससे व्यापारियों और आम लोगों में भय का माहौल बना रहता था। फिलहाल फरार साथी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

रवि सिंह का हुआ भव्य सम्मान, U.P के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दी एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि

ब्यूरो चीफ विजय कुमार
अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र। विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन करने वाले सोनभद्र के होनहार खिलाड़ी रवि सिंह की ऐतिहासिक उपलब्धि पर समाजवादी पार्टी कार्यालय राबर्ट्सगंज में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में समाजवादी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रवि गोंड बड़कू जी द्वारा रवि सिंह को सम्मानित किया गया।

रवि सिंह ने यूरोप के देश रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में आयोजित 8वीं वर्ल्ड क्वान की डो चैंपियनशिप 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और रजत पदक जीतकर देश, उत्तर प्रदेश एवं सोनभद्र जिले का गौरव बढ़ाया। इस विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में 37 देशों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था। रवि सिंह उत्तर प्रदेश के पहले ऐसे क्वान की डो खिलाड़ी बने हैं, जिन्होंने विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर यह गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इससे पूर्व भी उन्होंने ताइक्वांडो में थाईलैंड में

ब्रॉन्ज मेडल तथा नेपाल में गोल्ड मेडल जीतकर देश का मान बढ़ाया है सम्मान समारोह के दौरान रवि सिंह को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री माननीय अखिलेश यादव की ओर से खेल क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन स्वरूप एक लाख रुपये की धनराशि का चेक प्रदान किया गया। यह चेक समाजवादी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रवि गोंड बड़कू, सोनभद्र के जिलाध्यक्ष रामनिहोर यादव, पूर्व विधायक राबर्ट्सगंज अविनाश कुशवाहा जी, घोरावल के पूर्व विधायक रमेश दुबे सहित कई वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति में भेंट किया गया। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष संजय यादव, विजय यादव, श्याम बिहारी यादव, परमेश्वर यादव, विजय शंकर जायसवाल, जिला महासचिव सईद कुरैशी, पवन पटेल, सूर्यकांत द्विवेदी, रेणुकूट नगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में समाजवादी परिवार के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर रवि सिंह को माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। रवि सिंह ने इस सम्मान के लिए माननीय अखिलेश यादव जी का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रोत्साहन उन्हें आगे भी देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देगा। रवि सिंह की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

जेल में बंद दुष्कर्म के आरोपी की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया मारपीट का आरोप

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा कुर्तान निवासी एक युवक की मुजफ्फरनगर जिला कारागार में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने जेल प्रशासन पर युवक के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा कुर्तान निवासी आदिल का विवाह कांधला कस्बे की एक युवती से हुआ था। चार मई को वह अपनी नाबालिग साली को साथ लेकर चला गया था। काफी तलाश के बाद भी दोनों का पता नहीं चलने पर युवती के परिजनों ने उसके खिलाफ नाबालिग को भगाने का मुकदमा दर्ज कराया था।बाद में

पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया। मेडिकल परीक्षण में दुष्कर्म की पुष्टि होने पर मुकदमे में पॉक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराएं बढ़ा दी गई थीं। मामले में आरोपी आदिल ने 20 जून को कैराना न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था, जिसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में मुजफ्फरनगर जिला कारागार भेज दिया गया था।शुक्रवार को जेल में उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिजन जिला कारागार पहुंच गए और जेल प्रशासन पर मारपीट का आरोप लगाया। वहीं पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

शराब के नशे में हंगामा, दो भाइयों में मारपीट, एक घायल

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के गांव डुंडुखेड़ा में शराब के नशे में हंगामा कर रहे युवक को समझाना उसके भाई को भारी पड़ गया। कहासुनी के बाद दोनों भाइयों के बीच मारपीट हो गई, जिसमें एक युवक के सिर में ईंट लगने से वह घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों भाइयों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। गांव निवासी अंकुश शुक्रवार को पानीपत से अपने घर आया था। आरोप है कि दोपहर में शराब पीने के बाद वह घर में हंगामा करने लगा। पहले उसकी मां ने उसे शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना। इसी दौरान उसका भाई विकास भी घर पहुंच गया। विकास ने भी अंकुश को समझाने की कोशिश की, लेकिन बात बढ़ गई और दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई।आरोप है कि मारपीट के दौरान विकास ने अंकुश के सिर पर ईंट मार दी, जिससे वह घायल हो गया। वहीं, झगड़े में विकास को भी चोटें आईं। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोगों ने डायल-112 पुलिस को सूचना दी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों भाइयों को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। थाना प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि दो भाइयों के बीच मारपीट की सूचना मिली थी। दोनों को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

घर में घुसकर सात हजार की नकदी चोरी करते युवक को लोगों ने दबोचा

समाज जागरण कांधला।

कस्बे के मोहल्ला मिर्दगान में घर में घुसकर नकदी चोरी करने का प्रयास कर रहे एक युवक को लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। कस्बे के मोहल्ला मिर्दगान निवासी अकरम ने बताया कि वह घर में चारपाई पर लेटा हुआ था। इसी दौरान उसे आहट सुनाई दी। आरोप है कि एक युवक घर में घुसकर करीब सात हजार रुपये की नकदी लेकर बाहर निकलने का प्रयास कर रहा था। अकरम ने शोर मचा दिया, जिस पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और युवक को पकड़ लिया।इसके बाद लोगों ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को अपनी हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मोहसिन निवासी मोहल्ला मुस्तफाबाद, कांधला बताया।पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और तहरीर के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ईंट भट्ठे के लाइसेंस निरस्तीकरण की मांग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से शिकायत

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के कस्बा एलम के निवासियों ने क्षेत्रीय अधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मुजफ्फरनगर को शिकायत पत्र भेजकर एलम स्थित मैसर्स अश्वनी पंवार ब्रिक फील्ड के लाइसेंस को निरस्त करने की मांग की है। परिवार को थाना क्षेत्र के कस्बा एलम निवासी, जगपाल, यशवीर सिंह,नागेंद्र, वीरेंद्र,सुदेश देवी सहित आदि का आरोप है कि ईंट भट्ठा उत्तर प्रदेश शासन एवं पर्यावरण संबंधी निर्धारित मानकों का उल्लंघन करते हुए संचालित किया जा रहा है।शिकायत में कहा गया है कि शासनादेश एवं निर्धारित नियमों के अनुसार कोई भी ईंट भट्ठा नगर पालिका, नगर परिषद या नगर पंचायत की सीमा से निर्धारित दूरी पर स्थापित होना चाहिए। आरोप है कि संबंधित भट्ठा नगर पंचायत एलम से करीब 1.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है।शिकायतकताओं का कहना है कि भट्ठे से निकलने वाले धुएं, प्रदूषण से क्षेत्र की बड़ी आबादी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। उन्होंने आरोप लगाया कि नियमों की अनदेखी कर भट्ठे को अनुमति दी गई, जबकि यह मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से नियमों के विपरीत संचालित बताए जा रहे ईंट भट्ठे का लाइसेंस निरस्त करने तथा संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की गई है।

व्यापार करने में सुगमता को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एफएसएसएआई से लाइसेंस लेने और पंजीकरण के नियमों में संशोधनों को अधिसूचित किया

खाद्य सुरक्षा के महत्वपूर्ण उपायों को बनाए रखते हुए, गैर-मेन्युफेक्चरिंग खाद्य व्यवसायों के लिए रिकॉर्ड रखने और एफआईएफओ/ एफई एफओ स्टॉक रोटेशन की आवश यकताओं को तर्कसंगत बनाया गया एक पारदर्शी, कुशल और व्यापार-अनुकूल नियामक तंत्र को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य व्यवसायों का लाइसेंस और पंजीकरण) नियम, 2011 में संशोधनों की सूचना जारी की है।

खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य व्यवसायों का लाइसेंस और पंजीकरण) संशोधन नियम, 2026 के माध्यम से अधिसूचित इन संशोधनों का उद्देश्य खाद्य व्यवसायों के लिए अनुपालन आवश्यकताओं को आसान बनाना है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना है कि जहाँ जरूरी हो, वहां आवश्यक खाद्य सुरक्षा और खाद्य पदार्थ के स्रोत का पता लगाने से जुड़े जरूरी उपाय लागू हों। मौजूदा नियामक ढांचे के तहत, सभी लाइसेंस प्राप्त खाद्य व्यवसायों के लिए रिकॉर्ड बनाए रखना और 'फर्स्ट इन फर्स्ट आउट' (एफ आईएफओ - जो पहले आए, वो पहले इस्तेमाल हो) या 'फर्स्ट एक्सपायरी फर्स्ट आउट' (एफ ईएफओ - जिसकी एक्सपायरी पहले हो, वो पहले इस्तेमाल हो) के सिद्धांतों के आधार पर स्टॉक रोटेशन प्रथाओं का पालन करना अनिवार्य था। इस संशोधन के बाद, ये आवश्यकताएं अब केवल खाद्य मैन्युफैक्चरिंग व्यवसायों पर ही लागू होंगी, जहाँ खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता आश्वासन और खाद्य पदार्थ के स्रोत का पता लगाना सुनिश्चित करने के लिए ऐसे नियंत्रण बेहद महत्वपूर्ण हैं। खुदरा विक्रेताओं और दूसरी संस्थाओं सहित गैर-मैन्युफैक्चरिंग खाद्य व्यवसायों को इन आवश्य कताओं से छूट दे दी गई है। इस कदम से खाद्य व्यवसाय चलाने वालों, खासकर छोटे और मंझोले उद्योगों पर अनुपालन का बोझ काफी कम होने की उम्मीद है, जबकि उन क्षेत्रों में मजबूत खाद्य सुरक्षा निगरानी बनी रहेगी जहाँ ऐसे नियंत्रण आवश्यक हैं।यह संशोधन मंत्रालय के नियामक सुधारों के उस व्यापक एजेंडे का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य व्यापार करने में सुगमता में सुधार करना और खाद्य क्षेत्र में जोखिम-आधारित, परिणाम-उन्मुख नियमन को बढ़ावा देना है। पिछले कुछ वर्षों में, खाद्य व्यवसाय संचालकों के लिए अनुपालन को सरल बनाने के लिए कई उपाय शुरू किए गए हैं, जिनमें स्थायी लाइसेंस और पंजीकरण का प्रावधान, टर्नओवर सीमाओं में संशोधन, स्ट्रीट फूड वेंडरों के लिए दोहरे अनुपालन की आवश्यकताओं को हटाना और जोखिम-आधारित निरीक्षण प्रणाली लागू करना शामिल है। इन सुधारों को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ-साथ खाद्य व्यवसाय तंत्र के सभी हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया है। ये संशोधन नीति आयोग द्वारा गठित 'गैर-वित्तीय नियामक सुधारों पर उच्च स्तरीय समिति' की सिफारिशों के भी अनुरूप हैं, जिसने प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के साथ-साथ अनावश्यक नियामक बोझ को कम करने की जरूरत पर बल दिया था।

मंत्रालय विज्ञान-आधारित नियमों, हितधारकों के साथ विचार-विमर्श और नियमों को सरल बनाने के उपायों के जरिए भारत के खाद्य सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में जन विश्वास कानून के सुधार लागू किये; औषधि, प्रसाधन सामग्री और खाद्य सुरक्षा कानूनों के अंतर्गत मामूली अपराधों की तर्कसंगत व्याख्या की

जन स्वास्थ्य और उपभोक्ता सुरक्षा के लिए कड़े सुरक्षा मानकों को बरकरार रखते हुए कारोबार में सुगमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सुधार किए गए

सरकार ने जन विश्वास कानून, 2026 के अंतर्गत औषधि एवं प्रसाधन सामग्री कानून, 1940 तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक कानून, 2006 से संबंधित महत्वपूर्ण सुधारों को व्यवहार्य कर दिया है। इन सुधारों का उद्देश्य विश्वास-आधारित सुशासन को बढ़ावा देना, व्यवसायों पर अनुपालन का बोझ कम करना तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा से समझौता किए बिना नियामकीय प्रवर्तन को अधिक संतुलित बनाना है। इन संशोधनों के तहत कुछ छोटे और तकनीकी उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया है तथा ऐसे मामलों में आपराधिक कार्रवाई के स्थान पर प्रशासनिक दंड का प्रावधान किया गया है। इससे कारोबार में सुगमता को बढ़ावा मिलेगा और नियामकीय व्यवस्था अधिक प्रभावी बनेगी। वहीं, जन स्वास्थ्य और उपभोक्ता सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले गंभीर अपराधों के विरुद्ध कड़े प्रावधान पहले की तरह प्रभावी रहेंगे।

इन सुधारों के तहत औषधि एवं प्रसाधन सामग्री कानून, 1940 की धारा 29 को समाप्त कर दिया गया है। इस धारा में किसी औषधि या प्रसाधन सामग्री के विज्ञापन में सरकारी विश्लेषक की रिपोर्ट का उपयोग करने पर एक लाख रुपये तक के दंड का प्रावधान था। अब इस प्रावधान को हटा दिया गया है। इसके अलावा, कम जोखिम वाली प्रसाधन सामग्री के निर्माण या बिक्री से संबंधित उल्लंघनों को अब प्रशासनिक दंड व्यवस्था के अंतर्गत लाया गया है। इसमें ऐसे मामले शामिल हैं, जिनमें कोई कॉस्मेटिक उत्पाद गुणवत्ता के मामूली मानकों का पालन नहीं करता हो या उसके लेबल पर कमियां अथवा त्रुटियां हों। हालांकि, नकली या मिलावटी कॉस्मेटिक्स से जुड़े अपराध, जिनका सीधा संबंध उपभोक्ता सुरक्षा से है, उनके विरुद्ध कानून के तहत पहले की तरह कड़े दंडात्मक प्रावधान लागू रहेंगे। संशोधनों के तहत धारा 28ए के उल्लंघनों को भी प्रशासनिक दंड की श्रेणी में शामिल किया गया है। ये उल्लंघन मुख्य रूप से रिकॉर्ड का रख-रखाव, आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना तथा अन्य प्रक्रियागत एवं अनुपालन संबंधी आवश्य कताओं से जुड़े होते हैं।

नई व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निर्णायक प्राधिकरण की नियुक्ति तथा अपील प्रबंधन से संबंधित प्रावधान भी किए गए हैं। इससे ऐसे मामलों का समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी निपटारा सुनिश्चित किया जा सकेगा।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक कानून, 2006 के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के विरुद्ध झूठी शिकायतें दर्ज कराने से संबंधित मामलों में अदालत द्वारा जुमार्ना लगाने के प्रावधान को अब प्रशासनिक दंड व्यवस्था में परिवर्तित कर दिया गया है।

जब्त की गई वस्तुओं के साथ छेड़छाड़ करने पर मिलने वाली सजा को भी युक्तिसंगत बनाया गया है। इसके तहत कारावास की अवधि छह माह से घटाकर तीन माह कर दी गई है। इसके अलावा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी के कार्य में बाधा डालने या उनका विरोध करने से संबंधित प्रावधान को खाद्य सुरक्षा एवं मानक कानून से हटा दिया गया है, क्योंकि ऐसे अपराध पहले से ही भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के अंतर्गत पर्याप्त रूप से शामिल हैं। इससे कानूनी ढांचे में अनावश्यक दोहराव समाप्त होगा।

जन विश्वास कानून, 2026 के माध्यम से किए गए ये सुधार सरकार की आधुनिक, पारदर्शी और विश्वास-आधारित नियामक इकोसिस्टम विकसित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इन संशोधनों से तकनीकी या प्रक्रियागत कमियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े गंभीर अपराधों के बीच अंतर करके, भारत के खाद्य और दवा नियामक ढांचे की अखंडता को बनाए रखते हुए उचित तरीके से नियमों को लागू करना है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने दोहराया है कि वह मजबूत नियामक व्यवस्था के माध्यम से जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही, मंत्रालय अनावश्यक अनुपालन बोझ को कम करने और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा कारोबार-अनुकूल नियामकीय वातावरण को बढ़ावा देने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने एनएच-44 पर घरौंडा टोल प्लाजा पर मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) टोलिंग शुरू की

प्रौद्योगिकी-आधारित टोल संग्रह प्रणाली से बाधा रहित यात्रा संभव होगी, भीड़भाड़ कम होगी और यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी भारत सरकार के निर्बाध, बाधा रहित और प्रौद्योगिकी-संचालित राजमार्ग यात्रा के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के पानीपत-जालंधर खंड पर घरौंडा टोल प्लाजा पर मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) टोलिंग सिस्टम को शुरू कर दिया है।

मल्टी-लेन फ्री फ्लो प्रणाली, वाहनों को रुकने या धीमा करने की आवश्यकता के बिना टोल संग्रह को सक्षम बनाकर, पारंपरिक टोल प्लाजा से एक क्रांतिकारी बदलाव लाती है। बेहतर इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (ईटीसी) तकनीक का उपयोग करते हुए, ओवरहेड गैंट्री पर लगे उच्च-प्रदर्शन सेंसर और कैमरे स्वचालित रूप से वाहनों की पहचान करते हैं और फास्टैग के माध्यम से उपयोगकर्ता शुल्क काटते हैं जिससे राजमार्ग की गति पर निर्बाध यात्रा संभव हो पाती है।

राजमार्ग उपयोगकर्ता अनुभव का रूपांतरण

मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग की शुरूआत से यात्रा दक्षता और यात्रियों की सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है जिसके परिणामस्वरूप निम्नलिखित लाभ होंगेः

प्रतीक्षा समय शून्य

टोल बैरियरों को हटाने से वाहनों की सुचारू और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होती है जिससे यात्रा में देरी और टोलिंग बिंदुओं पर भीड़भाड़ कम होती है।

ईंधन और यात्रा के समय में बचत

टोल प्लाजा पर बार-बार ब्रेक लगाने, निष्क्रिय अवस्था में रहने और गति बढ़ाने की आवश्यकता को समाप्त करके यह प्रणाली ईंधन की खपत को कम करने और यात्रा के समय को कम करने में मदद करती है। मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग प्रणाली की प्रमुख विशेषताएं

गैन्ट्री-आधारित टोल संग्रह

राजमार्ग के आर-पार स्थापित ओवरहेड गैन्ट्री के माध्यम से उपयोगकर्ता शुल्क स्वचालित रूप से एकत्र किया जाता है। ये संरचनाएं लगभग 5.5 से 6.0 मीटर की न्यूनतम ऊर्ध्वाधर ऊंचाई प्रदान करती हैं जिससे सभी अनुमत वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होती है। भीड़भाड़ मुक्त टोलिंग क्षेत्र सुचारू

यात्रा और परिचालन दक्षता बनाए रखने के लिए मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग जोन के दोनों ओर 200 मीटर के दायरे में पार्किंग, अतिक्रमण और अनधिकृत ठहराव को रोकने के लिए सख्त प्रवर्तन उपाय लागू किए गए हैं। मजबूत प्रवर्तन तंत्र

रूट पेट्रोल वाहन (आरपीवी) और स्थानीय प्रवर्तन एजेंसियां गलत दिशा में गाड़ी चलाना, नंबर प्लेट से छेड़छाड़ और टोल चोरी जैसे उल्लंघनों को रोकने के लिए मल्टी-लेन फ्री फ्लो के हिस्सों की सक्रिय रूप से निगरानी करेंगी।

टोल भुगतान में विफलता के लिए ई-सूचना तंत्र राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ सड़क उपयोगकताओं के लिए पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने उन मामलों के लिए एक संरचित ई-नोटिस तंत्र शुरू किया है जहां टोल भुगतान फास्टैग के माध्यम से सफलतापूर्वक संसाधित नहीं होता है जिसमें अपर्याप्त शेष राशि, निष्क्रिय टैग या टैग से संबंधित समस्याएं शामिल हैं। उपयोगकर्ता ई-नोटिस कैसे देख सकते हैं

सड़क उपयोगकर्ता निर्दिष्ट एनआईसी पोर्टल के माध्यम से ई-नोटिस की पुष्टि और प्रबंधन कर सकते हैंः

उपयोगकर्ता अपने वाहन का पंजीकरण नंबर दर्ज करके और वाहन डेटाबेस में पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजे गए वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) के माध्यम से प्रमाणी करण करके पोर्टल तक पहुंच सकते हैं। ई-नोटिस को राजमार्गयात्रा मोबाइल ऐप पर भी देखा जा सकता है।

भुगतान समयरेखा

72 घंटों के भीतर भुगतानः सामान्य लागू टोल दर (1x) पर देय उपयोगकर्ता शुल्क। 72 घंटे के बाद भुगतानः निर्धारित प्रावधानों के अनुसार, लागू टोल दर (2x) के दोगुने की दर से उपयोगकर्ता शुल्क देय होगा।

शिकायत निवारण

यदि किसी वाहन मालिक को लगता है कि ई-नोटिस गलत तरीके से जारी किया गया है तो समीक्षा और समाधान के लिए जारी होने के 72 घंटों के भीतर एनआईसी पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज की जा सकती है।

सड़क उपयोगकताओं के लिए सलाह

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सभी राजमार्ग उपयोगकताओं को निम्नलिखित सलाह देता हैः अपने फास्टैग खातों में हमेशा पर्याप्त बैलेंस बनाए रखें। यह सुनिश्चित करें कि फास्टैग सक्रिय रहे और वाहन की विंडशील्ड पर ठीक से लगा हो। स्पष्ट और नियमों के अनुरूप उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (एचएसआरपी) का उपयोग करें। मल्टी-लेन फ्री फ्लो क्षेत्रों के भीतर यातायात नियमों का पालन करें और संकेतों का अनुसरण करें। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने गुजरात के चोयार्सी, दिल्ली के मुंडका टोल प्लाजा और राजस्थान के दौलतपुरा टोल प्लाजा पर मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग को सफलतापूर्वक लागू कर दिया है।

विश्व मद्यनिषेध दिवस पर जागरूकता रैली एवं संगोष्ठी का हुआ आयोजन

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। विश्व मद्यनिषेध दिवस के अवसर पर नशा मुक्ति एवं पुनर्वास के क्षेत्र में कार्यरत ह्यपरखह्र संस्था द्वारा संचालित नशा मुक्ति केंद्र सलखन में जागरूकता एवं संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्र के कर्मचारियों एवं लाभार्थियों ने सलखन गांव में नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकालकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। रैली के उपरांत संस्था कार्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हानियों पर विस्तार से चर्चा की गई। परामर्शदाताओं ने व्यसनियों को तंबाकू, गुटखा, शराब, हेरोइन, अफीम, चरस, डोडा सहित अन्य मादक पदार्थों से दूर रहने की सलाह देते हुए स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान स्लोगन और जागरूकता संदेशों के माध्यम से आमजन को नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया।वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है, इसलिए इससे दूर रहना समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर संस्था प्रभारी ए. कुमार, सोशल वर्कर रमाशंकर भारती, परामर्शदाता धोनी ममता नारी, पूजा, ईश्वरचंद यादव, वार्ड ब्वाय विकास शर्मा सहित अन्य कर्मचारी एवं प्रतिभागी उप स्थित रहे।

युवाओं से नशे से दूर रहने और दवा विक्रेताओं को नियमों का पालन करने की अपील

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर घोरावल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में औषधि निरीक्षक राजेश तथा दवा विक्रेता समिति घोरावल के सदस्यों ने भाग लेकर समाज और युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। औषधि निरीक्षक ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए नशे से दूरी बनाना आवश्यक है तथा युवाओं से अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान औषधि निरीक्षक ने सभी दवा विक्रेताओं को निर्देश दिया कि बिना पंजीकृत चिकित्सक के वैध पर्चे के किसी भी प्रकार की नारकोटिक्स दवा का वितरण न करें। सभी दवा विक्रेताओं ने इस अपील का स्वागत करते हुए नियमों का पालन करने और नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अनिल मेडिकल स्टोर, अशोक मिश्रा, प्रशांत दुबे, करुणाकर पाठक, सुधाकर चौबे, सुधीर, परिधि मेडिकल, मनोज, ओम मेडिकल, नीरज पांडे एवं संतोष मेडिकल सहित कई दवा विक्रेता उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, साथी गंभीर रूप से घायल

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

रॉबर्ट्सगंज/ सोनभद्र। वाराणसी-शक्तिनगर मुख्य मार्ग पर शुक्रवार को हुए भीषण सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के हिंदुआरी पुल के समीप बेलन नदी पुल के पास हुआ, जहां किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के नरोखर गांव निवासी मुन्ना (48 वर्ष) अपने साथी बबुन्दर (50 वर्ष) निवासी खचार गांव के साथ बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने मुन्ना को मृत घोषित कर दिया, जबकि बबुन्दर का इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार घायल की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद कुछ देर तक टेंपो से टक्कर की चर्चा होती रही, लेकिन घटनास्थल पर मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस किसी भारी वाहन की टक्कर की आशंका जता रही है। अज्ञात वाहन की पहचान के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और फरार वाहन की तलाश में जुटी हुई है। रॉबर्ट्सगंज कोतवाल रामस्वरूप वर्मा ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मेडिकल कॉलेज पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस मामले की जांच कर अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

एनटीपीसी रिहंद में विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न; राजभाषा के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर जोर

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। एनटीपीसी रिहंद सुपर थर्मल पावर स्टेशन में आज वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 'विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति' की पहली बैठक का आयोजन किया गया। यह महत्वपूर्ण बैठक समिति के अध्यक्ष, कार्यकारी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख संजय असाटी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के दौरान भारत सरकार के गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जारी वार्षिक कार्यक्रम में मदवार विस्तृत चर्चा की गई। इसके साथ ही, निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से प्राप्त करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाने संबंधी कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में तिमाही प्रगति रिपोर्ट, हिंदी कार्यशालाओं के नियमित आयोजन, हिंदी दिवस व पखवाड़े के भव्य आयोजन तथा हिंदी वार्षिक पत्रिका के प्रकाशन जैसे प्रमुख मदों पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया और आवश्यक कार्रवाई करने पर विशेष जोर दिया गया। समिति के अध्यक्ष संजय असाटी ने उपस्थित समिति सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा "राजभाषा हिंदी के प्रति हर भारतीय का स्वाभाविक अनुराग है। हमें इसके संवर्धन और विकास की दिशा में मिल-जुलकर प्रयास करने होंगे। भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुरूप कार्य करते हुए हमें सभी निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करना है। हिंदी बेहद सहज और सरल भाषा है। अपने दैनिक शासकीय व तकनीकी कार्यों में तकनीकी शब्दों का लिप्यंतरण करके हम हिंदी को और अधिक सरलता से आगे बढ़ा सकते हैं। आप सभी अपने-अपने विभागों में हिंदी के प्रति सजग भाव अपनाएं और इसे अपनी कार्य-संस्कृति का अभिन्न अंग बनाएं।" बैठक के दौरान समिति के सदस्यों ने रिहंद परियोजना में हिंदी के व्यापक प्रचार-प्रसार और इसके व्यावहारिक प्रयोग को बढ़ाने के लिए अपने अमूल्य व रचनात्मक सुझाव साझा किए। इस महत्वपूर्ण बैठक की कार्यवाही का सफल संचालन समिति के सदस्य-सचिव एवं प्रबन्धक (राजभाषा) पवन कुमार मिश्र द्वारा किया गया। बैठक में समिति के सभी सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे और राजभाषा के विकास में अपना पूर्ण योगदान देने का संकल्प दोहराया।

बीजपुर में निकला मुहर्रम का ताजिया जुलूस, पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था के बीच संपन्न

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। शुक्रवार को अपराह्न बीजपुर थानाक्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था के बीच मुहर्रम पर्व पर रस्मों-रिवाज के साथ ताजिया जुलूस निकाला गया। बीजपुर बाजार परिक्षेत्र स्थित मुस्लिम मुहल्ले के चौक पर रखे गए ताजिये को अपराह्न लगभग ढाई बजे मुस्लिम भाइयों एवं उनके परिजनों ने मातमी माहौल में जुलूस की शक्ल में निकाला। इस दौरान अकीदतमंदों ने "हाय-हसन, हाय-हुसैन" कहते हुए सीना पीटकर मातम प्रदर्शित किया। तदोपरांत बीजपुर बाजार के तिराहे पर पहुंचकर युवकों ने हैरतअंगेज कारनामों का प्रदर्शन किया। विभिन्न संप्रदायों के लोग जुलूस देखने के लिए भारी तादाद में उमड़े। वहीं जगह जगह पर शरबत का भी वितरण किया गया। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर थानाध्यक्ष बीजपुर राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना पुलिस व होमगार्ड की टुकड़ियां जगह-जगह तैनात रहीं। जुलूस धीरे-धीरे बीजपुर-रेणुकूट मार्ग से होते हुए शाम को एनटीपीसी रिहन्द स्टेशन के स्वागत द्वार पहुंचा, जहां से कर्बला पहुंचकर मुस्लिम भाइयों ने मिट्टी को दफन किया। जुलूस के दौरान संभ्रांत मुस्लिम भाइयों द्वारा नाश्ते आदि की भी व्यवस्था की गई थी। जुलूस में मुख्य रूप हाजि खलील, मिरहशन, निजाम कुरैशी, अलाउद्दीन अंशारी, रियाज उद्दीन अंशारी, मुस्तकीम अंशारी, मोहम्मद मुख्तार आलम, सलीम खान, अप्सरा मास्टर, नसीम अख्तर, इजहार, रहमत, बब्लू, इरशाद, ग्यासुद्दीन , गामा, अशफाक कुरैशी, जावेद,जुनून,सलीम,मंजुर आलम, सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम भाई एवं उनके परिजन शामिल हुए।

लखनऊ अग्निकांड के दिवंगत छात्रों को दुद्धी में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलिः मासूम छात्रों की याद में उमड़ा जनसैलाब

•~ महामंडलेश्वर माँ किरन नंदगिरी के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सभा में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की उठी मांग

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जनपद के दुद्धी क्षेत्र में शोक संवेदना और सामाजिक एक जुटता का भावुक दृश्य उस समय देखने को मिला जब लखनऊ के अलीगंज स्थित एक कोचिंग सेंटर में हुए दर्दनाक अग्निकांड में जान गंवाने वाले मासूम छात्रों की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा एवं कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। विश्व हिंदू महासंघ के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश किन्नर प्रकोष्ठ प्रयाग एवं काशी की क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर माँ किरन नंदगिरी ने किया। श्रद्धांजलि सभा महा मंडलेश्वर माँ किरन नंदगिरी के निवास स्थान पर आयोजित हुई, जहां बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं, युवाओं तथा किन्नर समाज के लोगों ने पहुंचकर दिवंगत छात्रों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। सभा के उपरांत निकाले गए कैंडल मार्च में सैकड़ों लोग हाथों में मोमबत्तियां लेकर मौन भाव से आगे बढ़ते रहे। पूरे क्षेत्र में शोक और संवेदना का माहौल बना रहा। मोमबत्तियों की रोशनी के बीच हर चेहरा इस दर्दनाक हादसे की पीड़ा को महसूस करता दिखाई दिया। कई लोगों की आंखें नम थीं और सभी ने एक स्वर में दिवंगत छात्रों के अधूरे सपनों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में महामंडलेश्वर माँ किरन नंदगिरी ने कहा कि लखनऊ की यह घटना अत्यंत दुखद और हृदय विदारक है। जिन बच्चों ने अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए सपने संजोए थे, उनका इस तरह असमय चले जाना पूरे समाज कीअपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा शोकाकुल परिवारों को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि यह हादसा केवल कुछ परिवारों का दुख नहीं बल्कि पूरे समाज की पीड़ा बन गया है। बेहतर शिक्षा और भविष्य की उम्मीद लेकर पढ़ाई कर रहे छात्रों की असामयिक मृत्यु ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर दिया है। ऐसे समय में समाज का एकजुट होकर पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा होना ही सच्ची मानवता है। रामभजन यादव ने कहा कि शिक्षा संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने श्रद्धांजलि सभा में शामिल सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दुद्धी और रामनगर क्षेत्र के लोगों ने अपनी संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया है। कार्यक्रम में महंत लाडो नंदगिरी सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज को ऐसी घटनाओं से सीख लेते हुए सुरक्षा मानकों के प्रति अधिक जागरूक होना होगा। उन्होंने दिवंगत छात्रों के अधूरे सपनों को याद करते हुए उनके परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। श्रद्धांजलि सभा एवं कैंडल मार्च में मीरा नंदगिरी, सरस्वती नंदगिरी, चमेली नंदगिरी, सोनी नंदगिरी, सपना नंदगिरी, लक्ष्मी नंदगिरी सहित विश्व हिंदू महासंघ के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत छात्रों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए इस दुखद घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ अपनी संवेदनाएं साझा कीं।

चोपन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को पिलाया गया शीतल शरबत, हिन्दू संघ किन्नर सभा की जिलाध्यक्ष राधानंद गिरी ने भी निभाई सहभागिता

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/ सोनभद्र। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान के बीच यात्रियों और आमजन को राहत देने के उद्देश्य से उ&ह रेलवे चोपन द्वारा एक शीतल शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम शुक्रवार को चोपन रेलवे स्टेशन परिसर में हुआ। इस दौरान स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों, राहगीरों और जरूरतमंद लोगों को ठंडा शरबत पिलाया गया, जिससे उन्हें गर्मी से कुछ राहत मिली। बड़ी संख्या में लोगों ने इस जनसेवा कार्य की सराहना की और शरबत ग्रहण किया। इस सेवा अभियान में ADME/C&W/CPU, CWS/ C&W/CPU, CO S/ C&W /CPU A üSXTL&A C/CPU के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। सभी ने यात्रियों को सेवा भाव के साथ शीतल शरबत वितरित किया। स्टेशन परिसर में कर्मचारियों को स्वयं लोगों को शरबत उपलब्ध कराते देखा गया। विश्व हिन्दू संघ किन्नर सभा की जिलाध्यक्ष राधानंद गिरी भी अपनी पूरी टीम के साथ इस अवसर पर मौजूद रहीं। उन्होंने शरबत वितरण में सक्रिय भागीदारी निभाई। राधानंद गिरी ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक और जनहित के कार्यक्रम समाज में आपसी भाईचारे, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं। आयोजकों ने बताया कि यह सेवा अभियान भीषण गर्मी के मौसम में यात्रियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से चलाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में भी रेलवे परिसर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जनहित एवं समाजसेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि जरूरतमंद लोगों की सहायता की जा सके। इस कार्यक्रम में एस.एस. विश्वकर्मा, सुधीर कुमार, अजित, राम गुलाम, शशिकांत, अजीत वर्मा, मनोज पासवान, राहुल शर्मा सहित रेलवे के अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे। विश्व हिन्दू संघ किन्नर सभा के पदाधिकारी और सहयोगी भी मौजूद थे। सभी ने मिलकर इस सेवा कार्य को सफल बनाया और लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाने का संदेश दिया।

48 घंटे बाद सोन नदी से तीसरे युवक का शव बरामद, तीन मौतों से मीतापुर क्षेत्र में पसरा मातम

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/ सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के मीतापुर स्थित सोन नदी में डूबे तीसरे युवक का शव 48 घंटे से अधिक समय बाद बरामद कर लिया गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा लगातार आला अधिकारियो की देखरेख में चलाए जा रहे रेस्क्यू अभियान के बाद शुक्रवार को घटनास्थल से करीब 100 मीटर दूर गोठानी मंदिर के समीप नदी से शव बरामद किया गया। शव देखते ही परिजनों और ग्रामीणों में कोहराम मच गया। पुलिस ने परिजनों से पहचान कराने के बाद शव को तुरंत पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लोढ़ी भेज दिया। मृतक की पहचान 16 वर्षीय बोल बम केवट पुत्र लोधी निवासी मीतापुर के रूप में हुई है। इस हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। अन्य मृतकों की पहचान 18 वर्षीय संदीप निषाद पुत्र रविंद्र तथा 10 वर्षीय दीपक केवट पुत्र भगवान दास, दोनों निवासी मीतापुर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मीतापुर निवासी रतन केवट की पुत्री के चौथी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए परिजन नदी किनारे पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान दीपक और बोल बम सोन नदी में नहाने के लिए उतरे, लेकिन गहरे पानी में चले जाने से दोनों डूब गए। इसी दौरान संदीप निषाद की भी नदी में डूबने से मौत हो गई। संदीप की मौत को लेकर ग्रामीणों और प्रशासन के अलग-अलग दावे सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस के दौड़ाने से घबराकर संदीप ने नदी में छलांग लगा दी, जिससे उसकी डूबने से मौत हुई। हालांकि प्रशासन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि संदीप की मौत भी नदी में नहाने के दौरान डूबने से हुई है। पुलिस का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। उनका आरोप है कि निर्धारित क्षेत्र से बाहर लंबे समय से हो रहे अवैध बालू खनन के कारण सोन नदी कई स्थानों पर अत्यधिक गहरी और दलदली हो गई है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। ग्रामीणों ने अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्र वाई में जुटी हुई है।

डाला में 20 लाख के जेवरात पार, चोरी और छिनैती की घटनाओं से क्षेत्र के लोगों में दहशत

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

डाला/ सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के डाला पुलिस चौकी अंतर्गत बाड़ी में बीती रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाया। चोर लाखों रुपये के जेवरात लेकर फरार हो गए। डाला बाड़ी निवासी मनोज चौबे के घर में यह वारदात हुई। चोरों ने घर के पीछे का दरवाजा तोड़कर प्रवेश किया और अलमारी में रखे लगभग 20 लाख रुपये मूल्य के जेवरात चुरा लिए। परिवार को शुक्रवार सुबह चोरी का पता चला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। डाला पुलिस चौकी प्रभारी तत्काल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और साक्ष्य जुटा रही है। चोरी हुए जेवरात में एक हार सेट, चार कंगन, चेन, मांगटीका, करधनी, पैजनिया, बिछिया, पायल, चांदी की थाली, पान, सुपारी और नारियल शामिल हैं। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और चोरों की तलाश जारी है। डाला क्षेत्र में हाल के दिनों में चोरी और छिनैती की कई घटनाएं हुई हैं। स्थानीय लोगों ने इन घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। इससे पहले क्षेत्र में बाइक चोरी और मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला के गले से चेन छीनने की घटनाएं भी हुई थीं, जिनका अब तक खुलासा नहीं हो सका है।

मुहर्रम पर्व के अवसर पर सोनभद्र पुलिस पूरी तरह सतर्क, वरिष्ठ अधिकारियों एवं पुलिस बल की निगरानी में जुलूस सकुशल संपन्न

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। मुहर्रम पर्व के अवसर पर जनपद सोनभद्र में शांति, सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है।इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल द्वारा थाना दुद्धी क्षेत्र, अपर पुलिस अधी क्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र, क्षेत्रा धिकारी नगर रणधीर मिश्रा, क्षेत्रा धिकारी सदर राज सोनकर, क्षेत्रा धिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय, क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय द्वारा अपने-अपने सर्किलों में लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की जा रही है। जनपद के सभी संवेदनशील स्थलों, ताजिया जुलूस मार्गों एवं प्रमुख चौराहों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। ताजिया जुलूसों को वरिष्ठ अधिकारियों एवं पर्याप्त पुलिस बल की निगरानी में शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराया जा रहा है। जुलूस मार्गों पर सतत पेट्रोलिंग, ड्रोन एवं सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। सोशल मीडिया पर विशेष तकनीकी टीम द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। किसी भी प्रकार की भ्रामक, आपत्ति जनक अथवा अफवाह फैलाने वाली पोस्ट करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। सोनभद्र पुलिस द्वारा सभी ताजि यादारों, जुलूस आयोजकों एवं पीस कमेटी के सदस्यों से समन्वय स्थापित कर मुहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जा रहा है। आमजन से अपील की जाती है कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस अथवा डायल-112 पर दें।

एनटीपीसी धन्वन्तरि अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित, केऔसुब जवानों ने किया रक्तदान

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। बीजपुर स्थित एनटीपीसी धन्वन्तरि अस्पताल में शुक्रवार को आयोजित रक्तदान शिविर में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उप कमांडेंट प्रकाश के नेतृत्व में केऔसुब बल सदस्यों ने रक्तदान कर "रक्तदान-महादान" का संदेश दिया। इस अवसर पर उप कमांडेंट ने जवानों को रक्तदान के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि आपके द्वारा दिया गया रक्त किसी जरूरतमंद का जीवन बचा सकता है। उन्होंने सभी को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित किया। शिविर में सहायक कमांडेंट पी. शिवा राव, अ.रक्षित निरीक्षक एम.पी. यादव, निरीक्षक पी.के. गोराई, निरीक्षक अग्नि रामाज्ञा मौर्या, आसूचना प्रभारी उप निरीक्षक दीपक कुमार पांडेय सहित कुल 18 बल सदस्यों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। एनटीपीसी प्रबंधन व अस्पताल प्रशासन ने केऔसुब के इस सराहनीय योगदान के लिए सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

अदबो एहतराम के साथ निकाला गया मोहर्रम का ताजिया

या हुसैन, या हुसैन के नारे से गुंजायमान रहा इलाका

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के गुरमा चौकी अंतर्गत गुरमा, मारकुंडी, सलखन में प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी बड़े अकीदत एवं हर्षोल्लास के साथ मोहर्रम का त्यौहार कड़ी सुरक्षा के बीच मनाया गया। इसी क्रम में सलखन सुईया चट्टान से ताजिया निकाल कर मुख्य बाजार होते हुए इमाम चौक तक लाया गया। इसी दौरान मुस्लिम भाईयों ने नौहा पढे, लकड़ी भी खेले, मातम के साथ या हुसैन या हुसैन का नारा भी लगाते हुए कर्बला की तरफ ताजिया के साथ कर्बला की ओर अग्रसर हो गये। गुरमा में साफ सफाई की व्यवस्था सभासद अशफाक कुरैशी के नेतृत्व में कराया गया। मुस्लिम भाइयों ने बड़े अकीदतों के साथ हर साल की तरह इस साल भी मोहर्रम का ताजिया निकाले। वाराणसी मुख्य राजमार्ग होते हुए ताजिया से मिलान करते हुए इमाम चौक पर सभी ताजिया को ले जाया गया। मुस्लिम भाइयों ने नौहा पड़े ,लकड़ी भी खेलें और मातम किए या हुसैन या हुसैन का नारा लगाते हुए ताजिया कर्बला ले जाया गया जहां अकीदतमंदो ने ताजिया का जियारत कर फैजियाब होते रहे। अकीदत मंद मैदाने कर्बला का मंजर याद कर शहीदाने कर्बला को खेराजे अकीदत पेश कर रहे थे। ताजिया दारो में शहीदाने कर्बला की शान में अशआर पेश कर मैदाने कर्बला का मंजर याद दिलाया जा रहा था। ताजियायों में सैकड़ों की संख्या में जहां पुरुष रहे तो वहीं छोटे-छोटे बच्चे भी शिरकरत रहे। मासूम अली असगर की शहादत को जेहन में ताजा कर रही थी। महिलायें ताजिया को देख फैजियाब हो रही थी। ताजिया के आगे ढोल ताशे बजाए जा रहे थे जैसे लगता था कि मैदाने कर्बला का नक्शा सामने गर्दिश कर रहा हो।सुरक्षा व्यवस्था को मद्देनजर रखते हुए चोपन थाना तथा गुरमा चौकी पुलिस पूरे मुस्तैदी के साथ मुस्तैद रही। गुरमा चौकी प्रभारी श्री प्रकाश अपने हमराह सिपाहियों गुलशन सरोज, बृजेश कुमार, अनिल कुमार, धीरज, विशुन मलिक, सुधीर आदि लोग के साथ इलाके का भ्रमण करते देखे गए। इस मौके सभासद अशफाक कुरैशी, हाजी एजाज अहमद, मंसूर खान, गुड्डू कुरैशी, अफसर अहमद, गुलाम नबी, फारूक, गुड्डू अंसारी, सिराज आलम, शहाबुद्दीन, दिलदार, अरमान, पांचू, सौकत, जमालु, सलीम, इसराफीइल, खुर्शीद, असलम इत्यादि अवाम मौजूद रहे।

शिक्षण संस्थान सामाजिक राजनीतिक संचेतना के अग्रदूत

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ बृजेश पाठक ने जगतपुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महाविद्यालय के प्रबंध समिति, शिक्षक और नेताओं से संवाद स्थापित किया।इस दौरान अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि शिक्षा के केंद्र सामाजिक और राजनीतिक संचेतना के प्रबल संवाहक होते हैं।इन संस्थाओं की समाज रचना में महत्वपूर्ण सहयोग होता है। शिक्षाण संस्थानों पर योग्य नागरिकों के निर्माण की जिम्मेदारी होती है। योग्य नागरिक ही राष्ट्रवाद के प्रबल पक्षधर होते हैं।इस दौरान उन्होंने लोकतंत्र सेनानी तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष रहे अनिरुद्ध नारायण सिंह के सामाजिक कार्यों और राष्ट्रहित में चलाए गए आंदोलनों की सराहना

की। अनिरुद्ध नारायण सिंह का सम्मान करते हुए कहा कि लोक बंधु राजनारायण के साथ उन्होंने समाज को सही दिशा में ले जाने के लिए कार्य किया। महाविद्यालय के अध्यक्ष रामसागर सिंह,पूर्व प्रधानाचार्य डॉक्टर नीलय सिंह ने महाविद्यालय आगमन पर उपमुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। इस दौरान महाविद्यालय परिसर में उपमुख्यमंत्री का स्वागत सम्मान भी किया गया। स्वागत सम्मान करने वालों में भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री अजय सिंह मुन्ना,अपना दल के राष्ट्रीय महासचिव मनीष सिंह, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल,भाजपा जिला अध्यक्ष राम सकल पटेल,गगन सिंह,आलोक सिंह,अंकुर सिंह,दिलीप सिंह दीपू,बिजय सिंह आदि रहे।

छत्रपति शाहूजी महाराज को रोहनिया विधायक ने किया नमन

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। महान समाज सुधारक छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती पर अपना दल एस ने रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के खेवसीपुर गांव में स्थित एक लॉन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मुख्य अतिथि डॉ सुनील पटेल ने साहू जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ने कहा छत्रपति शाहूजी महाराज केवल एक राजा नहीं थे बल्कि वे जन जन के सेवक और सच्चे अर्थों में सामाजिक समरतता के प्रतीक थे। शिक्षा के प्रसार प्रसार और समाज से छुआछूत जैसी कुरीतियों को मिटाने में उनका योगदान अतुलनीय है । उन्होंने 1902 मैं जो आरक्षण लागू किया

उससे वंचितो को समाज की मुख्य धारा में लाने का मार्ग प्रशस्त हुआ । मजनू ने बाल विवाह पर रोक लगाई , विधवा विवाह को प्रोत्साहित किया और देवदासी जैसे कुरीतियों के खिलाफ कड़े कानून बनाए उनके आदर्श और विचार हमारे लिए प्रेरणा के स्रोत है।कार्यक्रम में राजेंद्र पटेल , राकेश यादव , श्याम नारायण सिंह पटेल , आनंद पटेल ,अजीत पटेल , बाबूलाल पटेल ,श्रीमती अनीता पटेल, डॉक्टर महेंद्र सिंह पटेल, मानव सिंह सहित कार्यकताओं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पेयजल और शरबत हुआ वितरित

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी से मानव जाति के साथ साथ जीव जानवर भी परेशान हैं तो वही भीषण गर्मी में यात्रा कर रहे लोगो को गर्मी से राहत दिलाने के लिए ब्रह्मलोक वैदिक सोसायटी द्वारा निर्जला एकादशी को

वाराणसी में पेयजल और शरबत वितरित किया गया।आयोजक मनीष मोहित्रा ने बताया शरबत वितरण में में लगभग हजारों लोगों ने शरबत ग्रहण किया।शरबत पीते ही राहगीरों,चालकों एवं छात्राओं के चेहरे पर एक अलग की खुशी दिखाई पड़ी।इस मौके पर कैट प्रदेश महामंत्री अखिलेश कुमार मिश्र ने कहा पेयजल का हर ग्लास केवल पेयजल नहीं बल्कि करुणा ,संवेदना,अपनत्व और भारतीय संस्कृति के नर सेवा ही नारायण सेवा के भाव से वितरित किया गया।शरबत वितरण में मुख्य रूप से श्याम सुन्दर गुप्ता और एस भवानी शंकर एंड संस वाराणसी से जुड़े लोग शामिल रहे।

गनेशपुर में विकास कार्य ठप होने पर ग्रामीणों ने पार्षद का किया घेराव, जमकर की नारेबाजी

पानी, नाली और बिजली की समस्या का समाधान नहीं होने पर उच्च अधिकारियों से शिकायत की चेतावनी।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। गनेशपुर वार्ड संख्या-14 में विकास कार्यों के अभाव से नाराज ग्रामीणों ने शुक्रवार को पार्षद संजय उर्फ संदीप यादव के कार्यालय का घेराव कर जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वार्ड में सड़क, नाली, पेयजल और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं का गंभीर अभाव है। कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक समस्याओं का समाधान नहीं किया गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि वार्ड के कई स्थानों पर बिजली के खंभों के अभाव में बांस-बल्ली के सहारे बिजली आपूर्ति की जा रही है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं, पूरे वार्ड में पेयजल के लिए एक भी पानी की टंकी नहीं है। नालियों का निर्माण अधूरा है और कई सड़कें बदहाल स्थिति में हैं, जिससे लोगों को रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पानी, नाली और बिजली की समस्याओं का समाधान

नहीं किया गया तो वे नगर निगम एवं संबंधित विभागों के उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगे। ग्रामीणों का कहना था कि यदि जनप्रतिनिधि क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं करा सकते, तो उन्हें जनता के प्रति जवाबदारी समझकर जिम्मेदारी से मुक्त हो ।

इस संबंध में पार्षद संजय उर्फ संदीप कुमार ने कहा कि उन्होंने वार्ड की सभी समस्याओं से मेयर एवं नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को कई बार अवगत कराया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

पार्षद ने बिजली विभाग की कार्यशैली पर भी नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया कि संबंधित एसडीओ क्षेत्र की समस्याओं के समाधान में रुचि नहीं लेते और जनप्रतिनिधियों के फोन तक नहीं उठाते।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में उच्च अधिकारियों से शिकायत की जाएगी, ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का शीघ्र समाधान हो सके।

प्रदर्शन के दौरान दिनेश कुमार सिंह, प्रमोद उपाध्याय, राजू पटेल, सोहन पटेल, बृजेश यादव, ज्ञान प्रकाश राज, सिद्धार्थ सिंह, विवेक सिंह, मनोज सिंह, सोनू, संतोष गुप्ता, अजय कुमार, मोनू, अनिल, डॉ. राकेश दीक्षित सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

इमाम चौकों से उठाकर इमामबाड़े में ठंडा किये ताजिये

***जुलूस के दौरान एम्बुलेंस को प्राथमिकता के आधार पर भीड़ से जाने की सहूलियत पेश किया।**

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी।हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में इमाम चौकों पर रखे गये ताजिये शुक्रवार को उठाकर इमामबाड़े में ठंडा किये गये।

हरहुआ क्षेत्र के हरहुआ डीह से यौमें असुर 10वी मुहर्रम का जुलूस निकलकर हरहुआ बाजार ,कोईराजपुर मोड़ से वापस मंशापुर ,दासेपुर ,बैजलपट्टी होते हुए अपने निर्धारित स्थल धनेसरी स्थित हरहुआ चौराहे पहुंच करके ताजियो को ठंडा किया गया। साथ मे चल रहे लोंगो ने तश्वीर अल्लाह हु अकबर या हुसैन के नारे लगाते रहे। खिलाड़ियों ने अपने खेल फने मुजाहेरा कर्तव्य

अपने गुजारा किया।जुलूस के दौरान एम्बुलेंस पहुंचने पर उसे भीड़ से अलग कर निकालकर मुश्लिम भाइयों ने सहूलियत पेश किया।

हरहुआ क्षेत्र के अन्य स्थित इमाम चौकों पर रखे गये ताजिये को उठाकर जुलूस निकाला गया। जुलूस में मुस्लिम भाई हैरतअंगेज करतब दिखाते या हुसैन के नारे के साथ मातमी धुन बजाते हुए चल रहे थे।तत्पश्चात इमामबाड़े में ताजिये ठंडा किये गये।

कार बाइक में भिड़ंत एक घायल

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। जंसा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क हादसा हुआ। चौखंडी गांव स्थित पोखरे के पास एक तेज रफ्तार पल्सर बाइक सवार युवक अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे चार पहिया वाहन से टकरा गया। इस दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।जानकारी के अनुसार, पल्सर सवार युवक हाथी बाजार से भाऊपुर बाजार की ओर जा रहा था। चौखंडी पोखरे के समीप पहुंचते ही उसने बाइक से नियंत्रण खो दिया और सामने से आ रहे वाहन से जोरदार टक्कर हो गई।टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हाथी बाजार पहुंचाया।प्राथमिक उपचार के बाद, चिकित्सकों ने युवक की नाजुक हालत को देखते हुए उसे बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। युवक का उपचार फिलहाल वहीं चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, घायल युवक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। उसकी उम्र लगभग 30 वर्ष बताई जा रही है। युवक की जेब से 'बाबा कीनाराम' लिखी एक पर्ची बरामद हुई है, जिसके आधार पर उसकी पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

फेसबुक पर प्रधान को आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी डिजिटल प्लेटफॉर्म फेसबुक पर ग्राम प्रधान के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले आरोपित घमहापुर शिवपुर निवासी अभिषेन सिंह के खिलाफ थाना शिवपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी। थाने पर दी गई तहरीर में शिवपुर के घमहापुर निवासी ग्राम प्रधान पवन कुमार सिंह ने आरोप लगाते हुए बताया कि क्षेत्र के ही निवासी अभिषेन सिंह द्वारा संगीता पटेल नामक महिला की फर्जी आईडी बनाकर उनके खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए फेसबुक पर पोस्ट किया गया, जिससे उनके मान सम्मान को ठेस लगी। प्रधान ने आरोप लगाया कि नवंबर 2025 में आरोपित के भाई जयप्रकाश द्वारा भी ग्राम प्रधान चुनाव की रंजिश के कारण उन्हें धमकी दी गई थी उस मामले में भी आरोपित के भाई के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। मामले में केस दर्ज कर पुलिस विभिन्न बिंदुओं को ध्यान में रखकर जांच पड़ताल कर रही है।

जामुन के पेड़ से गिरकर महिला घायल, 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती

समाज जागरण

मीरजापुर /लालगंज थाना क्षेत्र के कोटा शिव प्रताप सिंह गांव में गुरुवार की शाम जामुन के पेड़ से गिरकर 46 वर्षीय संगीता पत्नी जग नरायन गंभीर रूप से घायल हो गईं।जानकारी के अनुसार संगीता घर के पास जामुन तोड़ते समय अचानक पेड़ से नीचे गिर गईं, जिससे उन्हें चोटें आईं। परिजनों की सूचना पर 108 एंबुलेंस सेवा मौके पर पहुंची। एंबुलेंस चालक विनोद और ईएमटी संतोष ने तत्काल प्राथमिक उपचार देकर घायल महिला को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जंहा पर चिकित्सक द्वारा जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया एम्बुलेंस कर्मियों ने महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।चिकित्सकों ने बताया कि महिला का इलाज जारी है। स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस टीम की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

हलिया बाजार में चौक से कर्बला के लिए ताजिया हुई रवाना, गमगीन माहौल में उमड़ा जनसैलाब

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया मे मोहर्रम के अवसर पर हलिया बाजार के चौक से कर्बला के लिए ताजिया का जुलूस धूमधाम से रवाना हुआ। इमाम हुसैन की याद में निकले इस जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। एक ताजिए का गुंबद हरे रंग का और दूसरे का लाल रंग का है। दोनों ताजिए चांदी के वर्क, झालरों और हरे-लाल झंडों से सजाए गए हैं। कंधों पर ताजिया उठाए लोग "या हुसैन" की सदाएं बुलंद कर रहे थे। जुलूस में बच्चे, बुजुर्ग और युवा सभी गमगीन माहौल में शामिल हुए। जुलूस के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। स्थानीय पुलिस प्रशासन भी लगातार निगरानी करता रहा।

कर्बला पहुंचकर ताजिए को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी परंपरा और सौहार्द के साथ मोहर्रम मनाया जा रहा है। इसी प्रकार में अन्य क्षेत्रों में भी ताजिया का जुलुस कर्बला में सुपुर्द खाक हुआ है सुरक्षा व्यवस्था में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव मय टीम के साथ लगे रहे

कुआ में गिरे सियार को वन विभाग की टीम ने रिस्क्यू कर बाहर निकाला

समाज जागरण

मीरजापुर /ड्रमण्डगंज रेंज के गलरा गांव निवासी दुर्गा प्रसाद मिश्रा के घर के पीछे स्थित कुआ में गिरे जंगली सियार को वन विभाग के वन रक्षक अनादी नाथ तिवारी ने शुक्रवार की शाम टीम के साथ पहुंचकर रिस्कयु टीम के साथ पहुंचकर बीस फीट नीचे गहरे कुआ में गिरे सियार को बाहर निकाला है तब जाकर ग्रामीणों ने राहत की सांस लिए है बताते चले के एक जंगली सियार पानी की तलाश में जंगल से फटकर कुआ में गिर गया सियार कुआ से निकलने का काफी प्रयास कर रहा था लेकिन सफलता नहीं मिली ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने सियार को कुआ से बाहर निकाला है इस संबंध में वन रक्षक अनादी नाथ तिवारी ने बताया की कुआ में गिरे सियार को टीम के साथ पहुंचकर बाहर निकाल दिया गया है

अपना दल एस ने धूमधाम से मनाई आरक्षण के जनक राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज की 152वीं जयंती

सभी को शिक्षा और आरक्षण, शाहूजी महाराज का सबसे बड़ा योगदान

समाज जागरण

मीरजापुर/ आरक्षण के जनक, महान समाज सुधारक एवं वंचितों के सच्चे हितैषी राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज की 152वीं जयंती अपना दल एस द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।पटेल चौक, भरुहना चौराहा स्थित सांसद जनसंपर्क कार्यालय में जिलाध्यक्ष इंजी. राम लौटन बिंद के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यकताओं ने छत्रपति शाहूजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।पार्टी के जिलाध्यक्ष इंजी. राम लौटन बिंद ने कहा, "राजर्षि शाहूजी महाराज मराठा भोंसले राजवंश के कोल्हापुर रियासत के महाराजा थे। उन्हें एक वास्तविक लोकतांत्रिक और सामाजिक सुधारक माना जाता है। जाति-पंथ के भेदभाव से ऊपर उठकर सभी को प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराना उनकी सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता थी। वर्ष 1902 में उन्होंने कोल्हापुर राज्य में पिछड़े एवं कमजोर वर्गों के लिए 50% आरक्षण लागू कर सामाजिक

न्याय की नींव रखी। बिंद ने कहा कि शाहूजी महाराज समाजवादी विचारक ज्योतिबा फुले से प्रेरित होकर जीवनभर शोषित-वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करते रहे। उनका जीवन आज भी हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत है।जिलाध्यक्ष इंजी. राम लौटन बिंद ने बताया कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्यमंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी के निदेर्शानुसार प्रदेश के सभी जिलों में शाहूजी महाराज की जयंती मनाई जा रही है। श्रीमती पटेल पिछड़ों, कमेरों, वंचितों एवं सामाजिक न्याय की बुलंद आवाज हैं।कार्यकताओं से अपील की कि आगामी 2 जुलाई को अपना दल एस के संस्थापक यशकायी डॉ. सोनेलाल पटेल जी की जन्म जयंती "जन स्वाभिमान दिवस" के रूप में लखनऊ में बड़े स्तर पर मनाई जाएगी। सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से समारोह में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया गया।इस अवसर पर प्रदेश सचिव रामवृक्ष बिंद, जिला मीडिया प्रभारी शंकर सिंह चौहान, जिला अध्यक्ष छात्र मंच विकास मौर्य, नगर अभिभावक श्रीमती नमिता केसरवानी, श्रीमती मनीषा सिंह, विधानसभा अध्यक्ष उमाशंकर सोनी, विधानसभा अध्यक्ष राजेश मौर्य, जोन अध्यक्ष अर्जुन सोनकर, आरिफ अली मंसूरी, राहुल ओझा, अनुज कुमार मौर्य, विवेक दुबे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने मां विन्ध्यवासिनी देवी का दर्शन पूजन कर प्रदेशवासियो के लिए मांगी खुशहाली

मुजेहरा में एक निजी अस्पताल के कार्यक्रम में प्रबुद्धजनो से की वार्ता

समाज जागरण

मीरजापुर / प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने आज जनपद भ्रमण के दौरान सिटी विकास खण्ड के ग्राम मुजेहरा चेकसारी में हेलीकाप्टर से उतरने के पश्चात सीधे विन्ध्याचल धाम पहुंचकर मां विन्ध्यवासिनी देवी का विधिवत मंत्रोच्चार के साथ दर्शन कर पूजा अर्चना की तथा प्रदेशवासियो स्वस्थ्य रहने व सुख समृद्धि की कामना की। विन्ध्याचल पहुंचने पर उप मुख्यमंत्री का स्वागत शंखनाद व डमरू आदि बजाकर उनका तीर्थ पुरोहितो के द्वारा स्वागत व अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर प्रेस प्रतिनिधियो से वार्ता के दौरान उप मुख्यमंत्री मां विन्ध्यवासिनी देवी के धाम भव्य कारीडीरे के निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विन्ध्याचल धाम चहुमुखी विकास से श्रद्धालुओ की संख्या में बढ़ोतरी हुई है और इस कारीडोर के निर्माण से श्रद्धलुओ को बेहतर सुविधा भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि विन्ध्याचल विकास के लिए जो भी आवश्यकता होगी उसे प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाएगा। दर्शन पूजन प्रधान श्रंगारिया शिव जी महाराज ने कराया। इस अवसर पर विधायक नगर रत्नाकर मिश्र भी उपस्थित रहें।

इसके पूर्व हेलीपैड मुजेहरा में उतरने पर जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा

रजत कौशिक, जिला अधक्ष भारतीय जनता पार्टी लाल बहादुर सरोज, विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, विधायक मझवां सुचिस्मिता मौर्या, ब्लाक प्रमुख पहाड़ी इन्द्रमणि पाण्डेय के अलावा जिला महामंत्री रवि शंकर पाण्डेय, जिला मंत्री वीरेन्द्र प्रताप यादव, भाजपा नेता नितिन विश्वकर्मा, पूनम चैरसिया, मण्डल अध्यक्ष उमेश कुमार तिवारी के अलावा अन्य पदाधिकारियो के द्वारा उप मुख्यमंत्री को हेलीपैड अंगवस्त्रम व पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत व अभिनन्दन किया।

विन्ध्याचल दर्शन पूजन के पश्चात उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने मुजेहरा/चेकसारी स्थित टमटम अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर प्रबुद्धजनो से वार्ता कर आशीर्वाद लिया तथा कहा कि प्रदेश सरकार प्रदेश के चतुमुर्खी विकास के लिए कटिबद्ध है, प्रत्येक अस्पतालो में स्वास्थ्य सुविधाए मुहैया कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत सभी पात्र को लाभ मुहैया कराया जा रहा है। वयो योजना के तहत 70 वर्ष आयु से अधिक के लोगो को प्राथमिकता के आधार पर आयुष्मान कार्ड मुहैया कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएं, जीरो टालरेंस की नीति और सनातन संस्कृति को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के द्वारा उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार व माफिया राज को समाप्त करने की दिशा में कार्य कर रही है किसी भी दोषी को बक्शा नही जाएगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 विनोद कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी गुलाब चन्द्र, संतोष ओझा, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नितेश सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ कीर्ति कुमार मिश्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

सीएम योगी ने पूर्व सांसद सेवानिवृत्त ले. जनरल श्रीप्रकाश मणि से की शिष्टाचार भेंट

समाज जागरण

गोरखपुर, 26 जून। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को देवरिया के पूर्व सांसद, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी से शिष्टाचार भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। सीएम योगी शुक्रवार शाम सिविल लाइंस गोरखपुर स्थित पूर्व सांसद (देवरिया), पूर्व उप थलसेना प्रमुख श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी के आवास पर पहुंचे। यहां श्री त्रिपाठी के पुत्र एवं देवरिया के सांसद शशांक मणि ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने आवास के अंदर जाकर श्री त्रिपाठी और उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। आत्मीयतापूर्ण भेंट के दौरान सीएम योगी ने पूर्व सांसद और सभी परिवारीजन से बातचीत कर उनका हाल जाना । कुछ समय व्यतीत करने के बाद मुख्यमंत्री गोरखनाथ मंदिर के लिए रवाना हो गए।

मड़िहान पुलिस को मिली बहुत बड़ी कामयाबी 2. 2 करोड़ की ज्यादा की कीमत से पकड़ी गई अवैध गांजा

समाज जागरण

मीरजापुर /थाना मड़िहान व एसटीएफ प्रयागराज की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा अनुमानित कीमत 2.2 करोड़ के अवैध गांजा के साथ 01 शातिर अंतर्जनपदीय गांजा तस्कर गिरफ्तार, तस्करी में प्रयुक्त ट्रक वाहन बरामद अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़, अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की निर्माण/तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी/बरामदगी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं । मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर की जा रही कार्यवाही में पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन के नेतृत्व में थाना मड़िहान व

एसटीएफ प्रयागराज की संयुक्त पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है । 25 जून को को मुखबीर के सूचना के आधार थाना मड़िहान व एसटीफ प्रयागराज की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा 01 ट्रक कन्टेनर वाहन संख्याः वढ 72 अळ 5969 में सवार 01 व्यक्ति को पकड़ा गया । पकड़े गये अभियुक्त द्वारा पूछताछ में अपना नाम-पता अमरजीत यादव उर्फ पहलवान पुत्र परमेश्वर यादव निवासी ग्राम जबरेला थाना हरपुर बुदहट जनपद गोरखपुर अस्थाई पता वार्ड नं0-22,महुआपुर नरोनी, रुठियाई थाना धरनावदा जनपद गुना मध्य प्रदेश बताया गया है । पुलिस टीम द्वारा उक्त वाहन की तलाशी ली गयी तो वाहन में छिपाकर रखा हुआ कुल 04 कुन्तल 39 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना मड़िहान पर मु0अ0सं0-151/2026 धारा 8/20/29 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया तथा गांजा तस्करी में प्रयुक्त उक्त वाहन को अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया ।

जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराएं अधिकारी: मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में 200 लोगों की समस्याएं सुनीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोगों से कहा- चिंता मत करिए, सबकी समस्या पर सुनिश्चित होगी प्रभावी कार्रवाई

समाज जागरण

गोरखपुर, 26 जून। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की हर समस्या का शीघ्र समाधान कराएं। लोगों की शिकायतों को संवेदनशीलता से लेकर संतुष्टिप्रद निस्तारण सुनिश्चित कराने में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, चिंता मत करिए। सरकार सबकी समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी।

जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठे लोगों तक सीएम स्वयं चलकर पहुंचे और सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सबके प्रार्थना पत्रों को पास में खड़े अधिकारियों को हस्तगत कर समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान कराया जाएगा।

जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। हृदय रोग से पीड़ित एक महिला से उन्होंने कहा कि इलाज के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से पर्याप्त आर्थिक सहायता दी जाएगी। सीएम योगी ने जमीन कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में त्वरित व कड़े कदम उठाए जाएं। जमीन कब्जा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

मोहर्रम पर शहीदाने मरकजी कमेटी अमलाई ने किया विशाल लंगर का आयोजन, सर्वधर्म सद्भाव की मिसाल बनी परंपरा

समाज जागरण

नगर परिषद बरगवां-अमलाई अंतर्गत अमलाई कॉलोनी के दुर्गा मंदिर चौक में मोहर्रम के मातमी पर्व के अवसर पर शहीदाने मरकजी कमेटी अमलाई द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शुक्रवार, 26 जून को विशाल लंगर का आयोजन किया गया। यह सेवा कार्य पिछले लगभग 25झ26 वर्षों से निरंतर जारी है और क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द एवं भाईचारे की अनूठी मिसाल माना जाता है।

लंगर में सभी धर्मों एवं वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सेवा भाव से अपनी सहभागिता निभाई। इस अवसर पर वक्ताओं ने हजरत इमाम हुसैन की कुबार्नी को याद करते हुए उनके बताए सत्य, न्याय, इंसानियत और मानवता के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मोहर्रम का पर्व त्याग, बलिदान और मानव सेवा की प्रेरणा देता है तथा समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता को मजबूत करने का संदेश देता है। कार्यक्रम में नौशाद खान, मोहम्मद अर्श, मोहम्मद कैफ, मोहम्मद साहब, अदनान अहमद, शाहबाज खान, साबिर खान, मयंक सिंह, मयूर सिंह, विजय तिवारी, अफसर अली, पवन कुमार चीनी, अखिलेश सिंह, राहुल मिश्रा,संजय मोटवानी, राजीव रावत, मोहम्मद इदरीश, इसराइल अंसारी, अनीश नूरी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के अंत में कमेटी के सरपरस्त हाजी डॉ. सलीम अहमद एवं सदर इकबाल अहमद एडवोकेट ने लंगर आयोजन में सहयोग देने वाले सभी समाजजनों, स्वयंसेवकों एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

शहपुरा के मेरेगांव में अवैध रेत भंडारण पर बड़ी कार्रवाई, 20 लाख की 4 हजार घनमीटर रेत जब्त

समाज जागरण

जबलपुर/शहपुरा। जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं भंडारण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहपुरा तहसील के ग्राम मेरेगांव में अवैध रूप से भंडारित रेत जब्त की है। कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम मेरेगांव में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान करीब 4 हजार घनमीटर अवैध रेत भंडारण पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 20 लाख रुपये बताई गई है।

यह कार्रवाई खनि अधिकारी ए.के. राय एवं एसडीएम शहपुरा मदन सिंह रघुवंशी के मार्गदर्शन में की गई। मौके पर मिली अवैध रेत को जब्त कर आगामी आदेश तक ग्राम मेरेगांव के वार्ड पंच ज्ञानी सिंह राजपूत की सुपुर्दगी में सुरक्षित रखा गया है।

संयुक्त टीम में नायब तहसीलदार महेश सोलंकी, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट कल्याण सिंह क्षत्रि, थाना प्रभारी बेलखेड़ा धन्नू सिंह गौंड, खनि निरीक्षक विवेकानंद यादव, पटवारी दिलीप ठाकुर, होमगार्ड महेंद्र पटेल सहित पुलिस, राजस्व एवं खनिज विभाग का अमला शामिल रहा।

प्रशासन ने बताया कि मामले में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि जिले में अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

पुष्पराजगढ़ में 153 गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

समाज जागरण

अनूपपुर ।कलेक्टर हर्षल पंचोली के निदेर्शानुसार में जिले में सुरक्षित मातृत्व और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को विकासखंड पुष्पराजगढ़ के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और उनकी विशेषज्ञ मेडिकल टीम के नेतृत्व में आयोजित इस कैंप में क्षेत्र की कुल 153 गर्भवती महिलाओं ने पहुंचकर अपनी प्रसव-पूर्व स्वास्थ्य जांच कराई। इस दौरान डॉक्टरों द्वारा महिलाओं का ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन और शुगर सहित अन्य आवश्यक परीक्षण निःशुल्क किए गए।

सरकार ने गैर-घरेलू पैक्ड एलपीजी की आपूर्ति को संकट-पूर्व स्तर पर बहाल किया; क्षेत्रवार आपूर्ति प्रतिबंध हटाए गए

केंद्र सरकार ने औद्योगिक एवं वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ताओं को बड़ी राहत प्रदान करते हुए गैर-घरेलू पैक्ड एलपीजी की आपूर्ति पर सभी क्षेत्रीय प्रतिबंध को हटा दिया है और पश्चिम एशिया संकट से पूर्व की आपूर्ति स्थिति बहाल की है। इसके अलावा एलपीजी की विशाल आपूर्ति, जिसे संकट की शुरूआत में निलंबित कर दिया गया था, को संकट-पूर्व खपत स्तरों के 50 प्रतिशत तक बहाल किया गया है जिससे वाणिज्यिक एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं को महत्वपूर्ण राहत प्राप्त हुआ है। यह बहाली हाल ही में एलपीजी आपूर्ति की स्थिति में हुए सुधार के बाद की गई है।

पश्चिम-एशिया संकट के दौरान, घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के लिए, सरकार ने अनिवार्य वस्तु अधिनियम के अंतर्गत आदेश जारी किए थे, जिनमें सी3-सी4 स्ट्रीम को केवल एलपीजी उत्पादन के लिए इस्तेमाल करना था उन्हें पेट्रोकेमिकल व अन्य डाउनस्ट्रीम कामों से हटाकर इसके लिए उपयोग करना था।

देश में एलपीजी के बेहतर उत्पादन और आयातित एलपीजी कार्गो की अनुमानित उपलब्धता के मद्देनजर सरकार ने एलपीजी पूल में सी3-सी4 स्ट्रीम में परिवर्तन को कम करने का भी निर्णय लिया है।

एलपीजी के अलावा दूसरे कामों के लिए सी3-सी4 स्ट्रीम का बढ़ा हुआ आवंटन लागू किया जाएगा लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि घरेलू एलपीजी की उपलब्धता पर कोई असर न पड़े और देश में एलपीजी का कुल उत्पादन प्रतिदिन कम से कम 40 टीएमटी बना रहे।

मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले उच्च प्रौद्योगिकी केंद्र को पेट्रोकेमिकल तथा अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए उन्नत सी3-सी4 स्ट्रीम का संगठनवार आवंटन जारी करने एवं मंत्रालय को नियमित रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है।

पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न वैश्विक आपूर्ति बाधा उत्पन्न होने के बाद सरकार ने पूरे देश में घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की है। जिसके बाद कुछ समय के लिए वाणिज्यिक पैक एलपीजी की आपूर्ति पर अस्थायी प्रतिबंध लगाए गए। नीतिगत मध्यवर्तनों एवं तेल विपणन कंपनियों के समन्वित प्रयासों ने चुनौतीपूर्ण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला होने के बावजूद आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने में मदद की।

सरकार ने तेल विपणन कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे औद्योगिक एवं वाणिज्यिक एलपीजी ग्राहकों का पूरा डेटा बनाए रखें जिससे कुशल योजना और आपूर्ति प्रबंधन को सुगम बनाया जा सके। ओएमसी के बीच एक एकीकृत क्षेत्रीय डेटाबेस भी रखा जाएगा ताकि निगरानी एवं संचालन समन्वय को मजबूत किया जा सके। साथ ही, सरकार पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन का विस्तार करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। वाणिज्यिक एवं थोक उपभोक्ता, जो पहले ही पीएनजी पर स्थानांतरित हो चुके हैं वे पीएनजी का ही उपयोग करेंगे। अन्य पात्र एलपीजी उपभोक्ता, जिन्हें पीएनजी नेटवर्क उपलब्ध है या जो पीएनजी पर स्थानांतरित होने की प्रक्रिया में हैं, उन्हें सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन संस्थाओं के समन्वय से चरणबद्ध रूप से पीएनजी पर स्थानांतरित किया जाएगा। इस संबंध में, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव ने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर संशोधित आपूर्ति व्यवस्थाओं का सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

यह निर्णय सरकार के राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के सजग दृष्टिकोण को दशार्ता है, साथ ही देश की ऊर्जा आवश्यकताओं तथा साफ, सुरक्षित एवं अधिक कुशल ईंधनों तक पहुंच बढ़ाने की उसके निरंतर प्रतिबद्धता को भी प्रतिबिंबित करता है।

दूरसंचार विभाग ने भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं के बीच अरुणाचल प्रदेश के चार जिलों में अंतर-अंचल रोमिंग सेवा शुरू की

28 जून 2026 तक केयी पैन्योर, लोअर सुबनसिरी, अपर सुबनसिरी और पश्चिम सियांग जिलों में आईसीआर सेवा शुरू की गई इस कदम का उद्देश्य आपदा-स्थिति में निर्बाध दूरसंचार संपर्क सुनिश्चित करना है अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं के कारण दूरसंचार नेटवर्क में भारी व्यवधान के बाद, दूरसंचार विभाग (डॉट) ने दूरसंचार सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए तुरंत उपाय किये हैं।

आपदाओं के दौरान दूरसंचार की महत्वपूर्ण भूमिका को मानते हुए, दूरसंचार विभाग ने तुरंत अपने आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र को सक्रिय किया और सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को अरुणाचल प्रदेश के 4 जिलों - केयी पैन्योर, लोअर सुबनसिरी, अपर सुबनसिरी और पश्चिम सियांग में तीन दिनों की प्रारंभिक अवधि के लिए अंतर-अंचल रोमिंग (आईसीआर) सेवा सक्षम करने के निर्देश जारी किए।

प्रभावित क्षेत्रों में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं के बाद दूरसंचार अवसंरचना को व्यापक नुकसान हुआ। क्षेत्र से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, अचानक आई बाढ़ पोसा, यजाली में एनईईपीसीओ एक्सचेंज में प्रवेश कर गयी, जिससे एक्सचेंज का काम रुक गया। पोतिन और याजाली के बीच कई भूस्खलन ने लगभग 12 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) को नुकसान पहुँचाया, जिससे क्षेत्र में संचार सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। लगातार बारिश, भूस्खलन और वाणिज्यिक बिजली आपूर्ति में व्यवधान से बहाली के प्रयासों में और भी बाधा आयी है।

होज में ओएफसी अवसंरचना को हुए नुकसान के कारण सागली, लेम्मी, कंपु और सेप्पा क्षेत्रों में दूरसंचार-संपर्क प्रभावित हुआ। बहाली टीमों को तैनात किया गया है और वे सोपोझहोज मान मार्ग में दूरसंचार-संपर्क बहाल करने का काम कर रही हैं। आईसीआर के चालू होने से किसी भी सहभागी टेलिकॉम सेवा प्रदाता के मोबाइल ग्राहक उन जगहों पर अपने होम नेटवर्क के अस्थायी अनुपलब्ध होने पर स्वचालित रूप से किसी अन्य उपलब्ध नेटवर्क से जुड़ सकेंगे। यह सुविधा उन ग्राहकों के लिए भी उपलब्ध होगी, जो देश के अन्य हिस्सों से इन जिलों का दौरा कर रहे हैं। इस उपाय से प्रभावित निवासियों, आपदा प्रतिक्रिया टीमों, स्वास्थ्य कर्मियों और राहत एवं बचाव कार्यों में लगे सरकारी एजेंसियों के लिए संचार की उपलब्धता में काफी सुधार आने की उम्मीद है। दूरसंचार विभाग अपनी क्षेत्रीय इकाईयों के माध्यम से स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और प्रभावित क्षेत्रों में दूरसंचार सेवाओं की जल्दी बहाली के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के साथ समन्वय कर रहा है।

आईसीआर क्या है और इसे कैसे इस्तेमाल करें:

अंतर-अंचल रोमिंग (आईसीआर) एक दूरसंचार व्यवस्था है जहाँ एक मोबाइल ग्राहक एक ही दूरसंचार अंचल (क्षेत्र) के भीतर दूसरे सेवा प्रदाता के नेटवर्क से जुड़ता है। इससे उपयोगकताओं को मोबाइल सेवाओं का उपयोग करने का फायदा मिलता

लखपतेरी में की शराब बेचनेवाले के विरुद्ध की ठोस कार्यवाही

समाज जागरण

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा व्दारा आपरेशन शिकंजा के तहत कार्यवाही को निर्देशित किया गया था जिसके पालन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया, थाना प्रभारी माधवनगर संजय दुबे के मार्ग दर्शन में चौकी प्रभारी निवार अंजनी मिश्र ने क्षेत्र में अवैध रूप से शराब बेचनेवाले के विरूद्ध की कार्यवाही मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि आज दिनांक 25/06/26 को जरिये मुखबिर के सूचना मिली की ग्राम लखापतेरी एन.एच.30 रोड पर गट्टानी पेट्रोल पंप के बगल में एक व्यक्ति खाखी रंग के कार्टून में अवैध शराब अपने पास रखकर बेचने के लिये बैठा हैं कि सूचना पर ग्राम लखापतेरी एन .एच.30 रोड पर गट्टानी पेट्रोल पंप के बगल में पहुँचे जो मुखविर के बताये अनुसार व्यक्ति दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे दौडकर पकडे जिसके पास में खाकी रंग के कार्टून में अवैध शराब रखे मिला जिसका नाम पता पूछे तो अपना नाम सहदेव उर्फ छोटे जायसवाल पिता रामकुमार जाय सवाल उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम लखनवारा थाना स्लीमनाबाद जिला कटनी का रहने वाला बताया जिसके कब्जे से मिले कार्टून को खुलवा कर देखे तो 30 पाव देशी मसाला शराब शील बंद कीमती 3000/रू की मिली जिसे शराब रखने बेचने का लाइसेंस पूछा गया तो न होना बताया जिसका कृत्य अपराध धारा 34(A) आ.एक्ट का पाये जाने से समक्ष गवाहों के आरोपी के कब्जे से मुताबिक जप्ती पत्रक के 30 पाव देशी मसाला शराब शील बंद जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया आरोपी को उपरोक्त जुर्म सदर से अवगत कराकर मामले मे 7 वर्ष से कम सजा का प्रावधान होने से धारा 35(3) बी.एन.एस.एस. का नोटिस तामील किया गया अपराध पंजीबद्द कर विवेचना मे लिया गया ।

पुलिस कार्यवाही में चौकी प्रभारी सउनि अजनी मिश्र,आरक्षक अरविंद कुश वाहा ,आरक्षक की विशेष भूमिका रही

ज्वाला धाम ने निपनिया ग्राम पंचायत के गौशाला को लिया कब्जे में

जन सुनवाई में शिकायत के बाद कार्यवाही का इंतजार

समाज जागरण

उमरिया --- ज्वाला धाम ऊंचेहरा की हडप नीति का कारनामा ऊंचेहरा ग्राम पंचायत से बढकर निपनिया ग्राम पंचायत को भी अपने गिरफ्त में ले लिया है। विदित होवे की निपनिया ग्राम पंचायत में बनी गौशाला पर अतिक्रमण करते हुए ज्वाला धाम ने अपने कब्जे में ले लिया है। विदित होवे की निपनिया ग्राम पंचायत की वर्क आई डी 174000 2080/A v/1/ 22012034514047 के लागत 38 लाख 5 हजार से प्रारंभ कराया गया था, जो गौशाला लगभग बनकर तैयार हो गया है, लेकिन इस गौशाला को ग्राम पंचायत निपनिया के व्दारा शासकीय गौशाला को ज्वाला धाम के हवाले कर दिया गया है। ज्वाला धाम और ग्राम पंचायत के सरपंच की इस मिलीभगत के कारण न सिर्फ शासकीय धन राशि के दुरुपयोग करने का मामला है , साथ ही मध्यप्रदेश शासन की गौशाला के उदेश्य को भी पलीता लगता दिखाई दे रहा है।

मध्यप्रदेश शासन का गौशालाओं की व्यवस्था करने के पीछे मुख्य उद्देश्य गायों को कसाई खाना जाने से रोकने के लिए लावारिस, बूढ़ी, अपंग, बीमार, दूध न देने वाली गायों और सडक पर गायों की मौत रोकने के लिए गौशालाओं की व्यवस्था की व्यवस्था की गयी है, लेकिन इसके उलट फेर निपनिया ग्राम पंचायत में बनी गौशाला में ज्वाला धाम गौशाला की गायों को रखने के लिये उपयोग के लिए कब्जा करके रख लिया गया है, जिससे सिर्फ न शासन की मंशा को धक्का लगा है, साथ ही आवारा गाय आज भी सडकों में दुर्घटनाओं की शिकार हो रही है, और ज्वाला समिति शासकीय गौशाला में कब्जा कर मनमर्जी का राज कायम कर रखी है, जबकि सरकार की मंशा यह थी कि गौशाला में केवल गाय पालने के लिए आवारा गायों से किसानों की फसल बचाने और जैविक खाद उपलब्ध कराना था।

इस बात की शिकायत निपनिया ग्राम पंचायत के आंनद कुमार गौतम ने कलेक्टर उमरिया की जन सुनवाई में करते हुए अतिक्रमित गौशाला को मुक्त कराने का आवेदन पत्र दिया गया है। इस बात की शिकायत जन कल्याण शिविर करकेली में भी करते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अम्बिकेश प्रताप से की गयी है,

यद्यपि इस मामले में प्रशासन ने फिलहाल अब तक कोई जांच कार्यवाही नहीं की है।

विदित होवे की उमरिया जिले में जब से नवागत कलेक्टर श्री मती राखी सहाय जी पद भार ग्रहण की है, तब से लोगों को खानापूर्ति से ऊपर उठकर लाभ मिलता आ रहा था, लेकिन इस मामले में जांच अधिकारियों के कारण सही न्याय मिलने में और कितना वक्त लगेगा कह पाना कठिन है।

शासकीय गौशाला मंदिर को दिया जा सकता है?

शासकीय धन राशि व्यय कर निर्मित किसी भी गौशाला को किसी भी मंदिर प्रबंध समिति,किसी टस्ट या धर्मावलंबियों को नहीं दिया जा सकता , संविधान का अनुछेद 27 में स्पष्ट प्रावधान है की राज्य शासकीय धन राशि को ऐसे किसी भी धर्म स्थल को शासकीय परिसंपत्तियों को नहीं दे सकती, जिसमें शासकीय धन राशि का उपयोग किया गया है।

ज्वाला धाम का शुरू से कब्जा

ग्राम पंचायत निपनिया में गौशाला की स्वीकृति होने के बाद भले ही शासकीय रिकार्ड में निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत निपनिया को बतलाया गया हो, लेकिन इसके पूरे निर्माण कार्य में ज्वाला धाम के कतिपय कर्ण धारों ने ही चांदी काटी है । निर्माण कार्य से ही ज्वाला धाम ने अतिक्रमण करते हुए आज भी अपने कब्जे में लेकर ज्वाला धाम की गौशाला की गायों को रखने का काम करती आ रही है। इस गौशाला में ग्राम पंचायत निपनिया का अधिपत्य न होकर ज्वाला धाम का ही अधिपत्य बना हुआ है, जो सरासर नियमों का उल्लंघन है, फिर भी इसको देखने, सुनने वाला कोई नहीं है।

इस गौशाला को दिखा कर वसूला चंदा

विदित होवे की शासकीय गौशाला जो मध्यप्रदेश शासन व्दारा निपनिया में बनाया जा रहा था, चूंकि इसके निर्माण से ही ज्वाला धाम समिति कब्जा कर रखी थी, जिस वजह से इस गौशाला के नाम पर दान दाताओं से भी जमकर वसूली की जाने की बातें बतायी जा रही हैं। बताया जाता है कि गौशाला परिसर ज्वाला धाम से साफ तौर पर दिखाई दे रहा था, जिसको दिखाकर चंदा एकत्रित करने का गोरख धंधा भी खूब चला। हलांकि इसके कोई कागजी प्रमाण नहीं है, फिर भी धुंआ वही उठता है जहाँ आग होती है।

पहले से पंचायत की संपत्ति हडपने के आरोप

मालुम होवे की ज्वाला धाम की प्रबंध समिति में पहले से ही उंचेहरा ग्राम पंचायत की परिस्थितियों को हडपने और उन्हें व्यवसायिक उपयोग करने के आरोप लगे हैं, जो की वास्तविक और हकीकत में दिखाई दे रहे हैं, फिर भी न जिला प्रशासन और ना ही ग्राम पंचायत कभी भी इस ओर आवश्यक कार्यवाही की है, इसी से बढे मंसूबों ने निपनिया ग्राम पंचायत की गौशाला को भी अपने गिरफ्त में ले रखा है । मामला जिले की कलेक्टर के संज्ञान में है अब इस गंभीर मसले में क्या कदम उठाती है जिस पर सबकी नजरें लगी हुई है।

बलात्कार का प्रयास करने वाले के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने में

असफल पीड़िता ,चर्चित अधिवक्ता प्रेम दुबे ने की सीपी से शिकायत

समाज जागरण सुनील बाजपेई

कानपुर। इस महानगर में वासना के दरिंदो की सक्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। वह आए दिन किसी न किसी लड़की को अपना शिकार बनाने में सफल हो रहे हैं। ऐसी ही एक और घटना का शिकार एक और युवती हो गई।

यह मामला चौबेपुर थाना क्षेत्र का है ,जहां गांव में रहने वाली युवती ने गांव के ही एक युवक पर जबरन पकड़कर अश्लील हरकत करने और दुष्कर्म का प्रयास करने का गंभीर आरोप लगाया है।

उसका आरोप यह भी है कि घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस ने न तो प्राथमिकी दर्ज की है और न ही आरोपियों के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई की है। जिसके खिलाफ हर किसी के सुख-दुख में सदैव खड़े होने वाले समाज सेवा के क्षेत्र में भी अग्रणी और पीड़ितों को हर हाल में न्याय दिलाने के लिए भी चर्चित तेजतर्रार और व्यवहार कुशल अधिवक्ता प्रेम नारायण दुबे ने भी पुलिस के खिलाफ जोरदार मोर्चा खोल दिया है। आयोजित प्रेस वार्ता में अपने अधिवक्ता प्रेम नारायण दुबे के माध्यम से पीड़िता ने बताया कि उसके पिता ई-रिक्शा चालक हैं। आरोप है कि 10 जून की रात वह अपने पिता के ई-रिक्शा का चार्जर निकालकर घर में रखने जा रही थी, तभी गांव निवासी जय तिवारी अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचा और उसे जबरन पकड़ लिया। युवती का आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ अश्लील हरकतें कीं तथा दुष्कर्म का प्रयास किया। शोर मचाने पर आसपास के लोगों के आने की आहट पाकर आरोपी और उसके साथी मौके से फरार हो गए। घटना के तुरंत बाद पीड़िता ने डायल-112 पर सूचना दी और थाना चौबेपुर में शिकायत दर्ज कराई। इसके बावजूद कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने का आरोप पीड़िता ने लगाया है। पीड़िता को हर हाल में न्याय दिलाने के लिए कटिबद्ध अधिवक्ता प्रेम नारायण दुबे ने बताया कि मामले की शिकायत पुलिस आयुक्त तथा डीसीपी वेस्ट से भी की गई है, लेकिन अब तक आरोपियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने पूरे भा मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कि किए जाने की जोरदार मांग भी की है। फिलहाल इस मामले की जांच डीसीपी वेस्ट कासिम आबिदी ने एडीसीपी वेस्ट राजेश कुमार पाण्डेय को सौंपी है। जिसकी जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आवश्यक विधिक आ कार्रवाई की जाएगी।

150 करोड़ और उससे ज्यादा लागत वाली केंद्रीय क्षेत्र की अवसंरचना परियोजनाओं पर त्वरित रिपोर्ट

'पैमाना' पोर्टल मई 2026 तक 42.50 लाख करोड़ रुपये की 1,987 अवसंरचना परियोजनाओं की निगरानी कर रहा है सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय अपने 'पैमाना' प्लेटफॉर्म के माध्यम से केंद्रीय क्षेत्र की अवसंरचना परियोजनाओं की निगरानी को लगातार बेहतर बना रहा है। यह प्लेटफॉर्म सभी मंत्रालयों में परियोजनाओं का बेहतर ढंग से ट्रैक रखने, समय पर समीक्षा और डेटा-आधारित निर्णय लेने में सक्षम बना रहा है। यह पोर्टल मई 2026 तक 42.50 लाख करोड़ रुपये की 1,987 अवसंरचना परियोजनाओं की निगरानी कर रहा है।

मुख्य विशेषताएं

मई 2026 तक, 42.50 लाख करोड़ रुपये की कुल संशोधित लागत वाली 1,987 चालू अवसंरचना परियोजनाओं की निगरानी 17 केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों में की जा रही है। इन परियोजनाओं पर अब तक 21.82 लाख करोड़ रुपये का संचयी व्यय हो चुका है, जो संशोधित परियोजना लागत का लगभग 51.34 प्रतिशत है। यह परियोजना के कार्यान्वयन में निरंतर प्रगति को दशार्ता है। परियोजनाओं का एक बड़ा हिस्सा अपने अग्रिम चरणों में है, जिसमें 817 परियोजनाओं (प्त41%) ने 80% से अधिक का काम पूरा हो चुका है, जबकि 280 परियोजनाओं (प्त14%) ने 80% से अधिक वित्तीय पूर्णता हासिल कर ली है। यह आंकड़े एक संतुलित प्रगति को भी दशार्ते हैं, जिसमें परियोजनाएं कार्यान्वयन के शुरूआती और अग्रिम दोनों चरणों में समान रूप से वितरित हैं।

भौतिक और वित्तीय प्रगति मोटे तौर पर एक साथ (एक ही गति से) आगे बढ़ती है। इसमें बड़ी संख्या में परियोजनाएं शुरूआती (0-20%) और अग्रिम (81-100%) चरणों में केंद्रित हैं, जो यह दशार्ती हैं कि जहां कई नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं, वहीं कई अन्य पूर्ण होने के करीब हैं। हालांकि 81-100% के दायरे में भौतिक प्रगति वित्तीय प्रगति से अधिक है, लेकिन शुरूआती चरणों में वित्तीय प्रगति तुलनात्मक रूप से अधिक है, जो परियोजना कार्यान्वयन में शुरूआत में होने वाले अग्रिम व्यय के पैटर्न को दशार्ती है।

अवसंरचना परियोजनाओं की मंत्रालय/विभाग-वार प्रगति

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के पास (1,149 परियोजनाएं या 58%) सबसे अधिक परियोजनाएं हैं। कुल संशोधित परियोजना लागत में इसकी हिस्सेदारी 10.95 लाख करोड़ रुपये (26%) है, जो राष्ट्रीय अवसंरचना के विकास में इसकी अहम भूमिका को उजागर करती है। रेल मंत्रालय 261 परियोजनाओं (13%) का कार्यान्वयन कर रहा है, जिसकी कुल संशोधित परियोजना लागत 8.79 लाख करोड़ रुपये (21%) है।

कोयला मंत्रालय 121 परियोजनाओं (6%) के कार्यान्वयन का जिम्मा संभाले हुए है, जिसकी कुल संशोधित परियोजना लागत 2.23 लाख करोड़ रुपये (5%) है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, विद्युत मंत्रालय, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय तथा जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग क्रमशः 109, 101, 50 और 40 परियोजनाओं का कार्यान्वयन कर रहे हैं, जिनकी संबंधित संशोधित लागत क्रमशः 5.14 लाख करोड़ रुपये, 5.77 लाख करोड़ रुपये, 3.65 लाख करोड़ रुपये और 2.04 लाख करोड़ रुपये है। शेष 156 परियोजनाएं (8%), जिनकी कुल संशोधित लागत 3.93 लाख करोड़ रुपये (9%) है, विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में बंटी हुई हैं। इनमें उच्च शिक्षा, नागरिक उड्डयन, इस्पात, दूरसंचार, श्रम और रोजगार, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, खान, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग तथा खेल मंत्रालय शामिल हैं। (अनुलग्नक 1 देखें) क्षेत्र-वार (डीईए की बुनियादी ढांचे की समरूप मास्टर सूची के अनुसार) अवसंरचना परियोजनाओं की क्षेत्र-वार प्रगति परिवहन और लॉजिस्टिक्स प्रमुख क्षेत्र बना हुआ है, जो 1,476 परियोजनाओं (कुल परियोजनाओं का 74%) के साथ कुल संशोधित लागत का 55% (23.50 लाख करोड़ रुपये) हिस्सा रखता है। यह आर्थिक एकीकरण और लॉजिस्टिक्स की क्षमता बढ़ाने में सड़कों और राजमार्गों, रेलवे, विमानन, शहरी सार्वजनिक परिवहन, पोत परिवहन और अंतर्देशीय जलमार्गों की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करता है।

ऊर्जा क्षेत्र 214 परियोजनाओं के साथ कुल संशोधित लागत के 27% (11.25 लाख करोड़ रुपये) हिस्से के साथ दूसरे स्थान पर है, जो तेल और गैस अवसंरचना, बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण नेटवर्क, तथा ऊर्जा भंडारण प्रणालियों पर निरंतर दिए जा रहे जोर को दशार्ता है। संचार अवसंरचना, 12 परियोजनाओं के तहत 2.53 लाख करोड़ रुपये (5%) की संशोधित लागत के साथ, डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के उद्देश्य से किए जा रहे लक्षित प्रयासों को प्रदर्शित करती है। जल और स्वच्छता परियोजनाएं 56 परियोजनाओं के तहत 2.08 लाख करोड़ रुपये (5%) की हिस्सेदारी रखती हैं, जो आवश्यक शहरी सेवाओं पर निरंतर दिए जा रहे ध्यान को उजागर करती हैं।

सामाजिक और वाणिज्यिक अवसंरचना, जिसमें 88 परियोजनाएं शामिल हैं और जिनकी संशोधित लागत 0.94 लाख करोड़ रुपये (2%) है, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रियल एस्टेट, तथा पर्यटन, आतिथ्य और आरोग्य के क्षेत्रों में किए जा रहे चुनिंदा निवेश को दशार्ता है।

'अन्य' श्रेणी के तहत वगीर्कृत परियोजनाएं, जो 141 परियोजनाओं के माध्यम से 2.19 लाख करोड़ रुपये (5%) की राशि की हैं, कोयला, इस्पात, धातु और खनन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विविधीकरण को दशार्ती हैं।

पशु भी चाहते हैं आजादी और प्रेमपूर्ण व्यवहार

दरअसल, देश भर में जंगलों की तेजी से कटाई के कारण वन्य पशुओं का आशियाना दिनोंदिन उजड़ता जा रहा है। आज विश्व की कुल जनसंख्या 08 अरब (08 अरब साढ़े 17 करोड़) से भी अधिक हो चुकी है और प्रत्येक वर्ष इससे दो गुना से भी ज्यादा लगभग 18 अरब तक वृक्षों की कटाई हो रही है। बढ़ती जनसंख्या और घटती वन-संपदा ने जिन कुछ प्रमुख समस्याओं को जन्म दिया या बढ़ाया है, उनमें सर्वाधिक चिंतनीय और घातक समस्या वन्य पशुओं का लगातार बढ़ता हुआ आतंक है। उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिले बहराइच का प्रकरण सामने है, जहां मार्च 2024 में शुरू हुए भेड़ियों के खूनी हमलों के सर्वाधिक शिकार इलाके के छोटे-छोटे बच्चे हुए। इन हमलों में अब तक लगभग 10 बच्चों समेत कम-से-कम एक दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 40 से अधिक लोग घायल हुए हैं। दुर्भाग्य से घायलों में भी अधिकतर बच्चे ही हैं। वैसे देखा जाए तो भेड़िए ही नहीं, बल्कि हाथी, शेर, सियार, तेंदुआ, चीता, भेड़िया, भालू और बाघ जैसे बेहद खूंखार और भयावह वन्य पशुओं का मानव बस्तियों में अतिक्रमण और उनके द्वारा मनुष्यों, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं पर हमले किए जाने की घटनाएं दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में बाघों, भालुओं, तेंदुओं और जंगली हाथियों, मध्य प्रदेश में सियारों एवं पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में जंगली हाथियों के हमले मनुष्यों कोई नई बात नहीं है। निर्विवाद रूप से ये घटनाएं अत्यंत दुरूखद और भयावह हैं। इसलिए लोगों का आक्रोशित होना उचित है, लेकिन प्रश्न है कि आखिर जंगल में आजाद विचरण करने, छोटे वन्य पशुओं का शिकार कर अपना तथा परिवार का भरण-पोषण करने और सामान्यतः अपने परिवार के साथ जीवन यापन करने वाले ये भेड़िए इतने खूंखार क्यों हो गए कि हमारे छोटे-छोटे मासूम बच्चों को मारकर खाने लगे। दरअसल, देश भर में जंगलों की तेजी से कटाई के कारण वन्य पशुओं का आशियाना दिनोंदिन उजड़ता जा रहा है। आज विश्व की कुल जनसंख्या 08 अरब (08 अरब साढ़े 17 करोड़) से भी अधिक हो चुकी है और प्रत्येक वर्ष इससे दो गुना से भी ज्यादा लगभग 18 अरब तक वृक्षों की कटाई हो रही है। पेड़ों की इस अंधाधुंध कटाई की भरपाई किए जाने का एक ही तरीका हो सकता है और वह है तीव्र गति से नए पौधों का रोपण और उनकी देखभाल करना यानी जितने पेड़ प्रत्येक वर्ष काटे जा रहे हैं, कम-से-कम उतने पौधे भी दुनिया भर में लगाए जाएं। हालांकि उन पौधों के पेड़ बनने में कई वर्ष लग जाते हैं। इसलिए वास्तव में पौधरोपण की जो वर्तमान दर और गति है, उससे लगातार नष्ट किए जा रहे जंगलों के एवज में नए जंगल उगा पाना संभव नहीं है। तात्पर्य यह कि पौधरोपण वन्य पशुओं के प्राकृतिक रहवास और पर्यावरण दोनों को बचाने का सर्वश्रेष्ठ विकल्प तो अवश्य है, किंतु इस कार्य में पूर्ण रूप से सफलता प्राप्त करने के लिए पौधरोपण की गति को हमें इस हद तक बढ़ाना होगा कि जितने वृक्ष प्रत्येक वर्ष दुनिया भर में काटे जाते हैं, कम-से-कम उससे डेढ़ गुना तक पौधे तो अवश्य ही लगाए जाएं, जबकि प्रत्येक वर्ष 18 अरब काटे जाने वाले वृक्षों की तुलना में आज दुनिया भर में मात्र पांच अरब पौधे ही लगाए जा रहे हैं। जाहिर है कि इस प्रकार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की भरपाई संभव नहीं होगी। यह विडंबना ही है कि भारत में भी वृक्षों की अंधाधुंध कटाई जारी है। लोकसभा में एक सवाल के जवाब में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने 21 मार्च 2022 को बताया था कि वर्ष 2020-21 के दौरान भारत में सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निर्माण और विकास के लिए लगभग 31 लाख पेड़ काट दिए गए। वन (संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत काटे गए पेड़ों के बदले में प्रतिपूरक वनीकरण की योजना चलाकर मोदी सरकार ने 359 करोड़ रुपये की लागत से 3.6 करोड़ से अधिक पौधे लगाए, जो नाकाफी प्रतीत होते हैं, क्योंकि फिलहाल इससे संबंधित कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है कि उनमें से कितने पौधे बचाए गए और कितने नष्ट होने के लिए छोड़ दिए गए। बहरहाल, वनों की अंधाधुंध कटाई के कारण दिनोंदिन वन्य पशुओं का प्राकृतिक रहवास सिकुड़ता जा रहा है, इससे इनके लिए भोजन-पानी की बहुत बड़ी समस्या पैदा हो गई है। इसीलिए वन्य पशु भोजन-पानी की तलाश में मानव बस्तियों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर हुए हैं। वैसे भेड़ियों की बात करें तो ये स्वभाव से खूंखार तो होते हैं, परंतु सारे भेड़िए आदमखोर नहीं होते। हालांकि प्रतिशोध लेने में ये अत्यंत माहिर होते हैं। इसलिए यदि इनको या इनके परिवार के सदस्यों को क्षति पहुंचाने का प्रयास किया जाए तो ये कतई सहन नहीं करते और अपने शत्रुओं से चुन-चुनकर बदला लेते हैं। ऐसे कुछ उदाहरण दुनिया में मौजूद हैं, जिनमें भेड़ियों अथवा उनके बच्चों को मनुष्यों के द्वारा क्षति पहुंचाए जाने के बाद ये खूंखार हो गए और जब तक अपना बदला पूरा नहीं कर लिया, तब तक इनकी आक्रामकता कम नहीं हुई। आज से लगभग 25 वर्ष पूर्व ऐसी ही एक घटना उत्तर प्रदेश के जौनपुर और प्रतापगढ़ जिलों में सई नदी के कछार पर घटी थी, जिसमें भेड़ियों के हमलों में इलाके के 50 से भी अधिक मासूम बच्चों की मौत हो गई थी। उस समय पड़ताल करने पर यह पता चला था कि कुछ इंसानी बच्चों ने भेड़ियों की एक मांद में घुसकर उनके दो बच्चों को मार डाला था, जिसके प्रतिशोध स्वरूप भेड़ियों ने जोरदार हमले कर मनुष्यों के 50 से भी अधिक मासूम बच्चों को मौत के घाट उतार दिया था। उस दौरान वन विभाग के द्वारा चलाए गए भेड़ियों के धर-पकड़ अभियान में कुछ भेड़िए पकड़े भी गए थे, लेकिन उनके बीच में मौजूद आदमखोर जोड़ा हमेशा बचता रहा और बदला लेने के मिशन में लगातार कामयाब भी होता गया। हालांकि बाद में आदमखोर भेड़ियों को वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा गोली मार दी गई और अंततरू भेड़ियों का खूनी आतंक खत्म हो पाया था। गौर करें तो इस बार भी बहराइच की घटनाओं में भेड़ियों का वही व्यवहार... वही पैटर्न सफल होता हुआ प्रतीत हो रहा है। सबसे बड़े दुरूख की बात तो यह है कि एक बार फिर इन भेड़ियों की जान खतरे में आ गई है, क्योंकि शासन-प्रशासन की ओर से बेकाबू हो चुके इन आदमखोर भेड़ियों को गोली मार देने का आदेश दे दिया गया है। वैसे भेड़ियों के विरूद्ध की जाने वाली सरकारी कार्रवाइयों पर गौर करें तो उनके जीवन का सर्वाधिक स्याह पक्ष अंग्रेजों के समय का है, जब ब्रिटिश सरकार की ओर से भेड़ियों को मारने का बड़ा अभियान चलाकर 40 सालों में एक लाख से भी अधिक भेड़ियों को शिकारियों ने मार डाला था और ब्रिटिश राज की तरफ से ईनाम भी प्राप्त किया था। देखा जाए तो मनुष्य और वन्य पशुओं के बीच जारी संघर्षों का यह सिलसिला बेहद गंभीर और चिंताजनक है। इसलिए समय रहते इसका हल ढूंढना जरूरी है। अन्यथा यह समस्या अत्यंत विकराल रूप भी ले सकती है। ऐसे में जरूरी है कि केंद्र और राज्य सरकारें वन्य प्राणी विशेषज्ञों की सलाह लेकर वन्य पशुओं के प्राकृतिक आवासों को संरक्षित करने तथा बड़े स्तर पर वनीकरण अभियान चलाकर वनों के विकास करने की दिशा में कुछ ठोस और सकारात्मक कदम उठाएं, ताकि हमारे वन्य साथी आजादी से अपने घरों में बेफिक्र होकर रह सकें। संभव है कि इन प्रयासों के फलीभूत होने में कई वर्ष लग जाएं, लेकिन इस दौरान एक कार्य किया जा सकता है, वह है इन वन्य प्राणियों के साथ प्रेमपूर्ण आचार और व्यवहार करना। इसमें कोई संदेह नहीं कि यदि इन वन्य पशुओं के विरूद्ध क्रूरता के बदले में दया का भाव दर्शाया जाए और इनको लाड़-प्यार दिया जाए तो मनुष्यों के प्रति इनके हिंस्र व्यवहारों में भी परिवर्तन आ सकता है।

रात में देर से सोते हैं तो हो जाएं सावधान! नींद पूरी ना होने से हो सकती हैं डायबिटीज

जब हम सोते हैं तो हमारे दिमाग में कई तरह के केमिकल रिएक्शन होते हैं जिससे हमारे शरीर को ठीक तरह से काम करने में मदद मिलती है। अगर हम कम सोएं या हमारी नींद पूरी ना हो तो इससे हमारे शरीर में कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं।सोना हमारे लिए कितना जरुरी है यह तो आप जानते ही होंगे। दिनभर की भागदौड़ और थकान के बाद जब हम सोते हैं तो हमारे दिमाग में कई तरह के केमिकल रिएक्शन होते हैं जिससे हमारे शरीर को ठीक तरह से काम करने में मदद मिलती है। अगर हम कम सोएं या हमारी नींद पूरी ना हो तो इससे हमें थकान महसूस होने लगती है। यदि हम लगातार कम सोएं तो इससे हमारे शरीर में कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कम सोने की वजह से हमारी

सेहत को क्या नुकसान होता है -

डायबिटीज़

नींद ना पूरी होने के कारण डायबिटीज़ का खतरा भी बढ़ जाता है। जब हम पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं तो इससे हमारे शरीर में इंसुलिन का लेवल कम होने लगता है। जो लोग 5 घंटे या उससे कम नींद लेते हैं उनका ब्लड शुगर लेवल ज्यादा होता है और ऐसे लोगों में टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

वजन बढ़ना

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आपके बढ़े हुए वजन का कारण नींद की कमी भी हो सकता है। दरअसल, जब हम लगातार 5 घंटे या उससे कम सोते हैं तो इससे हमारे दिमाग में कई केमिकल रिएक्शन होते हैं। इसके परिणामस्वरूप पेट भरा होने के बावजूद हमारा दिमाग हमें और खाने का संकेत देता है। ऐसे में हम भूख से अधिक खा लेते हैं जिससे हमारा वजन बढ़ता है।

सेक्स ड्राइव में कमी

नींद ना पूरी होने के कारण हमारी सेक्स लाइफ भी प्रभावित हो सकती है। जब हम 5 घंटे या उससे कम नींद लेते हैं तो इससे हमारे शरीर में हॉर्मोनल असंतुलन होने लगता है। इससे हमारी सेक्स ड्राइव भी कम होने लगती है और हम अपनी सेक्स लाइफ एंजॉय नहीं कर पाते हैं।

नींद के दौरान हमारे दिमाग में कई केमिकल एक्शंस होते हैं। जब हम सोते हैं तो हमारा दिमाग में कुछ ऐसे केमिकल फंक्शन होते है जो हमें चीज़ों को याद रखने में मदद करते हैं। नींद ना पूरी होने के कारण ये फंक्शन ठीक से नहीं हो पाते हैं जिसके कारण हमारी याद्दाश्त पर प्रभाव पड़ता है। जब हम ठीक से नहीं सोते हैं तो हमें याद्दाश्त संबंधित समस्याएं होने लगती हैं।

एंग्जायटी और डिप्रेशन

नींद पूरी ना होने के कारण हमारे दिमाग पर भी प्रभाव होता है। जब हम ठीक से नहीं सो पाते हैं तो इससे हमारा दिमाग थका हुआ महसूस करता है। नींद ना पूरी होने के कारण स्ट्रेस, एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी समस्याओं का खतरा अधिक बढ़ जाता है। नींद ना पूरी होने के कारण व्यक्ति थका हुआ और चिड़चिड़ापन महसूस करता है।

इम्युनिटी कमजोर होना

नींद ना पूरी होने के कारण हमारी इम्युनिटी पर नकारत्मक प्रभाव पड़ता है। इससे हमारा शरीर आंतरिक तौर पर कमजोर हो जाता है। ऐसी स्थिति में हमारा शरीर बीमारियों के चपेट में जल्दी आ जाता है। नींद ना पूरी होने के कारण सर्दी-जुखाम, संक्रमण आदि का खतरा अधिक बढ़ जाता है।

ब्रेन मलेरिया का बढ़ता कहर : 24 घंटे में दो स्कूली बच्चों की मौत से पोटका में दहशत

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

पोटकाः पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड में ब्रेन मलेरिया का प्रकोप गंभीर रूप लेता दिखाई दे रहा है। बीते 24 घंटे के भीतर दो स्कूली बच्चों की मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। मृतकों में पीएमश्री कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, पोटका की सातवीं कक्षा की छात्रा लख्खी सरदार तथा हितवासा पंचायत के दौड़दोड़िया गांव का आठ वर्षीय छात्र राहुल सरदार शामिल हैं। चिकित्सकों के अनुसार दोनों बच्चों में ब्रेन मलेरिया के लक्षण पाए गए थे। लगातार सामने आ रहे मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है, जबकि ग्रामीणों में भय और शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, सानग्राम पंचायत के सानग्राम गांव निवासी लख्खी सरदार के माता-पिता का वर्षों पहले निधन हो चुका था। अनाथ होने के कारण परिजनों ने उसकी बेहतर शिक्षा और भविष्य की उम्मीद में पीएमश्री कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में नामांकन कराया था। विद्यालय में पढ़ाई के दौरान अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे तेज बुखार आने लगा। विद्यालय प्रबंधन ने तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पोटका में भर्ती कराया। वहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल रेफर किया। हालत में सुधार नहीं होने पर उसे एमजीएम अस्पताल भेजा गया, जहां बुधवार शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दूसरी ओर, हितवासा पंचायत के दौड़दोड़िया गांव निवासी आठ वर्षीय राहुल सरदार, जो दूसरी कक्षा का छात्र था, सोमवार को बुखार से पीड़ित हुआ। परिजनों ने शुरूआत में उसका इलाज एक स्थानीय झोलाछाप चिकित्सक से कराया, लेकिन उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती गई। बाद में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पोटका लाया गया, जहां से चिकित्सकों ने तत्काल एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया। इलाज के दौरान बुधवार को राहुल ने भी दम तोड़ दिया।

दोनों बच्चों की मौत के बाद पूरे पोटका क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर बीमारी की सही पहचान और समुचित उपचार मिलता, तो शायद दोनों बच्चों की जान बचाई जा सकती थी।

लख्खी सरदार की मौत के बाद सानग्राम पंचायत के मुखिया ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की स्वास्थ्य एवं आवासीय व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार छात्राओं की शिक्षा और सुरक्षा पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन यदि विद्यालय में समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं, तो यह बेहद गंभीर विषय है। उन्होंने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि किसी स्तर पर लापरवाही हुई है तो दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

मृत छात्रा के परिजनों ने भी निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि इतनी कम उम्र में बीमारी के कारण बच्ची की मौत अत्यंत दुखद है। उन्होंने प्रशासन से जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर आवश्यक कदम उठाने की अपील की है।

इधर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पोटका के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रजनी महाकुड़ ने बताया कि लख्खी सरदार और राहुल सरदार दोनों ब्रेन मलेरिया से संक्रमित थे। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए एमजीएम अस्पताल रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

उन्होंने बताया कि पोटका प्रखंड के कई गांवों से मलेरिया के मरीज सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक जांच अभियान शुरू कर दिया है। सभी सहिया और स्वास्थ्यकर्मियों को मलेरिया जांच किट उपलब्ध करा दी गई है तथा गांव-गांव जाकर लोगों की जांच की जा रही है।

डॉ. महाकुड़ ने बताया कि पीएमश्री कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में 37 छात्राओं की मलेरिया जांच की गई, जिनकी रिपोर्ट निगेटिव आई है। वहीं सानग्राम गांव में 23 लोगों की जांच के दौरान एक व्यक्ति मलेरिया पॉजिटिव पाया गया है। प्रभावित क्षेत्रों में लगातार सर्वे, जांच, दवा वितरण और निगरानी का कार्य जारी है।

स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि बुखार आने पर स्वयं दवा लेने या झोलाछाप चिकित्सकों के भरोसे रहने के बजाय तुरंत सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं। साथ ही मच्छरदानी का नियमित उपयोग करें, घरों के आसपास पानी जमा न होने दें और मलेरिया के किसी भी लक्षण को नजरअंदाज न करें। प्रशासन का कहना है कि समय पर जांच और उपचार से मलेरिया जैसी गंभीर बीमारी पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाया जा सकता है।

कर्बला के शहीदों को याद कर निकला ताजिया जुलूस, भाईचारे का दिया संदेश

पंकज कुमार पाठक, समाज जागरण

पदमा- प्रखंड में मोहर्रम का पर्व श्रद्धा, आस्था और आपसी भाईचारे के साथ शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। मोहर्रम की दसवीं तारीख (आशूरा) पर प्रखंड के विभिन्न अखाड़ों का मिलन पिंडारकोन मैदान में हुआ, जहां "या अली-या हुसैन" के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। इस दौरान अखाड़ों के सदस्यों ने पारंपरिक शस्त्रों के साथ हैरतअंगेज करतबों और प्रदर्शन से लोगों का मन मोह लिया।

मोहर्रम मेले की शुरूआत बुधवार से हुई थी, जबकि शुक्रवार को नमाज के बाद मुख्य आयोजन संपन्न हुआ। कर्बला स्थल पर बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की और एक-दूसरे से गले मिलकर पर्व की मुबारकबाद दी। ताजिया और निशान के साथ निकले जुलूस में डंका पार्टी, बैंड-बाजा, ताशा पार्टी और डीजे भी शामिल थे, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना रहा।

पूरे आयोजन के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। प्रखंड प्रशासन और पुलिस बल लगातार मेले का जायजा लेते रहे तथा संवेदनशील स्थानों और प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

मोहर्रम इस्लामी कैलेंडर का पहला और पवित्र महीना माना जाता है। आशूरा के दिन पैगंबर हजरत मोहम्मद के नवासे हजरत इमाम हुसैन ने कर्बला में अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध शहादत दी थी। उनकी कुबार्नी आज भी सत्य, न्याय, इंसानियत और हक की रक्षा के लिए संघर्ष का प्रतीक मानी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मोहर्रम की नौवीं और दसवीं तारीख को रोजा रखने से पिछले वर्ष के गुनाह माफ हो जाते हैं।

इस तीन दिवसीय ऐतिहासिक मेले को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सभी अखाड़ा समितियों और पिंडारकोन मेला समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन में मुखिया सुनीता देवी, अजीत कुमार दास, शमशेर अंसारी, मुख्तार अंसारी, आफताब अंसारी, मुखिया प्रतिनिधि प्रभु कुमार मेहता, अजय कुमार दास, बुधन सुबोध कुमार दास, वार्ड सदस्य दिना राम, हामिद अंसारी, मुमताज अंसारी, जमालुद्दीन अंसारी, प्रभु राम समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मोहर्रम के इस आयोजन ने एक बार फिर क्षेत्र में आपसी सौहार्द, एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

आजादनगर फायरिंग कांडः मुख्य आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने बरामद की पिस्तौल, कारतूस और खोखा, फरार आरोपियों की तलाश तेज

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुरः आजादनगर थाना क्षेत्र में 1 जून को हुई चर्चित फायरिंग मामले की जांच में पूर्वी सिंहभूम पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले के मुख्य आरोपी मुबारक अंसारी को पुलिस रिमांड पर लेकर की गई गहन पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल की गई 7.65 एमएम की पिस्तौल, एक जिंदा कारतूस तथा फायर किया गया खोखा बरामद किया गया है। पुलिस ने इस बरामदगी को मामले की जांच में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। वहीं फरार चल रहे अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न राज्यों में लगातार छापेमारी अभियान जारी है।

जानकारी के अनुसार, 1 जून 2026 को आजादनगर थाना क्षेत्र के रोड नंबर-3 स्थित सिब्तैन मस्जिद के समीप फायरिंग की घटना हुई थी। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू की गई और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया।

इस मामले में पुलिस ने मुबारक अंसारी, मोहम्मद शफीक, तनवीर उर्फ इमरान उर्फ खेपा, महताब तथा तनवीर उर्फ समीर के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की थी। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे। पुलिस ने लगातार तकनीकी अनुसंधान और छापेमारी अभियान चलाते हुए उनकी तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पहली सफलता 13 जून को मिली, जब आरोपी तनवीर उर्फ इमरान उर्फ खेपा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसके बाद मुख्य आरोपी मुबारक अंसारी सहित अन्य फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के विभिन्न जिलों में लगातार छापेमारी की गई। पुलिस की बढ़ती दबिश के कारण मुख्य आरोपी मुबारक अंसारी ने 22 जून को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण के बाद पुलिस ने न्यायालय से अनुमति प्राप्त कर 25 जून को मुबारक अंसारी को पुलिस रिमांड पर लिया। रिमांड के दौरान उससे कई घंटों तक गहन पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने घटना में प्रयुक्त हथियार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी, जिसके आधार पर पुलिस ने उसकी निशानदेही पर 7.65 एमएम की पिस्तौल, एक जिंदा कारतूस तथा फायर किया गया खोखा बरामद कर लिया। पुलिस ने बरामद हथियार को जब्त कर लिया है और उसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जांच के माध्यम से यह पुष्टि की जाएगी कि बरामद पिस्तौल का उपयोग इसी फायरिंग घटना में किया गया था या नहीं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हथियार की बरामदगी से मामले की जांच और मजबूत हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने अन्य साथियों तथा घटना की साजिश से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य भी बताए हैं। पुलिस इन जानकारियों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी मुबारक अंसारी का आपराधिक इतिहास पहले से रहा है। उसके खिलाफ कपाली ओपी थाना में पूर्व से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उसके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की भी गहन जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसका किसी संगठित आपराधिक गिरोह या अन्य अपराधियों से कोई संबंध है या नहीं।

पूरे अभियान का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक (पटमदा) दयानंद कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने किया। टीम लगातार आरोपियों की गिरफ्तारी, तकनीकी साक्ष्य जुटाने और मामले की कड़ियों को जोड़ने में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए अभियान और तेज किया गया है तथा सभी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

पूर्वी सिंहभूम पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी फरार आरोपी के संबंध में कोई सूचना मिले तो उसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित कर उन्हें कानून के दायरे में लाया जा सके। पुलिस का कहना है कि इस चर्चित फायरिंग कांड में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी तक कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

मेहरमा में शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया मोहर्रम

समाज जागरण

गोड्डा मेहरमा प्रखंड मुख्यालय सहित क्षेत्र के विभिन्न गांवों में मोहर्रम पर्व पारंपरिक रीति रिवाज के साथ हरसोल्लाशपूर्ण वातावरण में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। इसे लेकर मुहर्रम वाले गांवों में दंडाधिकारी और पुलिस बल को तैनात किया गया था। सुरनी, सिंघाड़ी, सुखाड़ी, मनगढ़- मैनाचक व देवनचक में भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया। थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर सहायक अवर निरीक्षक सहदेव प्रसाद पुलिस बल के साथ घूम-घूम कर विधि व्यवस्था का जायजा लेते दिखे। समाचार भेजे जाने तक कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। सुरनी में पहलाम स्थल विवाद को लेकर भी ग्रामीणों की आपसी सहमति से सुलझ गया। पिछले वर्ष जहां पहलम किया गया था। इस वर्ष भी लोगों ने वहीं पहलाम किया। इसके अलावा डोय, हरिपुर, कमरगामा, चंपा, कसबा, शंकरपुर, बरारी, अमजोरा-पिरोजपुर, बाजितपुर में भी लोगों ने शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व को मनाया।इस अवसर पर देवनचक, मैनाचक-मानगढ़,सिंघाड़ी सहित अन्य गांवों में मेला भी लगाया गया।मेला में बच्चों के मनोरंजन, मिष्ठान सहित कईप्रकार के खेल तमाशे के दुकान सजे थे ।जहां लोगों ने जमकर मेले का लुफ्त उठाया।

इधर चंपा गांव के मोहर्रम जुलूस में एक अनोखा दृश्य देखने के लिए मिला। जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा।यहां निशान जुलूस में शामिल कुछ लोगों जो जंघी नाम से जाने जाते हैं,सड़क किनारे बैठी महिला को लांघकर पार होते देखा गया।लोगों ने बताया कि ऐसी परंपरा रही है कि गंभीर रूप से बीमार महिला या पुरुष को मोहर्रम जुलूस मेअअं शामिल जंघी उसे लांघकर पार होते हैं तो उसकी बीमारी ठीक हो जाती है।कई लोगों ने इसे पाखंड और अंधविश्वास भी बताया।

इधर मोहर्रम को लेकर दोपहर पूर्व से हीं पुरे प्रखंड की विधूत आपूर्ति बाधित रही। इससे प्रचंड गर्मी में लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। गर्मी से तरबतर लोगों को यत्र -तत्र, वृक्ष के नीचे व बगीचे में शरण लेते देखा गया। सबसे अधिक परेशानी बच्चों, वृद्ध व बीमार लोगों को उठानी पड़ी।

पटना में पुलिसिंग होगी और सख्त

14 और थानों में अब इंस्पेक्टर होंगे थानाध्यक्ष

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ तथा प्रशासनिक रूप से बेहतर बनाने के उद्देश्य से पटना जिले के 14 और थानों को अपग्रेड कर दिया गया है। इन थानों में अब थानाध्यक्ष (रल्ड) के रूप में सब-इंस्पेक्टर के बजाय इंस्पेक्टर रैंक के पुलिस अधिकारियों की तैनाती होगी। इस निर्णय के साथ ही जिले में इंस्पेक्टर रैंक के थानों की संख्या बढ़कर अब 55 हो गई है। अपग्रेड होने वाले प्रमुख थानों में मनेर, गौरीचक, धनरूआ, रूपसपुर, विक्रम, खुसरूपुर, गोपालपुर, मुसल्लहपुर, रानीतालाब, अथमलगोला, सालिमपुर, दुल्हिनबाजार और नदी थाना शामिल हैं। इन थानों में फिलहाल सब-इंस्पेक्टर पदस्थापित हैं, लेकिन जल्द ही यहाँ इंस्पेक्टर रैंक के पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। राज्य के डीजीपी विनय कुमार के निदेर्शानुसार, पूरे बिहार में 217 थानों को अपग्रेड किया गया है, जिसके बाद प्रदेश में कुल अपग्रेडेड थानों की संख्या 425 हो गई है।रिपोर्ट के अनुसार, पटना जिले में इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारियों की कोई कमी नहीं है, यहाँ स्वीकृत पदों (144) के सापेक्ष पर्याप्त संख्या में अधिकारी मौजूद हैं। इसके बावजूद, पूर्व से अपग्रेडेड 41 थानों में से 8 थानों (जैसे पत्रकार नगर, बहादुरपुर, नौबतपुर, रामकृष्णानगर, पालीगंज आदि) में नियमों के विपरीत सब-इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारियों को थानाध्यक्ष बनाया गया था। पुलिस मुख्यालय ने इस लापरवाही को गंभीरता से लिया है। अब इन थानों में भी इंस्पेक्टरों की ही तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। थानों को अपग्रेड करने के पीछे प्रशासन का मुख्य उद्देश्य कुशल पुलिस प्रबंधन, बेहतर प्रशासनिक नियंत्रण और अपराध पर प्रभावी लगाम लगाना है। विशेषज्ञों का मानना है कि इंस्पेक्टर स्तर के अनुभवी थानाध्यक्षों की तैनाती से आपराधिक कांडों के त्वरित निस्तारण, अनुसंधान की गुणवत्ता और पुलिसिंग में अनुशासन को और अधिक मजबूती मिलेगी। जिले के वरीय पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जल्द ही सभी अपग्रेडेड थानों में इंस्पेक्टरों की पदस्थापना कर दी जाएगी, ताकि आम जनता को बेहतर पुलिसिंग सेवा मिल सके।

पटना के पालीगंज व्यवहार न्यायालय के उद्घाटन की तैयारियां अंतिम चरण में 29 जून को मुख्य न्यायाधीश करेंगी लोकार्पण

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पालीगंज में नवनिर्मित व्यवहार न्यायालय के भव्य उद्घाटन समारोह की तैयारियां अब अपने अंतिम चरण में हैं। 29 जून को पटना उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मीनाक्षी मदन राय इस नवनिर्मित भवन का विधिवत उद्घाटन करेंगी। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को पटना जिला एवं सत्र न्यायाधीश रूपेश देव ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रूपेश देव के साथ फैमिली कोर्ट के प्रिंसिपल जज अविनाश कुमार, पालीगंज सब-जज रवि पांडे और पटना सिविल कोर्ट के रजिस्ट्रार राहुल प्रकाश मौजूद रहे। जिला जज ने कोर्ट परिसर में मंच, टेंट, बिजली आपूर्ति, सुरक्षा और कार पार्किंग जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की। उन्होंने कोर्ट रूम, न्यायाधीशों के कक्ष और प्रशासनिक कार्यालयों का निरीक्षण करते हुए कोर्ट नजीर चंदन कांत चंद्रा को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही न्यायाधीशों के लिए बने आवास का भी अवलोकन किया गया। इस अवसर पर पटना उच्च न्यायालय के निरीक्षी न्यायाधीश न्यायमूर्ति मोहित कुमार सहित कई वरीय न्यायाधीश मौजूद रहेंगे। उद्घाटन समारोह में पटना सिविल कोर्ट, पटना सदर, दानापुर, मसौड़ी और बाढ़ व्यवहार न्यायालय के न्यायिक पदाधिकारी भी विशेष रूप से आमंत्रित किए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान कोर्ट भवन के साथ-साथ हाजत भवन, न्यायाधीश आवास और अधिवक्ता भवन (वकालतखाना) का भी लोकार्पण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान पालीगंज के एसडीएम चंदन कुमार, एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह और थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त किया। अधिवक्ता संघ के महामंत्री विजय भूषण सिंह सहित अन्य अधिवक्ताओं ने भी कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित किया है। जिला जज ने सभी कार्यों को समय से पूर्व पूर्ण करने का निर्देश दिया है, ताकि आयोजन में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे।

पटना में बढ़ती चेन स्नैचिंग पर लगाम की तैयारी अपराधियों की अब थानों में होगी परेड

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी में बढ़ती चेन स्नैचिंग की वारदातों को देखते हुए पटना पुलिस अब 'एक्शन मोड' में आ गई है। हाल ही में धनरूआ और शहर के विभिन्न इलाकों में हुई घटनाओं के बाद आईजी जितेंद्र राणा ने कड़ा रुख अपनाते हुए तीनों नव-पदस्थापित सिटी एसपी को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। अब चेन स्नैचिंग करने वाले अपराधियों की थानों में परेड कराई जाएगी, ताकि अपराधियों में कानून का खौफ पैदा हो सके। आईजी ने निर्देश दिए हैं कि पूर्व में चेन स्नैचिंग के मामलों में गिरफ्तार और फिलहाल जमानत पर बाहर चल रहे अपराधियों की सूची तैयार की जाए। पुलिस इन अपराधियों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखेगी। साथ ही, शहर के उन संवेदनशील इलाकों (हॉटस्पॉट) को चिह्नित किया जाएगा, जहाँ स्नैचर्स सबसे अधिक सक्रिय हैं। इन क्षेत्रों में पेट्रोलिंग को और अधिक सघन बनाने के लिए कहा गया है। आईजी ने सभी एसपी को घटनाओं की समेकित रिपोर्ट तैयार करने और अनुसंधान में तेजी लाकर अपराधियों को जल्द सजा दिलाने का निर्देश दिया है। जून माह में चेन स्नैचिंग की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने आम लोगों में दहशत फैला दी है। 10 जून को एग्जीबिशन रोड में बुजुर्ग महिला से लूट का प्रयास, 12 जून को डीएम के स्टेनो की पत्नी और पूर्व डीन की पत्नी से चेन लूट, और 16 जून को बहादुरपुर में सेवानिवृत्त शिक्षिका को निशाना बनाना इसकी बानगी है। हद तो तब हो गई जब 23 जून को पटना-गया मार्ग पर अपराधियों ने शादी से लौट रहे एक युवक को गोली मारकर चेन लूट ली। पुलिस का मानना है कि इन वारदातों पर काबू पाने के लिए केवल गश्त ही काफी नहीं है, बल्कि अपराधियों की सक्रिय ट्रैकिंग भी जरूरी है। आईजी जितेंद्र राणा ने कहा कि थानों में परेड कराने का मुख्य उद्देश्य अपराधियों को चिन्हित करना और उनके नेटवर्क को ध्वस्त करना है। पुलिस अब इन घटनाओं के अनुसंधान को प्राथमिकता पर रख रही है ताकि अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा जा सके। शहरवासी अब उम्मीद कर रहे हैं कि इन नए सुरक्षा कदमों से राजधानी की सड़कों पर महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

पटना में प्लास्टिक दाना के नाम पर कारोबारी से 3.82 करोड़ की बड़ी ठगी जीएसटी बिल देकर दिया झांसा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी के खाजेकलां इलाके में एक बड़े साइबर फ्रॉड का मामला सामने आया है। प्लास्टिक कचरे से दाना तैयार करने वाले व्यवसायी धीरज कुमार के साथ लगभग 3.82 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई है। पीड़ित कारोबारी ने इस संबंध में साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। धीरज कुमार, जिनकी रानीपुर में 'धीरज प्लास्टिक वर्क्स' के नाम से फैक्ट्री है, ने बताया कि संजय पॉल नाम का एक व्यक्ति उनकी कंपनी के कार्यालय आया था। उसने खुद को प्लास्टिक दाना बनाने वाले कच्चे माल का ब्रोकर बताया और बाजार दर से काफी कम कीमत पर माल उपलब्ध कराने का लालच दिया। कारोबारी ने उसकी बातों पर भरोसा कर कच्चे माल का ऑर्डर दे दिया। संजय पॉल ने उन्हें 'बालाजी ट्रेडर्स' और 'ट्रिनिटी ब्रॉडवे कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड' नामक दो कंपनियों के बैंक खातों का विवरण दिया और इनमें भुगतान करने को कहा। विश्वास दिलाने के लिए उसने कारोबारी को जीएसटी बिल भी थमा दिया। धीरज ने धीरे-धीरे कर कुल 3 करोड़ 82 लाख 88 हजार रुपये उक्त खातों में ट्रांसफर कर दिए। पैसा जमा करने के बाद जब माल की आपूर्ति नहीं हुई, तो धीरज ने संजय पॉल से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसका मोबाइल बंद हो गया। जांच करने पर पता चला कि जिन कंपनियों के खातों में रुपये ट्रांसफर किए गए थे, वे केवल धोखाधड़ी के उद्देश्य से बनाई गई थीं। ठगी का अहसास होते ही पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। साइबर पुलिस अब उन दोनों कंपनियों और संजय पॉल की कॉल डिटेल व बैंक खातों की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में यह एक बड़ा अंतरराज्यीय गिरोह का काम लग रहा है। पुलिस का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही गिरोह का खुलासा किया जाएगा।

स्वतंत्रता आंदोलन में किसान सभा की भूमिका पर मंथन स्वामी सहजानंद सरस्वती की 76वीं पुण्यतिथि पर आयोजित संगोष्ठी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ क्रांतिकारी किसान नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती की 76वीं पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को जिले के बिहटा अंतर्गत राघवपुर स्थित श्री सीताराम आश्रम में एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। श्री सीताराम आश्रम ट्रस्ट और पटना जिला किसान सभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'स्वतंत्रता आंदोलन में किसान सभा की भूमिका' था। कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्वामी सहजानंद के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी, बल्कि जमींदारी प्रथा और सामाजिक भेदभाव जैसी कुरीतियों के विरुद्ध भी बिगुल फूंका। 1927 में पटना पश्चिमी किसान सभा, 1929 में बिहार राज्य किसान सभा और 1936 में अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना ने देश के किसान आंदोलन को एक नई राष्ट्रीय पहचान दी। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि आज के दौर में कृषि भूमि अधिग्रहण और बदलती नीतियों के बीच स्वामी जी के विचारों को अपनाना और किसानों को संगठित करना बेहद आवश्यक है। संगोष्ठी के दौरान दीक्षा फाउंडेशन के बच्चों द्वारा लगाई गई कला प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बनी रही। इसमें मधुबनी पेंटिंग, जूट क्राफ्ट, कपड़े के थैले और बांस से निर्मित उत्पादों के साथ-साथ शानदार कैनवास पेंटिंग प्रदर्शित की गई। उपस्थित बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बच्चों की प्रतिभा की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।कार्यक्रम का संचालन गोपाल शर्मा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सुधांशु कुमार ने किया। इस दौरान कैलाश चंद्र झा, जितेंद्र कुमार, उमेश सिंह, ज्ञानचंद्र भारद्वाज और रवींद्रनाथ राय सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे, जिन्होंने महान क्रांतिकारी के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

नशा मुक्ति सप्ताह का समापन, नशामुक्त समाज के निर्माण का लिया गया सामूहिक संकल्प

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

26 जून। अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर 17 से 26 जून तक आयोजित नशा मुक्ति सप्ताह का जिला स्तरीय समापन समारोह शुक्रवार को खगड़ा स्थित सम्राट अशोक भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पदाधिकारी नवीन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने संयुक्त रूप से की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के पौधा भेंट कर स्वागत, दीप प्रज्वलन एवं बिहार गीत के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इसके बाद नशा मुक्ति विषय पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसके माध्यम से नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव और नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया।

नशा मुक्ति सप्ताह के दौरान आयोजित चित्रकला, वाद-विवाद सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही आमजन को नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जिला पदाधिकारी नवीन कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार में लागू शराबबंदी समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शराब के साथ-साथ अन्य मादक पदार्थ भी व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए समान रूप से घातक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नशामुक्ति अभियान का ब्रांड एम्बेसडर बताते हुए आह्वान किया कि वे अपने विद्यालय, परिवार और समाज में नशे के खिलाफ जनजागरूकता फैलाएं। उन्होंने कहा कि कम उम्र में जिज्ञासा और गलत संगति के कारण युवा नशे की ओर आकर्षित हो जाते हैं, जिससे उनका भविष्य प्रभावित होता है।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति का जीवन बर्बाद करता है, बल्कि अपराध को भी बढ़ावा देता है। नशे की लत व्यक्ति को चोरी, छिनैती, लूट जैसे अपराधों की ओर धकेल सकती है तथा पारिवारिक हिंसा और सामाजिक विघटन का कारण भी बनती है। उन्होंने युवाओं एवं स्कूली बच्चों से नशे से दूर रहने तथा अपने साथियों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की अपील की।

समारोह के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने नशामुक्त समाज के निर्माण और नशे के विरुद्ध जनजागरूकता फैलाने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त प्रदीप कुमार झा, अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत कुमार, वरीय उपसमाहर्ता-सह-सहायक निदेशक जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग श्रीति कुमारी, जिला योजना पदाधिकारी-सह-जिला जनसंपर्क पदाधिकारी कुंदन कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

किशनगंज सिविल कोर्ट में अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं कर्मियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का लिया संकल्प

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

26 जून। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निदेर्शानुसार शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर किशनगंज सिविल कोर्ट परिसर में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, किशनगंज नम्रता तिवारी ने की। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ओम शंकर ने उपस्थित न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं, न्यायालय कर्मियों तथा पारा विधिक स्वयंसेवकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई।

समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने तंबाकू, सिगरेट, शराब तथा अन्य सभी प्रकार के नशीले एवं घातक पदार्थों का सेवन नहीं करने तथा अपने परिवार, कार्यस्थल और समाज में नशामुक्ति के प्रति जन-जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

शपथ ग्रहण के उपरांत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश नम्रता तिवारी ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज–तीनों के लिए घातक है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे स्वयं इन जानलेवा व्यसनों से दूर रहें और दूसरों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त समाज का निर्माण संभव है।

कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारी, अधिवक्ता, व्यवहार न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कर्मचारी तथा पारा विधिक स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह और निष्ठा के साथ नशामुक्त समाज के निर्माण के अभियान में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इस अवसर पर सिविल कोर्ट, किशनगंज से समाज को नशामुक्ति का सशक्त एवं सकारात्मक संदेश दिया गया।

नबीनगर में मारपीट और हत्या के प्रयास के मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर थाना पुलिस ने मारपीट और हत्या के प्रयास के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला नबीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम महसू का है।नबीनगर थानाध्यक्ष को सूचना मिली कि ग्राम महसू में मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच झड़प हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पीड़ित पक्ष से आवेदन मिलने के बाद पुलिस ने सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने त्वरित अनुसंधान और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों मे जिकरुल्लाह अंसारी, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद सद्दाम, गुलाम गौस, और गुलाम सरवर शामिल है । थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि मामले में अग्रतर विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है और किसी को भी कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

नबीनगर में सिंगरौली एक्सप्रेस से 301.5 लीटर देशी शराब जब्त

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने में जुटी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर नबीनगर रोड रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या दो पर छापेमारी के दौरान आरपीएफ की टीम ने आप सिंगरौली एक्सप्रेस से 301.5 लीटर देशी शराब बरामद की है।हालांकि इस मामले में किसी की गिरफ्तारी की पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। पुलिस शराब रखने वालों की पहचान में जुटी है।नबीनगर थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। शराब तस्करी और भंडारण में शामिल लोगों को चिन्हित कर जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

नबीनगर में मोहर्रम पर्व शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न, प्रशासन ने ली राहत की सांस

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) पुलिस-प्रशासन की कड़ी निगरानी और स्थानीय लोगों के सहयोग से नबीनगर में मोहर्रम का पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हो गया। मोहर्रम को लेकर प्रशासन पहले से ही अलर्ट मोड पर था। अंचलाधिकारी निकहत परवीन, नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी किशोर भारती,पुलिस इंस्पेक्टर सूरज कुमार एवं थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस बल लगातार क्षेत्र में गश्त करती रही। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी।स्थानीय लोगों ने बताया कि नबीनगर में मोहर्रम का जुलूस परंपरागत मार्गों से ही निकाला गया। मंगल बाजार स्थित शिव मंदिर के पास परंपरागत रूप से पहलाम के बाद जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से गुजरा। दोनों समुदाय के लोगों ने एक दूसरे के सहयोग से पर्व को संपन्न कराया। पर्व से पहले प्रशासन से मुलाकात के दौरान स्थानीय लोगों ने आश्वस्त किया था कि नबीनगर की गंगा-जमुनी तहजीब बरकरार रखते हुए मोहर्रम शांतिपूर्ण मनाया जाएगा। पर्व के शांतिपूर्ण समापन के बाद प्रशासन ने स्थानीय लोगों, धार्मिक समुदाय और जनप्रतिनिधियों का आभार जताया। अधिकारियों ने कहा कि जनता के सहयोग के बिना यह संभव नहीं था। पुलिस ने बताया कि पूरे पर्व के दौरान क्षेत्र में विधि-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य रही। सुरक्षा व्यवस्था में अपर थानाध्यक्ष सुमित कुमार, एस आई राजू कुमार, एस आई कामिनी कुमारी, एस आई कस्तूरी कुमारी,पीटीसी रूपकमल सिंह सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में पुलिस बल के जवान मौजूद रहे।

पटना के मनेर में अकीदत के साथ मनाया गया मुहर्रम 'या हुसैन' के नारों से गूंजा पूरा नगर

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के मनेर में मुहर्रम के मौके पर शुक्रवार को मनेर नगर परिषद क्षेत्र का वातावरण पूरी तरह से गमगीन और अकीदत भरा रहा। इस्लामिक कैलेंडर की दसवीं तारीख के अवसर पर मनेर के विभिन्न मोहल्लों से पारंपरिक गाजे-बाजे, हाथी-घोड़ों और मातमी धुनों के साथ अलम और ताजिया जुलूस निकाला गया। "या अली, या हुसैन और या हसन" के नारों से पूरा इलाका गूँजायमान हो उठा।मखदुमिया मुहर्रम कमिटी (काजी मोहल्ला), पठान टोला की 'यादगारे हुसैन' कमिटी के साथ ही चारहजार, रसूलपुर और नेवाती मोहल्ला समेत कई अन्य स्थानों से ताजिया और जुलूस सुबह में निकले। बस्ती मार्ग से शुरू हुआ यह कारवां मुख्य सड़क और दरगाह मार्ग होते हुए पूरे नगर का भ्रमण किया। जगह-जगह लोगों ने ताजिया का दर्शन किया और मन्नतें मांगीं। नगर भ्रमण के बाद सभी ताजिया वापस अपने संबंधित मोहल्लों के इमामबाड़ों में स्थापित कर दिए गए। जुलूस की परंपरा के अनुसार, देर शाम विभिन्न मोहल्लों के अखाड़ों का आयोजन किया गया। इसमें प्रशिक्षित खिलाड़ियों ने तलवारबाजी, लाठी-भाला और अन्य युद्ध कलाओं का अद्भुत प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ी। इसके पश्चात, पूरी धार्मिक रस्मों और फातिहा के साथ देर रात मनेर दरगाह शरीफ स्थित कर्बला में ताजिया का पहलाम (विसर्जन) संपन्न हुआ।शांतिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। हर संवेदनशील मोड़ पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। जुलूस में स्थानीय विधायक भाई वीरेंद्र, नगर परिषद सभापति विद्याधर विनोद, उपसभापति शंकर कुमार यादव समेत कई पार्षद और गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

काजी मोहल्ला के खलीफा रिजवान खान ने बताया कि बरसों से चली आ रही यह परंपरा एकता और भाईचारे का प्रतीक है। इस अवसर पर रालोजपा नेता कामेश्वर यादव, गुड्डू खान, इम्तियाज दाद खान, मिस्टर खान, जुनैद हुसैन खान समेत बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय निवासियों ने व्यवस्था संभालने में अपना सक्रिय योगदान दिया।

बिहार चैंबर के शताब्दी समारोह में शामिल होंगे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के शताब्दी वर्ष समारोह की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया पटना आएंगे। बिहार चैंबर के अध्यक्ष पी. के. अग्रवाल एवं कार्यकारिणी सदस्य सुमित कुमार ने नई दिल्ली स्थित संचार भवन में केंद्रीय मंत्री से मुलाकात कर उन्हें समारोह में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया।बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वे शताब्दी समारोह में भाग लेने के इच्छुक हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि संसद सत्र के समापन के बाद, सितंबर 2026 में वे पटना आकर समारोह की शोभा बढ़ाएंगे। चैंबर प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री से अनुरोध किया कि वे इस विशेष अवसर पर चैंबर के नाम पर एक 'स्मारक डाक टिकट' जारी करें, ताकि इस ऐतिहासिक उपलब्धि को स्थायी पहचान मिल सके। मुलाकात के दौरान बिहार के औद्योगिक परिदृश्य पर विस्तृत चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि वे व्यापारिक संगठनों की भूमिका और आर्थिक विकास में उनकी महत्ता को बेहतर समझते हैं। उन्होंने साझा किया कि वर्ष 1902 में उनके परिवार द्वारा मध्य प्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की स्थापना की गई थी। चर्चा के दौरान सांस्कृतिक आदान-प्रदान का भी प्रसंग आया। बिहार की विश्व प्रसिद्ध 'मधुबनी पेंटिंग' पर चर्चा करते हुए मंत्री ने कहा कि जिस तरह मधुबनी पेंटिंग ने वैश्विक स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है, ठीक उसी तरह मध्य प्रदेश की 'चंदेरी बुनाई' भी अपनी कलात्मकता के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जानी जाती है।बैठक में केंद्रीय मंत्री ने संचार मंत्रालय की भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सरकार व्यापार और उद्योग को अधिक सुगम, पारदर्शी और डिजिटल बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। बिहार चैंबर के अध्यक्ष पी. के. अग्रवाल ने कहा कि केंद्रीय मंत्री का मार्गदर्शन राज्य के व्यापारियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक होगा। इस निमंत्रण के स्वीकार होने से राज्य के उद्योग जगत में उत्साह का माहौल है।

सरकारी फाइलों में दम तोड़ रही नौनिहालों की उम्मीद

भोगीपुर विद्यालय के जर्जर भवन को लेकर समाजसेवी ने सरकार को दी चुनौती

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी पटना से सटे संपतचक प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, भोगीपुर की स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है। वर्षों से स्कूल के जर्जर भवन का पुनर्निर्माण सरकारी फाइलों में उलझकर रह गया है। विद्यालय में पढ़ने वाले शत-प्रतिशत बच्चे दलित, महादलित एवं अति पिछड़े वर्ग के गरीब परिवारों से आते हैं, जिनके लिए अब यह विद्यालय शिक्षा का केंद्र न रहकर असुरक्षा का पर्याय बन गया है। इस विद्यालय की बदहाली का मुद्दा केवल ग्रामीणों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जिला प्रशासन से लेकर बिहार विधानसभा तक पहुंच चुका है। स्थानीय विधायक सह सचेतक अरुण मांझी ने भी सदन एवं प्रशासनिक स्तर पर इसे पुरजोर तरीके से उठाया है। इसके बावजूद, निर्माण कार्य शुरू न हो पाने से स्थानीय निवासियों में गहरा रोष व्याप्त है। मिशन नौनिहाल सम्मान के संस्थापक एवं 100 वर्षीय समाजसेवी सुखदेव बाबू ने इस मामले में मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। अपनी उम्र के अंतिम पड़ाव पर खड़े सुखदेव बाबू ने भावुक होते हुए कहा, "बच्चों का भविष्य किसी भी सरकारी प्रक्रिया से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।" उन्होंने सरकार को एक बड़ी चुनौती देते हुए ऐलान किया है कि यदि सरकारी तंत्र असमर्थ है, तो प्रशासन उन्हें अनुमति दे। वे अपने निजी संसाधनों से विद्यालय का आधुनिक और सुरक्षित भवन तैयार कराने को तैयार हैं।ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि शिक्षा के अधिकार के तहत वंचित वर्ग के बच्चों को एक सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि प्रशासन जल्द ही कोई ठोस सकारात्मक निर्णय नहीं लेता है, तो गरीब बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। अब देखना यह है कि क्या सरकार इस 100 वर्षीय समाजसेवी की आवाज पर जागती है या फाइलों का खेल यूं ही जारी रहेगा।

ईएसआईसी बिहटा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प, डॉ. नंदकिशोर अल्वा ने संभाला डीन का पदभार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बिहटा स्थित ईएसआईसी अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज में गुरुवार को नेतृत्व परिवर्तन का दिन रहा। संस्थान के नवनियुक्त डीन के रूप में प्रो. (डॉ.) नंदकिशोर अल्वा एन. ने आधिकारिक तौर पर पदभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर संस्थान परिवार द्वारा आयोजित एक सादगीपूर्ण समारोह में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया, वहीं निवर्तमान डीन प्रो. (डॉ.) बिनय कुमार विश्वास को भावभीनी विदाई दी गई। पदभार ग्रहण करने के बाद अपने संबोधन में प्रो. अल्वा ने संस्थान के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य ईएसआईसी बिहटा को स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में स्थापित करना है। डॉ. अल्वा ने स्पष्ट किया कि मरीजों को विश्व स्तरीय और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने संस्थान की बेहतरी के लिए टीम वर्क पर जोर देते हुए कहा, "हम सभी के सामूहिक प्रयासों से ही ईएसआईसी बिहटा को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकता है। संस्थान के समग्र विकास के लिए मैं हर स्तर पर सहयोग के लिए तत्पर हूं।"

नवनियुक्त डीन के स्वागत में अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों, फार्मासिस्टों और अन्य कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। सभी ने डॉक्टर अल्वा के विजन का स्वागत करते हुए उनके नेतृत्व में संस्थान के विकास में अपना पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर संस्थान परिवार ने निवर्तमान डीन प्रो. (डॉ.) बिनय कुमार विश्वास के कार्यकाल की सराहना की। उनके द्वारा चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में दिए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। कार्यक्रम में अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस बदलाव के साथ ही बिहटा ईएसआईसी अस्पताल में सुधार और विस्तार की नई उम्मीदें जगी हैं।

पटना से ठगे गए 1.60 लाख, मुंबई और लखनऊ के खातों में हुई निकासी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ साइबर अपराधी अब इतने शातिर हो गए हैं कि वे कानून के दायरे को धता बताकर एक साथ कई राज्यों को अपने अपराध का केंद्र बना रहे हैं। हाल ही में पटना में सामने आए एक मामले ने साइबर सेल की चुनौतियों को उजागर कर दिया है। दानापुर निवासी जीत कुमार के खाते से साइबर ठगों ने 1.60 लाख रुपये उड़ा लिए और इस पूरे खेल में मुंबई और लखनऊ के बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया।पीड़ित जीत कुमार ने साइबर थाने में दर्ज प्राथमिकी में बताया कि उनके खाते से निकासी तब हुई, जब उन्होंने न तो किसी के साथ ओटीपी साझा किया था और न ही कोई अनजान लिंक क्लिक किया था। ठगों ने बड़ी चालाकी से राशि को निकालकर मुंबई और लखनऊ के अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर लिया। इस मामले में पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि जिस गिरोह ने ठगी की, उसके तार कम से कम दो राज्यों से जुड़े हैं। पुलिस के लिए दूसरे राज्यों में जाकर अनुसंधान करना और असली मास्टरमाइंड तक पहुंचना बेहद जटिल हो गया है। साइबर विशेषज्ञों का मानना है कि यह गिरोह पूरे देश में फैला हुआ है। शातिर बदमाश पटना या किसी अन्य शहर के लोगों को कॉल दूसरे राज्यों से करते हैं, जबकि लूटी गई राशि दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र या उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के खातों में मंगवाई जाती है।

पटना में 30 साल बाद प्रॉपर्टी टैक्स में 15% की बढ़ोतरी, 30 जून तक भुगतान पर मिलेगी छूट

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी वासियों के लिए एक अहम खबर है। पटना नगर निगम ने करीब तीन दशकों के अंतराल के बाद संपत्ति कर (प्रॉपर्टी टैक्स) की दरों में संशोधन किया है। वार्षिक किराया मूल्य (अफ्फ़) पर टैक्स में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी गई है। यह नया नियम 24 जून 2026 की शाम से प्रभावी हो गया है। साल 1995 के बाद यह पहली बार है जब शहर में प्रॉपर्टी टैक्स की दरें बढ़ाई गई हैं। बढ़ते टैक्स के बीच नगर निगम ने आम लोगों को राहत देने के लिए एक विशेष ऑफर भी पेश किया है। यदि करदाता वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अपने बकाया टैक्स का एकमुश्त भुगतान 30 जून 2026 तक करते हैं, तो उन्हें 5 प्रतिशत की सीधी छूट मिलेगी। इसके अतिरिक्त, जिन होल्डिंग्स में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था उपलब्ध है, उन्हें भी अतिरिक्त 5 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। टैक्स दरों में वृद्धि का असर निगम के खजाने पर सकारात्मक रूप से दिखना शुरू हो गया है। निगम की दैनिक आय जो पहले औसतन 50 लाख रुपये थी, वह अब बढ़कर 70 लाख रुपये प्रतिदिन तक पहुंच गई है। केवल गुरुवार दोपहर तक ही 1480 होल्डिंग्स से करीब 68 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जिसमें न्यू कैपिटल अंचल का योगदान सबसे अधिक रहा। नगर निगम के अनुसार, इस अतिरिक्त राशि का उपयोग शहर की सड़कों की मरम्मत, जल निकासी व्यवस्था, साफ-सफाई और स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने में किया जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 की धारा 127 के तहत हर पांच साल में न्यूनतम 15% टैक्स बढ़ाने का प्रावधान है। पटना में 1995 से इस पर अमल नहीं हो पा रहा था। हालांकि, निगम बोर्ड ने 2021 में ही इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी, लेकिन शहरी विकास एवं आवास विभाग से अंतिम स्वीकृति मिलने में हुई देरी के कारण इसे अब लागू किया गया है। निगम प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि वे समय पर टैक्स जमा कर शहर के विकास में अपना योगदान दें।

बिजली उपभोक्ताओं की बढ़ी परेशानी

29 जून तक ठप रहेगी नये कनेक्शन की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ यदि आप नया बिजली कनेक्शन लेने की योजना बना रहे हैं या अपने मौजूदा कनेक्शन की क्षमता बढ़वाना चाहते हैं, तो आपको अभी कुछ और दिन इंतजार करना होगा। पावर होल्डिंग कंपनी द्वारा अपने सर्वर और सॉफ्टवेयर में किए जा रहे बदलाव के कारण 29 जून तक नये बिजली कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह बंद रहेगी। पावर होल्डिंग कंपनी अपने रेवेन्यू मैनेजमेंट सिस्टम को आधुनिक बनाने के लिए नया सॉफ्टवेयर स्थापित कर रही है। यह प्रक्रिया पिछले 13 जून से चल रही है। चूंकि बिजली विभाग में नये कनेक्शन, नाम परिवर्तन और लोड बढ़ाने जैसे सभी कार्य पूरी तरह से ऑनलाइन माध्यम से ही किए जाते हैं, इसलिए इस तकनीकी बदलाव के कारण पूरी सेवा बाधित हो गई है।शहर के विभिन्न पेसू (ढएरव) डिविजन कार्यालयों में रोजाना आवेदन करने पहुंचने वाले लोगों को तकनीकी कारणों का हवाला देकर वापस भेजा जा रहा है। पिछले करीब दो सप्ताह से आवेदन प्रक्रिया बंद होने के कारण उन उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जिन्हें बिजली कनेक्शन की तत्काल आवश्यकता है। हालांकि आधिकारिक तौर पर यह कार्य 29 जून तक पूरा होना है, लेकिन सूत्रों की मानें तो प्रक्रिया सुचारू होने में 30 जून के बाद तक का समय लग सकता है। विभाग का तर्क है कि इस अपग्रेडेशन के बाद बिजली बिल जनरेशन (बिल बनाने) की प्रक्रिया अधिक सटीक और पारदर्शी हो जाएगी। नये सॉफ्टवेयर से उपभोक्ताओं को बिलिंग से जुड़ी समस्याओं में राहत मिलेगी और विभाग अपने राजस्व का हिसाब-किताब भी बेहतर ढंग से रख सकेगा। फिलहाल, उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे तकनीकी कार्य पूर्ण होने तक धैर्य रखें। विभाग की ओर से दावा किया गया है कि एक बार नया सिस्टम लागू होने के बाद आवेदन प्रक्रिया और भी तेज व त्रुटिहीन हो जाएगी।